www.shabdawanisamachar.page

राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र

RNI NO. DELHI/2003/09049

दैनिक शब्दवाणी समाचार

नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत

वर्षः 24 अंकः 263 नई दिल्ली, शनिवार, 18 जुलाई, 2026 पृष्ठः संख्या 12 मूल्यः 10 रुपये

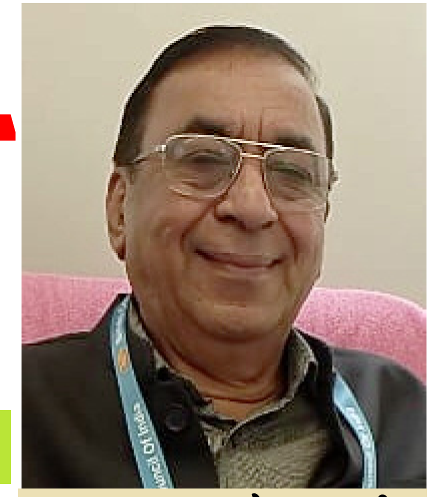

सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

सार संक्षेप

तीन देशों के राजकीय दौरे पर जाएंगी मुर्मु

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 19 से लेकर 25 जुलाई तक मोल्दोवा, नॉर्थ मैसेडोनिया और रोमानिया के राजकीय दौरे पर जाएंगी। राष्ट्रपति मुर्मु 20 जुलाई को मोल्दोवा की राष्ट्रपति माइया सैंडू के निमंत्रण पर मोल्दोवा जाएंगी। यह किसी भारतीय राष्ट्रपति का मोल्दोवा का पहला दौरा है।

बदरीनाथ मंदिर के पूर्व अधिकारी गिरफ्तार

चमोली। बदरीनाथ मंदिर में चढ़ावा हेराफेरी मामले में पुलिस ने मंदिर के पूर्व अधिकारी को सीसीटीवी फुटेज के आधार पर गिरफ्तार किया। मंदिर अधिकारी राजेन्द्र चोहान 30 जून को सेवानिवृत्त हुए थे। चार घंटे की लंबी पूछताछ के बाद पूर्व मंदिर अधिकारी राजेंद्र चौहान को एसआईटी ने शुक्रवार को दोपहर गिरफ्तार किया।

एयर इंडिया का नया ऐप लॉन्च

नई दिल्ली। एयर इंडिया ने नया मोबाइल ऐप लॉन्च किया है, जिसमें आपको टिकट बुकिंग से लेकर बैगेज ट्रैकिंग और फ्लाइट से जुड़ी कई सुविधाएं मिलेंगी। इसकी सबसे खास बात यह है कि इस ऐप में जेनरेटिव एआई तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जो आपके सफर को पहले के मुकाबले ज्यादा बेहतर और आसान बनाने में मदद करेगी। इस ऐप के जरिए आप जरूरत के हिसाब से बेहतर ट्रैवल प्लान कर सकते हैं। इसके अलावा ऐप में बैगेज सिक्योरिटी के लिए ऐपल एयर टैग और गूगल ट्रैकर जैसे फीचर्स का सपोर्ट भी दिया गया है।

आंध्र प्रदेश में कोरोना के 12 मामले, चार की मौत

अमरावती। आंध्र प्रदेश में 26 जून से 16 जुलाई के बीच कोरोना संक्रमण के 12 मामले सामने आए हैं। इस दौरान चार मरीजों की मौत भी हुई है। राज्य सरकार ने वायरस के वैरिएंट का पता लगाने को पांच सैंपल पुणे भेजे हैं। पड़ोसी राज्य कर्नाटक में भी सावधानियां बढ़ा दी गई हैं।

जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े पांच आरोपी गिरफ्तार

अहमदाबाद। गुजरात एंटी-टेररिस्ट स्क्वाड ने जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी मॉड्यूल से जुड़े पांच संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है। इन सभी को पाटन जिले के सिद्धपुर तालुका के खाडियाल गांव से पकड़ा गया। बताया गया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बिलाल आबिदभाई शेरा, मोहम्मद अयूब, मोहम्मद पालनपुरी उर्फ खाली अयूब सुनसारा, शफिया रईस मुख्ती व मोहम्मद हसन कार्डिया के रूप में हुई है। इन्हें मेहसाणा जिले के कढ़ी कस्बे में न्यायिक मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया, जहां से इन्हें 24 जुलाई तक एटीएस की हिरासत में भेज दिया गया है।

सरकार पर सख्त हुआ सुप्रीम कोर्ट, कहा

वोटर लिस्ट से तय नहीं होगी नागरिकता

- बंगाल सरकार व चुनाव आयोग को भेजा नोटिस
- सरकारी योजनाओं का लाभ न रोकने वाली याचिका पर मांगा जवाब

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर साफ किया कि नागरिकता तय करना चुनाव आयोग का अधिकार नहीं है। पश्चिम बंगाल एसआईआर विवाद पर शुक्रवार को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की। शीर्ष अदालत ने कहा कि आयोग का अधिकार केवल मतदाता सूची के नियंत्रण और पर्यवेक्षण तक सीमित है। इसलिए कानून की स्थिति में कोई भ्रम नहीं है। अदालत ने कहा कि कोई ट्रिब्यूनल किसी व्यक्ति का नाम एसआईआर सूची में शामिल न करने का फैसला देता है तो चुनाव आयोग को नागरिकता निर्धारण के लिए मामला संबंधित मंत्रालय को भेजना होगा। मतदाता सूची में नाम ना होने से नागरिकता अपने आप खत्म नहीं होती। शीर्ष अदालत ने बंगाल सरकार व चुनाव आयोग को नोटिस भेजा। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को निर्वाचन आयोग, पश्चिम बंगाल सरकार और राज्य निर्वाचन आयोग से जवाब मांगा है।

> मतदाता सूची में नाम न होने से नागरिकता अपने आप खत्म नहीं होती : सुप्रीम कोर्ट

यह मामला एक जनहित याचिका से जुड़ा है, जिसमें विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूची से हटाए गए लोगों के दावों और आपत्तियों का विधानसभा क्षेत्रवार आंकड़ा सार्वजनिक करने की मांग की गई है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी मोहना की पीठ ने इस याचिका पर सुनवाई की। यह याचिका पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस समिति की एसआईआर समिति के अध्यक्ष प्रसेनजीत बोस ने वकील नेहा राठी के जरिए दाखिल की है। सुप्रीम कोर्ट ने हालांकि उस याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति जताई जिसमें आरोप लगाया गया है कि मतदाता सूची से नाम हटाए गए लोगों को पीडीएस, अन्नपूर्णा योजना और अन्य सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले मई में भी चुनाव आयोग को राहत दी थी। कोर्ट ने आयोग की एसआईआर करने की शक्ति को सही ठहराया। कोर्ट ने माना कि बिहार में वोटर लिस्ट की एसआईआर का आदेश देकर आयोग ने 'रिप्रेजेंटेशन ऑफ पीपल एक्ट' का उल्लंघन नहीं किया। सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच ने कई राज्यों में वोटर लिस्ट की एसआईआर प्रक्रिया की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अपना फैसला सुनाया। इससे पहले बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर के बाद जिन लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए थे, वे अब भी कुछ कल्याणकारी लाभों, जैसे कि सब्सिडी वाला राशन, पाने के हकदार होंगे। हालांकि, कोर्ट ने याचिकाकर्ता का राशन कार्ड सस्पेंड किए जाने को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया।

25 अगस्त को होगी अगली सुनवाई

शीर्ष अदालर्त ने इस नई याचिका को विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़ी अन्य लंबित याचिकाओं के साथ सुनने पर सहमति जताई है। इनमें पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की याचिका भी शामिल है। मामले की अगली सुनवाई 25 अगस्त को होगी। याचिका में संविधान के अनुच्छेद 14, 19 और 21 के तहत मिले अधिकारों को लागू करने की मांग की गई है।

बंगाल में मतदाता सूची से कटे हैं 58 लाख से ज्यादा नाम

एसआईआर की ड्राफ्ट लिस्ट में 58.20 लाख नाम कट गए। ड्राफ्ट लिस्ट से पहले राज्य में 7.66 करोड़ थे, ड्राफ्ट लिस्ट में 7.08 करोड़ वोटर्स का नाम शामिल किया गया। काटे गए वोटर्स का प्रतिशत 7.6 है, यानी हर 100 से में 8 वोटर्स का नाम हटाया गया। हालांकि, 58.20 लाख वोटर्स में से 24.17 लाख मृत पाए गए, 1.38 लाख डुप्लीकेट या फर्जी थे, 32.65 लाख वोटर्स शिफ्ट, लापता और अन्य थे।

गुजरात एटीएस ने जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े पांच आरोपितों को किया गिरफ्तार

गांधीनगर, 17 जुलाई (हि.स.)। गुजरात एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े पांच और आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इससे पहले एटीएस इस मामले में आठ आरोपितों को गिरफ्तार कर चुकी है। इन्हीं आरोपितों से पूछताछ के दौरान मिले इनपुट के आधार पर इन पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सभी आरोपित गुजरात के विभिन्न जिलों के निवासी हैं। कड़ी अदालत ने पांचों आरोपितों को आठ दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया है।

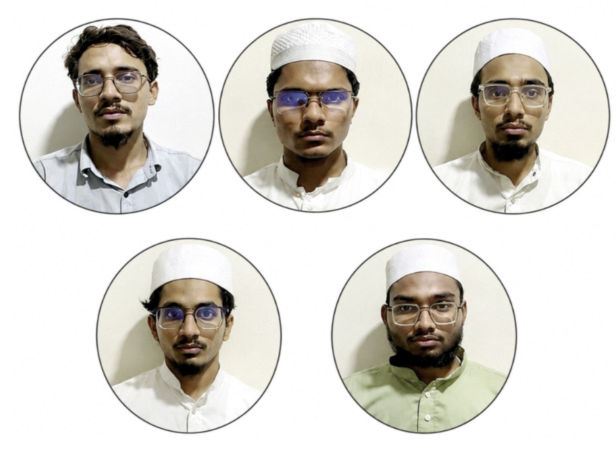

एटीएस के अनुसार गिरफ्तार किए गए पांचों आरोपित बिलाल आबिदभाई शेरा, मोहम्मद अयूब कड़ीवाला, मोहम्मद पालनपुरी उर्फ खली अयूब सुणसरा, शाफिय रईस मुखी तथा मोहम्मद हसन हनीफभाई करडिया पहले से गिरफ्तार किए गए आठ आरोपितों के संपर्क में थे और कथित तौर पर विस्फोटक सामग्री का परीक्षण भी कर रहे थे। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपितों ने अलग-अलग स्थानों पर कई बार विस्फोटकों का परीक्षण किया था। जांच एजेंसी को आरोपितों के मोबाइल फोन से बम बनाने से संबंधित पीडीएफ दस्तावेज, जिहादी साहित्य और विस्फोटक तैयार करने की जानकारी मिली है।

मानसून सत्र को लेकर सरकार का एजेंडा तय

विदेशी चंदे व वंदे मातरम् के अपमान पर सख्ती की तैयारी

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। 20 जुलाई से शुरू होने वाले संसद के मानसून सत्र के लिए सरकार ने एजेंडा तय कर लिया है। लोकसभा में 7 बिल पेश किए जाएंगे। इनमें वंदे मातरम के अपमान और विदेशी चंदा कानून में संशोधन से जुड़े विधेयक भी शामिल हैं। बिलों की अस्थायी सूची में अभी किसी भी संविधान संशोधन बिल जैसे परिसीमन या नारी संशोधन का जिक्र नहीं है। 13 अगस्त तक चलने वाले मानसून सत्र में कांग्रेस समेत विपक्षी दल नीट-यूजी पेपर लीक, अन्य भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी, अयोध्या राम मंदिर दान विवाद, ई-20 ईंधन और विदेश नीति जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी में हैं। यह सत्र 25 दिनों तक चलेगा, कुल 19 बैठकें होंगी। दिल्ली के कर्तव्य भवन में शुक्रवार को एनडीए नेताओं की बैठक हुई।

- बीस जुलाई से शुरू हो रहे मानसून सत्र में सात बिल लाएगी सरकार
- विदेशी चंदा कानून में संशोधन से जुड़े विधेयक भी होंगे शामिल

सात में से 2 बिल पुराने व तीन पहली बार पेश होंगे

सात में से दो विधेयक फॉरेन कंट्रीब्यूशन और विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान पुराने हैं। विदेशी चंदे से जुड़ा विधेयक 25 मार्च 2026 को और शिक्षा अधिष्ठान विधेयक 15 दिसंबर 2025 को लोकसभा में पेश किया गया था। इनकम टैक्स बिल, 2026 और सुप्रीम कोर्ट में जज की संख्या बढ़ाने वाले बिल अध्यादेशों का स्थान लेंगे। जबकि जन्म-मृत्यु, वंदे मातरम् के अपमान और एमएसएमई से जुड़े तीन बिल पहली बार पेश किए जाएंगे।

प्रधानमंत्री ने देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को दिखाई हरी झंडी, बोले- जींद से जुड़ेगा भारत के रेलवे इतिहास का नया अध्याय

जींद, 17 जुलाई (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को हरियाणा के जींद रेलवे स्टेशन से देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि जींद, सोनीपत और हरियाणा का नाम अब भारतीय रेलवे के इतिहास में उसी तरह दर्ज होगा, जैसे पहली रेलगाड़ी के कारण मुंबई और ठाणे का नाम दर्ज है। उन्होंने कहा कि भारत की यह हाइड्रोजन ट्रेन दुनिया की सबसे शक्तिशाली और सबसे लंबी हाइड्रोजन चालित यात्री ट्रेनों में से एक है तथा यह मेक इन इंडिया अभियान का सफल उदाहरण है। जींद के एकलव्य स्टेडियम में करीब 14,700 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं के शिलान्यास एवं लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 19वीं सदी की पहचान भाप इंजन, 20वीं सदी की पहचान डीजल और बिजली से चलने वाली रेल रही, जबकि 21वीं सदी की पहचान हाइड्रोजन ट्रेन बनने जा रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में दुनिया के केवल तीन-चार देशों के पास हाइड्रोजन ट्रेन चलाने की क्षमता है और भारत अब इस चुनिंदा समूह में शामिल हो गया है। उन्होंने कहा कि जींद से चलने वाली 10 कोच की यह ट्रेन 3,200 हॉर्स पावर के प्रोपल्शन सिस्टम से लैस है और दुनिया की सबसे शक्तिशाली हाइड्रोजन ट्रेनों में शामिल है। हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक पर आधारित यह ट्रेन हाइड्रोजन को बिजली में परिवर्तित कर चलती है तथा इसके संचालन के दौरान केवल जलवाष्प निकलती है, जिससे कार्बन उत्सर्जन नहीं होता। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय रेलवे में पिछले 12 वर्षों में हुए परिवर्तन का सबसे बड़ा लाभ देश को ऊर्जा सुरक्षा के रूप में मिला है। पश्चिम एशिया, विशेषकर होर्मुज जलडमरूमध्य, ईरान और खाड़ी क्षेत्र में जारी संघर्ष के बावजूद भारत की रेल सेवाएं प्रभावित नहीं हुई हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 से पहले रेलवे का बड़ा हिस्सा डीजल पर निर्भर था, लेकिन पिछले 12 वर्षों में देश के लगभग 99 प्रतिशत रेल नेटवर्क का विद्युतीकरण किया जा चुका है, जबकि हरियाणा में रेल नेटवर्क का शत-प्रतिशत विद्युतीकरण हो चुका है। इसी कारण तेल संकट के बावजूद देश की विकास यात्रा नहीं रुकी। प्रधानमंत्री ने कहा कि हाइड्रोजन ट्रेन न केवल पर्यावरण अनुकूल है, बल्कि मेक इन इंडिया की सफलता का भी प्रतीक है। भविष्य में हाइड्रोजन ट्रेनों से जुड़ा बुनियादी ढांचा विकसित किया जाएगा और नई फैक्ट्रियां स्थापित होंगी, जिससे हरियाणा के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि जींद और हरियाणा ने विकास की नई गति पकड़ी है और आज का दिन राज्य के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज होगा। उन्होंने लोगों से स्वच्छता को जीवन का संस्कार बनाने का भी आह्वान किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने लगभग 14,700 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण भी किया। इनमें 12,470 करोड़ रुपये से अधिक की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं शामिल हैं। उन्होंने दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे के हरियाणा खंड, अंबाला-काला अंब चार लेन राजमार्ग तथा जींद-गोहाना ग्रीनफील्ड राष्ट्रीय राजमार्ग को राष्ट्र को समर्पित किया और हांसी-बरवाला ब्राउनफील्ड राजमार्ग परियोजना की आधारशिला रखी।

सरकार पुलिस बल को अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने को प्रतिबद्ध : सम्राट

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित संवाद के सामने बने मंच से बिहार पुलिस के उपयोग हेतु 48 पुलिस बस, 30 चार पहिया वाहन एवं 6 एंबुलेंस का लोकार्पण किया। इस दौरान सीएम ने हरी झंडी दिखाकर पुलिस वाहनों को रवाना किया। पुलिस वाहनों के लोकार्पण के पूर्व उसकी कार्य प्रणाली के संबंध में उन्होंने अधिकारियों से

जानकारी ली। सीएम ने कहा कि इन पुलिस वाहनों की उपलब्धता से राज्य में पुलिसिंग की कार्य क्षमता तथा दक्षता और बढ़ेगी। साथ ही विधि व्यवस्था को मेंटेन करने में और सहूलियत होगी। राज्य सरकार कानून-व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पुलिस बल को अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। नए वाहनों से अपराध नियंत्रण, आपातकालीन स्थितियों में त्वरित कार्रवाई तथा जनसुरक्षा को और मजबूती मिलेगी। राज्य सरकार बिहार पुलिस को आधुनिक संसाधनों से सुसज्जित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

इन नए वाहनों के शामिल होने से पुलिस की त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता बढ़ेगी, गश्ती व्यवस्था और अधिक प्रभावी होगी तथा आम जनता को बेहतर सुरक्षा एवं पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। कार्यक्रम के दौरान पुलिस महानिदेशक विनय कुमार ने मुख्यमंत्री को हरित पौधा भेंटकर स्वागत किया।

अमेरिकी हमले में चाबहार पोर्ट को बड़ा नुकसान

ईरान पर की गई एयर स्ट्राइक में समुद्री यातायात नियंत्रण टावर हुआ नष्ट

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, 17 जुलाई (एजेंसियां)। ईरान ने शुक्रवार को दावा किया कि अमेरिका के ताजा हमलों में ईरान के मकरान इलाके में स्थित चाबहार बंदरगाह का समुद्री यातायात नियंत्रण टावर नष्ट हो गया है। ईरान ने इसे 'घृणित हमला' बताया और कहा कि यह हमला मछुआरों की आजीविका और क्षेत्र में आम नागरिकों की समुद्री सुरक्षा को निशाना बनाकर किया गया। ईरान ने कहा कि अमेरिकी सेना ने तीन मिसाइलें दागकर एक 'पूरी तरह से नागरिक ढांचे' को नष्ट कर दिया।

भारत के लिए भी बेहद अहम है चाबहार

ईरान के मकरान इलाके में स्थित चाबहार के जरिए भारत बिना पाक की सीमा से गुजरे सीधे अफगानिस्तान व मध्य एशियाई देशों तक सामान पहुंचा सकता है। यह बंदरगाह ईरान के लिए व्यापार, ऊर्जा निर्यात और क्षेत्रीय संपर्क का महत्वपूर्ण केंद्र है।

वर्ष 1994 बैच एजीएमयूटी कैडर के अधिकारी अनुराग कुमार दिल्ली के नए पुलिस आयुक्त

नई दिल्ली, 17 जुलाई (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने वर्ष 1994 बैच एजीएमयूटी कैडर के आईपीएस और वरिष्ठ अधिकारी अनुराग कुमार को दिल्ली पुलिस का नया आयुक्त नियुक्त किया है। आज जारी आदेश के अनुसार, उनकी नियुक्ति कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से प्रभावी होगी और अगले आदेश तक वह इस पद पर बने रहेंगे। गृह मंत्रालय के अनुसार, वर्तमान पुलिस आयुक्त सतीश गोलचा (1992 बैच, एजीएमयूटी) नए कमिश्नर के कार्यभार संभालने के बाद आगे की तैनाती के लिए दिल्ली के उपराज्यपाल के समक्ष रिपोर्ट करेंगे। दिल्ली पुलिस के शीर्ष पद पर हुए इस बदलाव को प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अनुराग कुमार को ऐसे समय राजधानी की कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जब साइबर अपराध, संगठित अपराध, मादक पदार्थों की तस्करी, महिलाओं की सुरक्षा और यातायात प्रबंधन जैसी चुनौतियां लगातार बढ़ रही हैं। नए पुलिस आयुक्त से इन क्षेत्रों में प्रभावी रणनीति और बेहतर पुलिसिंग की अपेक्षा की जा रही है।

साजिश — *पीओके में बगावत के बीच पाकिस्तान की साजिश*

गिलगित-बाल्टिस्तान को अलग राज्य बनाने की तैयारी

इस्लामाबाद, 17 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने अपने अवैध कब्जे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान को देश का पांचवां राज्य बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। गिलगित-बाल्टिस्तान विधानसभा ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार से संविधान में संशोधन करके इस क्षेत्र को प्रांत का दर्जा देने की मांग की। प्रस्ताव में कहा गया है कि गिलगित-बाल्टिस्तान के लोगों को पाकिस्तान के दूसरे राज्यों के नागरिकों की तरह समान संवैधानिक, राजनीतिक और लोकतांत्रिक अधिकार दिए जाएं।

इसके तहत इस क्षेत्र को नेशनल असेंबली, सीनेट और अन्य संघीय संवैधानिक संस्थाओं में भी प्रतिनिधित्व देने की मांग की गई है। प्रस्ताव की कॉपी पर मुख्यमंत्री, स्पीकर, डिप्टी स्पीकर, नेता विपक्ष और दो निर्दलीय विधायकों के हस्ताक्षर हैं। इसे अब पाकिस्तानी संसद के पास भेजा जाएगा।

अभी तक पाकिस्तान में केवल चार प्रांत पंजाब, सिंध, बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा हैं। प्रस्ताव में कहा गया है कि गिलगित-बाल्टिस्तान को अभी स्थायी नहीं, बल्कि अस्थायी तौर पर पाकिस्तान का राज्य बनाया जाएगा। अगर भविष्य में जम्मू-कश्मीर विवाद का कोई समाधान निकलता है, तो उस फैसले के अनुसार इस क्षेत्र की स्थिति दोबारा तय की जा सकती है। यानी पाकिस्तान ने यह रास्ता खुला रखा है कि कश्मीर विवाद के अंतिम समाधान के बाद गिलगित-बाल्टिस्तान का दर्जा बदला जा सके।

- संसद से संविधान संशोधन कर पांचवां प्रांत बनाने की रखी मांग
- विधानसभा ने सर्वसम्मति से किया प्रस्ताव पारित

पाकिस्तान की नई चाल से भारत अलर्ट

भारत इस मामले पर हमेशा से अपना रुख साफ रखता आया है। भारत का कहना है कि गिलगित-बाल्टिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) सहित पूरा जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत का अभिन्न हिस्सा हैं। नई दिल्ली ने पाकिस्तान के इस क्षेत्र की स्थिति बदलने के प्रयासों को हमेशा खारिज किया है। भारत का कहना है कि पाकिस्तान के ऐसे कदमों का कोई कानूनी आधार नहीं है और इससे जमीनी हकीकत नहीं बदल सकती।

संक्षिप्त समाचार

एसआईआर को लेकर भ्रम में न आएं, दिल्ली के किसी वैध मतदाता का वोट नहीं कटेगा : हर्ष मल्होत्रा

नई दिल्ली, 17 जुलाई (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने चुनाव आयोग द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की समय-सीमा बढ़ाए जाने का स्वागत करते हुए कहा कि इससे बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) पूरी पारदर्शिता के साथ अपना कार्य कर सकेंगे। उन्होंने दावा किया कि एसआईआर का उद्देश्य किसी भी विदेशी नागरिक को भारतीय मतदाता के रूप में पंजीकृत होने से रोकना तथा प्रत्येक भारतीय मतदाता का नाम केवल एक ही स्थान पर सुनिश्चित करना है। हर्ष मल्होत्रा ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि दिल्ली के लोगों को आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के नेताओं द्वारा फैलाए जा रहे किसी भी भ्रम में नहीं आना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति केवल दिल्ली में वैध रूप से पंजीकृत मतदाता है, उसका वोट न तो कोई कटवा सकता है और न ही भाजपा ऐसा होने देगी। उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी के नेता एसआईआर के मुद्दे को पूर्वांचल समाज के नाम पर उठाकर लोगों को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं। उनके अनुसार, इसका वास्तविक उद्देश्य अपने कथित बांग्लादेशी और रोहिंग्या समर्थक मतदाताओं को बचाना है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल सहित विभिन्न राज्यों से आकर दिल्ली में बसे लोगों ने अपने गृह राज्यों में लगातार भाजपा की सरकारों को चुना है। ऐसे में आम आदमी पार्टी का दुष्प्रचार पूर्वांचल समाज को प्रभावित नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली में निवास करने वाले सभी वैध मतदाता, विशेषकर पूर्वांचल समाज के लोग, सरकारी बीएलओ के साथ-साथ अपने क्षेत्र के भाजपा के बीएलए-2 अथवा विभिन्न जिलों में पूर्वांचल मोर्चा के कार्यकर्ताओं की सहायता लेकर अपने मतदाता पंजीकरण का सत्यापन करा सकते हैं और अपना वैध वोट सुनिश्चित कर सकते हैं।

एक वर्षीय पीजी पाठ्यक्रमों में सीटें बढ़ाने की मांग को लेकर एबीवीपी का प्रदर्शन, डीयू प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

नई दिल्ली, 17 जुलाई (दिव्य भारत ब्यूरो)। दिल्ली विश्वविद्यालय में एक वर्षीय स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रमों की सीटें बढ़ाने की मांग को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने शुक्रवार को कला संकाय के बाहर विशाल प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो. विकास गुप्ता को ज्ञापन सौंपकर सीटों में तत्काल वृद्धि की मांग की। प्रदर्शन में दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया और विश्वविद्यालय प्रशासन के समक्ष एक वर्षीय पीजी पाठ्यक्रमों में सीटों की कमी का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। एबीवीपी का कहना है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम पूरा करने वाले विद्यार्थियों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जबकि एक वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में उपलब्ध सीटें बेहद सीमित हैं। इसके कारण बड़ी संख्या में योग्य छात्र-छात्राएं उच्च शिक्षा में प्रवेश से वंचित हो रहे हैं। एबीवीपी दिल्ली के प्रांत मंत्री सार्थक शर्मा ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय देशभर के विद्यार्थियों की पहली पसंद है, लेकिन सीटों की कमी उनके भविष्य के साथ अन्याय है। उन्होंने मांग की कि विद्यार्थियों की संख्या के अनुरूप सभी एक वर्षीय पीजी पाठ्यक्रमों में पर्याप्त सीटें बढ़ाई जाएं, ताकि कोई भी पात्र विद्यार्थी केवल सीटों की कमी के कारण प्रवेश से वंचित न रहे। उन्होंने बताया कि आंदोलन और ज्ञापन के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने डीन एडमिशन के नेतृत्व में एक समिति गठित की है, जो 10 दिनों के भीतर विद्यार्थियों के हित में निर्णय लेगी। एबीवीपी ने चेतावनी दी कि यदि निर्धारित समय में सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो संगठन विद्यार्थियों के हित में अपना आंदोलन और तेज करेगा।

बारिश से फसल गंवाने वाले किसानों को 33.31 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता

नई दिल्ली, 17 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली सरकार ने वर्ष 2025 में अगस्त-सितंबर के दौरान हुई भारी बारिश और जलभराव से 100 प्रतिशत फसल नुकसान

झेलने वाले किसानों के लिए 33.31 करोड़ रुपये से अधिक की अनुग्रह सहायता राशि मंजूर की है। सरकार प्रभावित किसानों को 75,000 रुपये प्रति हेक्टेयर की दर से राहत देगी। यह राशि अगले महीने डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से सीधे किसानों के बैंक खातों में भेजी जाएगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राजस्व विभाग और सभी जिलाधिकारियों को राहत राशि के वितरण की प्रक्रिया बिना किसी देरी के शुरू करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों के हर सुख-दुख में उनके साथ खड़ी है और यह सहायता प्राकृतिक आपदा से हुए आर्थिक नुकसान की भरपाई का एक प्रयास है। सरकार के अनुसार, इस योजना के तहत 4,442.41 हेक्टेयर प्रभावित कृषि भूमि को शामिल किया गया है। विभिन्न जिलों और सब-डिवीजनों के लिए करोड़ों रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई है। इसके तहत अलीपुर (नरेला) के 364.74 हेक्टेयर प्रभावित क्षेत्र के लिए 2.74 करोड़ रुपये, बुराड़ी के 17.33 हेक्टेयर के लिए 13 लाख रुपये, पंजाबी बाग (मुंडका) के 51.50 हेक्टेयर के लिए 38.63 लाख रुपये और विकासपुरी के 26.55 हेक्टेयर प्रभावित क्षेत्र के लिए 19.92 लाख रुपये की सहायता राशि मंजूर की गई है। इसी प्रकार कंझावला क्षेत्र के अंतर्गत मुंडका और बवाना में कुल 1,758.76 हेक्टेयर प्रभावित कृषि भूमि के लिए क्रमश 8.70 करोड़ रुपये और 4.49 करोड़ रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई है। रोहिणी (मुंडका) के 137.59 हेक्टेयर प्रभावित क्षेत्र के लिए 1.03 करोड़ रुपये, कापसहेड़ा (मटियाला) के 625.93 हेक्टेयर क्षेत्र के लिए 4.69 करोड़ रुपये, जबकि नजफगढ़ और मटियाला के अंतर्गत कुल 1,459.97 हेक्टेयर प्रभावित क्षेत्र के लिए क्रमशः 9.98 करोड़ रुपये तथा 96.74 लाख रुपये की सहायता राशि मंजूर की गई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि योजना के लिए शर्तें तय की हैं कि सहायता राशि केवल वास्तविक और पात्र किसानों तक पहुंचे। जिनकी फसल अगस्त-सितंबर 2025 की भारी बारिश एवं जलभराव से पूरी तरह नष्ट हुई थी।

दिल्ली-महाराष्ट्र में फैले नकली नोट गिरोह का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार, मुंबई से बरामद हुई फर्जी नोट छापने की फैक्ट्री

नई दिल्ली, 17 जुलाई (हि.स.)। बाहरी उत्तरी जिला पुलिस ने अंतरराज्यीय नकली नोट गिरोह का पदार्फाश करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरोह के कब्जे से 299 नकली नोट बरामद किए हैं, जिनमें 286 नोट 100 रुपये और 13 नोट 500 रुपये के हैं। इसके अलावा छह 500 रुपये के नकली सैंपल नोट भी मिले हैं। जांच के दौरान मुंबई के नवी मुंबई स्थित एक ठिकाने से फर्जी नोट छापने की पूरी प्रिंटिंग यूनिट का भी खुलासा हुआ है। पुलिस का कहना है कि यह गिरोह महाराष्ट्र से नकली नोट तैयार कर दिल्ली में खपाने का काम कर रहा था।

पुलिस के अनुसार, मामले का खुलासा 29 जून को भलस्वा डेयरी इलाके में हुआ। यहां एक जनरल स्टोर संचालक पंकज ने पुलिस को सूचना दी कि देर रात एक ग्राहक पांच सिगरेट के पैकेट खरीदने आया और भुगतान के लिए 100-100 रुपये के छह नोट दिए। नोटों की बनावट और कागज पर शक होने पर दुकानदार ने सूझबूझ दिखाते हुए इलाके में गश्त कर रहे बीट अधिकारी हेड कांस्टेबल प्रतीक को सूचना दे दी। हेड कांस्टेबल प्रतीक तुरंत मौके पर पहुंचे और नोटों की जांच करने पर उन्हें नकली पाया। उन्होंने बिना समय गंवाए संदिग्ध को हिरासत में लेकर वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी। पूछताछ में उसकी पहचान नटराज मोहन कंचन (62) के रूप में हुई है। वह नवी मुंबई, महाराष्ट्र का रहने वाला है। तलाशी लेने पर उसके बैग से 100 रुपये के 96 नकली नोट बरामद हुए। इसके बाद भलस्वा डेयरी थाने में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए संयुक्त पुलिस आयुक्त (नॉर्दर्न रेंज) के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त-1, एसीपी स्वरूप नगर और एसएचओ भलस्वा डेयरी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। पूछताछ के दौरान नटराज ने खुलासा किया कि वह मुंबई से दिल्ली आया था और पहाड़गंज के एक होटल में ठहरा हुआ है। पुलिस ने तुरंत होटल में छापा मारकर उसके कमरे से 100 रुपये के 180 नकली नोट और 500 रुपये के 13 नकली नोट बरामद कर लिए। आगे की पूछताछ में उसने बताया कि उसने दिल्ली के मक्सूदपुर निवासी सुभाष चंद्र को नकली नोट उपलब्ध कराए थे, ताकि उन्हें राजधानी के अलग-अलग इलाकों में चलाया जा सके। पुलिस ने 30 जून को सुभाष चंद्र को गिरफ्तार कर उसके पास से 100 रुपये के 10 नकली नोट बरामद किए।

जांच यहीं नहीं रुकी। पुलिस टीम आरोपितों की निशानदेही पर मुंबई पहुंची और स्थानीय पुलिस की मदद से नवी मुंबई स्थित ठिकाने पर छापा मारा। यहां से नकली नोट छापने की पूरी फैक्ट्री का भंडाफोड़ हुआ। पुलिस ने मौके से एचपी लैपटॉप, एप्सन प्रिंटर, जेब्रॉनिक्स लैमिनेशन मशीन, वाटरमार्क वाले विशेष कागज, 'भारत' और 'आरबीआई' अंकित पेपर, पेपर रोल, कटर तथा अन्य प्रिंटिंग उपकरण बरामद किए, जिनका इस्तेमाल नकली नोट तैयार करने में किया जा रहा था।

तकनीकी जांच और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने 13 जुलाई को नवी मुंबई रेलवे स्टेशन से विनोद मुन्नीलाल जायसवार (38) को गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया कि वही इस गिरोह का तकनीकी मास्टरमाइंड था। वह विशेष कंप्यूटर सॉफ्टवेयर की मदद से नकली नोटों के डिजिटल डिजाइन तैयार करता था और उनकी प्रिंटिंग की पूरी प्रक्रिया को संचालित करता था।

पुलिस के अनुसार, नटराज मोहन कंचन गिरोह का मुख्य सप्लायर और दिल्ली में नकली नोटों का वितरक था। वह पहले भी धोखाधड़ी के एक मामले में शामिल रह चुका है। वहीं सुभाष चंद्र दिल्ली में नकली नोटों को रिसीव कर बाजार में चलाने का काम करता था।

बाहरी उत्तरी जिला पुलिस का कहना है कि इस कार्रवाई से दिल्ली और महाराष्ट्र के बीच सक्रिय एक संगठित अंतरराज्यीय नकली नोट गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। अब जब्त किए गए लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की फॉरेंसिक जांच कर डिजिटल साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। साथ ही गिरोह के अन्य सदस्यों, नकली नोटों के पूरे नेटवर्क और अब तक बाजार में खपाए गए नोटों की जानकारी जुटाकर पूरे रैकेट को ध्वस्त करने की कार्रवाई जारी है।

दिल्ली में किन्नर के भेष में रह रहा बांग्लादेशी घुसपैठिया गिरफ्तार

नई दिल्ली, 17 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली पुलिस ने महेंद्र पार्क थाना क्षेत्र के एनएस मंडी इलाके से एक बांग्लादेशी घुसपैठिए को गिरफ्तार किया है, जो अपनी वास्तविक पहचान छिपाने के लिए किन्नर के भेष में रह रहा था और अवैध गतिविधियों को अंजाम दे रहा था। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए उसे बांग्लादेश भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

उत्तर-पश्चिम जिले की पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव ने शुक्रवार को बताया कि उत्तर-पश्चिम जिले की फॉरेनर सेल को अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों की गतिविधियों की निगरानी के दौरान गुप्त सूचना मिली थी कि महेंद्र पार्क थाना क्षेत्र के एनएस मंडी इलाके में एक संदिग्ध व्यक्ति छिपकर रह रहा है। सूचना के आधार पर इंस्पेक्टर विपिन कुमार के नेतृत्व में एसआई सपन, एएसआई राजेंद्र सिंह, हेड कांस्टेबल विक्रम, कांस्टेबल निशांत और कांस्टेबल दीपक बांगड़ की टीम ने छापेमारी की। मुखबिर की निशानदेही पर एक संदिग्ध को हिरासत में लिया गया। पूछताछ के दौरान वह भारत में रहने या यात्रा से संबंधित कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखा सका। इसके बाद पुलिस ने उसके दस्तावेजों, डिजिटल रिकॉर्ड और अन्य जानकारियों का गहन सत्यापन किया। जांच में पुष्टि हुई कि वह बांग्लादेश का नागरिक है और बिना किसी वैध अनुमति के भारत में रह रहा था।

पुलिस की पूछताछ में आरोपित ने खुलासा किया कि वह रात के समय किन्नर का भेष बनाकर अवैध गतिविधियों में शामिल होता था, ताकि उसकी वास्तविक पहचान छिपी रहे। उसने महिला जैसा दिखने के लिए जेंडर-अफर्मिंग सर्जरी कराई थी। वह भारी मेकअप करता था, साड़ी या सलवार-सूट पहनता था, विग लगाता था और महिलाओं जैसी आवाज व हाव-भाव अपनाकर लोगों को भ्रमित करता था। आरोपित की पहचान एमडी अब्दुल अलीम उर्फ प्रीति (24) के रूप में हुई है। वह बांग्लादेश का रहने वाला है। तलाशी के दौरान उसके पास से एक स्मार्टफोन मिला, जिसमें प्रतिबंधित आईएमओ ऐप इंस्टॉल था। फोन की गैलरी से बांग्लादेश के राष्ट्रीय पहचान संबंधी दस्तावेज भी बरामद हुए, जिनके आधार पर उसकी वास्तविक पहचान की पुष्टि हुई।

पुलिस ने विदेशी नागरिक अधिनियम सहित संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई करते हुए आरोपी को विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) के समक्ष पेश किया। इसके बाद नियमानुसार उसे बांग्लादेश भेजने की निर्वासन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस ने कहा है कि राजधानी में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

शरजील इमाम की जमानत याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने पुलिस से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 17 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली दंगों की साज़िश रचने के आरोपित शरजील इमाम की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया है। जस्टिस प्रतिभा सिंह की अध्यक्षता वाली बेंच ने दिल्ली पुलिस को दो हफ्ते में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। जमानत याचिका पर अगली सुनवाई 27 अगस्त को होगी। शरजील इमाम ने ट्रायल कोर्ट के 4 जुलाई के आदेश को दिल्ली हाई कोर्ट मे चुनौती दी है। कड़कड़डूमा कोर्ट ने 4 जुलाई को शरजील इमाम के साथ-सात उमर खालिद की जमानत याचिका को भी खारिज कर दी थी। शरजील इमाम ने कड़कड़डूमा कोर्ट में जमानत याचिका सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के बाद दायर की थी, जिसमें दोनों की जमानत याचिकाओं के खारिज करने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सवाल खड़े किए गए। शरजील इमाम ने जमानत याचिका में कहा था कि सुप्रीम कोर्ट के जमानत याचिका खारिज करने के आदेश के छह महीने बीतने के बावजूद ट्रायल में कोई खास प्रगति नहीं हुई है। यहां तक कि आरोप तय करने पर अभी दलीलें भी पूरी नहीं हुई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 5 जनवरी को उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिकाओं को खारिज कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने इसी दिन गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर, शिफा उर रहमान, शादाब अहम और मोहम्मद सलीम खान को जमानत दी थी। उसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने 22 मई को आरोपितों खालिद सैफी और तसलीम अहमद को छह महीने की अंतरिम जमानत दी। इस मामले में पहले ही सफूरा जरगर, आसिफ इकबाल तान्हा, देवांगन कलीता और नताशा नरवाल को जमानत मिल चुकी है। इस मामले में 18 आरोपियों के खिलाफ यूएपीए के तहत दर्ज मामले में चार्जशीट दाखिल की गई है। इस मामले में सफूरा जरगर, ताहिर हुसैन, उमर खालिद, खालिद सैफी, इशरत जहां, मीरान हैदर, गुलफिशा, शफा उर रहमान, आसिफ इकबाल तान्हा, शादाब अहमद, तसलीम अहमद, सलीम मलिक, मोहम्मद सलीम खान, अतहर खान, शरजील इमाम, फैजान खान, नताशा नरवाल और देवांगन कलीता को आरोपित बनाया गया है।

डूसू चुनाव के लिए जारी गाइडलाइंस, प्रिंटेड सामग्री पर रहेगी पूरी तरह से रोक

नई दिल्ली, 17 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव को लेकर विश्वविद्यालय प्रॉक्टर और उनकी टीम ने डूसू पदाधिकारियों और अलग-अलग छात्र संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक की।

प्रॉक्टर प्रो. मनोज कुमार सिंह ने बताया कि गुरुवार को प्रॉक्टर ऑफिस में आयोजित इस बैठक में दिल्ली उच्च न्यायालय और लिंगदोह कमेटी की गाइडलाइंस के अनुसार, डूसू चुनाव 2026 के संचालन और उससे जुड़े नियमों के बारे में सभी प्रतिनिधियों से चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि चर्चा के दौरान यह साफ तौर पर तय किया गया कि कैंपस और उसके आस-पास सार्वजनिक संपत्ति को खराब नहीं किया जाएगा और खंभों पर कोई भी होर्डिंग (प्रिंटेड और डिजिटल) या बैनर नहीं लगाए या लटकाए जाएंगे। प्रिंटेड सामग्री पर पूरी तरह से रोक है। सिर्फ.हाथ से बनी सामग्री ही तय वॉल ऑफ डेमोक्रेसी पर लगाने की इजाजत है। उन्होंने कहा कि आदेश में यह भी है कि दीवारों पर ब्लॉक-प्रिंटिंग या स्प्रे-पेंटिंग नहीं की जा सकती।

प्रॉक्टर प्रो. मनोज कुमार सिंह ने बताया कि बैठक के दौरान यह भी साफ कर दिया गया कि एमसीडी के विज्ञापन बोर्ड पर कोई भी फ्लेक्स पोस्टर नहीं लगाया जा सकता। उन्होंने कहा कि अगर अधिकारियों को ऐसा कोई डिस्प्ले मिलता है, तो प्रॉक्टर जरूरी कार्रवाई के लिए एमसीडी कमिश्नर को सूचित करेंगे।

उन्होंने बताया कि इसके अलावा, किसी भी गाड़ी पर उम्मीदवार के नाम वाले स्टिकर नहीं लगाए जाएंगे। इस संदर्भ में यह साफ किया गया कि चुनाव प्रचार के दौरान हर उम्मीदवार के लिए सिर्फ पांच कारों की इजाजत है और ट्रैक्टर, जेसीबी या जानवरों के इस्तेमाल की अनुमति नहीं है। टिंटेड शीशे वाली या छिपी हुई एवं बिना नंबर प्लेट वाली कारों पर सख़्त रोक है। अगर डीयू कैंपस में कोई अनधिकृत गाड़ी पार्क की जाती है, तो ट्रैफिक पुलिस के नियमों के अनुसार उसका चालान काटा जाएगा या उसे टो कर दिया जाएगा। मनोज कुमार सिंह ने बताया कि उम्मीदवार के नाम वाले कोई भी तोहफे या यादगार चीजे नहीं बांटी जाएंगी। कैंपस में उम्मीदवार के नाम वाले कैनोपी, छाते आदि लगाने की इजाजत नहीं है। अगर ऐसी कोई सामग्री मिलती है, तो उम्मीदवार का नॉमिनेशन रद्द कर दिया जाएगा।

यूपीएससी अभ्यर्थी से दुष्कर्म, हत्या और लूटकांड: 973 पन्नों की चार्जशीट दाखिल, 82 गवाहों के सहारे पुलिस का मजबूत केस

नई दिल्ली, 17 जुलाई (हि.स.)। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के ईस्ट ऑफ कैलाश स्थित कैलाश हिल्स में यूपीएससी की तैयारी कर रही युवती से दुष्कर्म, हत्या और लूट के बहुचर्चित मामले में दिल्ली पुलिस ने जांच पूरी कर गुरुवार को अदालत में 973 पन्नों की विस्तृत चार्जशीट दाखिल कर दी है। पुलिस का दावा है कि वैज्ञानिक साक्ष्यों, डीएनए रिपोर्ट, फिंगरप्रिंट, सीसीटीवी फुटेज, घटनास्थल के पुनर्निर्माण और अन्य तकनीकी जांच के आधार पर आरोपित के खिलाफ मजबूत साक्ष्य जुटाए गए हैं। मामले की अगली सुनवाई 18 जुलाई को होगी।

दक्षिण-पूर्वी जिले के पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि, यह वारदात 22 अप्रैल को अमर कॉलोनी थाना क्षेत्र के कैलाश हिल्स में हुई थी। यूपीएससी की तैयारी कर रही एक युवती अपने घर में मृत मिली थी। जांच में सामने आया कि उसके साथ पहले दुष्कर्म किया गया और फिर हत्या कर दी गई। वारदात के बाद आरोपी घर से कीमती सामान भी लूटकर फरार हो गया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में कई विशेष जांच टीमें गठित की गईं। पुलिस ने शुरूआत से ही वैज्ञानिक और तकनीकी साक्ष्यों पर फोकस किया। घटनास्थल की जांच सीएफएसएल लोधी कॉलोनी और एफएसएल मधुबन चौक, रोहिणी के विशेषज्ञों से कराई गई। मौके से मिले हर साक्ष्य को सुरक्षित कर फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया।

जांच के दौरान पुलिस ने इलाके और आसपास लगे 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इन फुटेज के जरिए आरोपित के घटनास्थल तक आने और वारदात के बाद भागने के पूरे रूट का पता लगाया गया। सीसीटीवी विश्लेषण के आधार पर पुलिस ने 23 वर्षीय राहुल कुमार मीणा की पहचान की और लगातार प्रयासों के बाद उसे वारदात वाले दिन ही गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपित की निशानदेही पर लूटा गया पूरा सामान भी बरामद कर लिया गया।

जांच के दौरान यह सुनिश्चित किया गया कि सबूतों की पूरी श्रृंखला मजबूत रहे, ताकि अदालत में अभियोजन पक्ष का मामला मजबूत बन सके। जांच टीम में इंस्पेक्टर लोकेन्द्र, इंस्पेक्टर रिजवान खान, एसआई मनमोहन, हेड कांस्टेबल राजेश और कांस्टेबल लखन शामिल रहे। टीम ने पड़ोसियों, सुरक्षा गार्डों, घरेलू सहायकों, मजदूरों, ड्राइवरों, सफाई कर्मचारियों, ऑटो और कैब चालकों समेत बड़ी संख्या में लोगों से पूछताछ की। वहीं साक्ष्य जुटाने और आरोपी की गतिविधियों की पुष्टि के लिए राजस्थान, हरियाणा, उप्र और दिल्ली के विभिन्न इलाकों में भी पुलिस टीमों को भेजा गया। आरोपित की गिरफ्तारी के बाद उसकी मौजूदगी में घटनास्थल का पुनर्निर्माण कराया गया। इस पूरी प्रक्रिया की क्रमवार फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी की गई। आरोपित के घर में प्रवेश, अंदर की गतिविधियों और बाहर निकलने के तरीके का रिकॉर्ड तैयार किया गया। इसके साथ ही सीसीटीवी फुटेज और रीकंस्ट्रक्शन वीडियो का गेट पैटर्न एनालिसिस भी कराया गया। जांच के दौरान सीएफएसएल विशेषज्ञों ने आरोपित का बिहेवियरल एनालिसिस इंटरव्यू और लेयर्ड वॉयस एनालिसिस (एलवीए) भी किया। घटनास्थल से मिले चांस फिंगरप्रिंट और हथेली के निशान आरोपित से मेल खा गए। इसके अलावा फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी डिवीजन द्वारा विभिन्न नमूनों की जांच की गई, जिसमें फोरेंसिक रिपोर्ट पुलिस के दावों के अनुरूप पाई गई। सबसे अहम साक्ष्य के रूप में डीएनए प्रोफाइलिंग में भी आरोपित का डीएनए जांच के दौरान मिले जैविक साक्ष्यों से मेल खा गया।

पुलिस ने जांच के दौरान भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 183 के तहत आवश्यक बयान दर्ज किए। अभियोजन पक्ष ने इस मामले में 82 गवाहों को सूचीबद्ध किया है। सभी कानूनी, वैज्ञानिक और प्रक्रियागत औपचारिकताएं पूरी करने के बाद 16 जुलाई 2026 को 973 पन्नों की विस्तृत चार्जशीट अदालत में दाखिल की गई। अब 18 जुलाई को अदालत में इस मामले पर आगे की सुनवाई होगी। दिल्ली पुलिस का कहना है कि इस जघन्य मामले में त्वरित कार्रवाई, वैज्ञानिक जांच और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपित के खिलाफ मजबूत केस तैयार किया गया है, जिससे अदालत में प्रभावी अभियोजन सुनिश्चित किया जा सके।

दिल्ली में अनशनरत सोनम वांगचुक को मिला कांग्रेस का साथ

नई दिल्ली, 17 जुलाई (हि.स.)। कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य पवन खेड़ा और उत्तर प्रदेश के कांग्रेस प्रभारी राजेन्द्र पाल गौतम ने जंतर-मंतर पर अनशनरत पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक से मुलाकात कर उनकी मांगों के प्रति पार्टी का समर्थन व्यक्त किया।

सोशल मीडिया अभियान कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रमुख अभिजीत दीपके ने एक्स पर यह जानकारी दी। दीपके ने बताया कि छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने भी इस शांतिपूर्ण आंदोलन को अपना समर्थन दिया है। इसके अलावा पवन खेड़ा और राजेन्द्र पाल ने शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांगों के प्रति समर्थन व्यक्त किया।

उल्लेखनीय है कि विभिन्न मुद्दों और प्रशासनिक विफलताओं को लेकर शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर सीजेपी के नेतृत्व में जंतर-मंतर पर धरना-प्रदर्शन जारी है। विपक्ष के कई नेताओं का इस आंदोलन को समर्थन मिल रहा है। सीजेपी ने 20 जुलाई को संसद तक मार्च निकालने की घोषणा की है।

भविष्यफल

मेष - कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंग। रुपए पैसों की सुविधा मिल जाएगी। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि व खर्चा बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

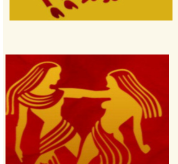

वृष - बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-3-4-5

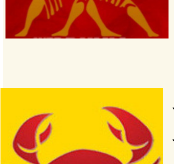

मिथुन -बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-2-4-5

कर्क - खान-पान में सावधानी रखें। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-4-6-7

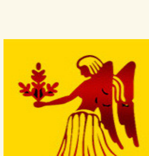

सिंह -महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगें। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या - शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानी पूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। कोई धार्मिक यात्रा करेगें। शुभांक-2-5-7

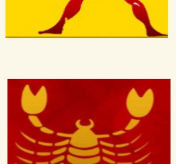

तुला -सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-3-5-7

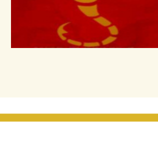

वृश्चिक -कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-2-4-6

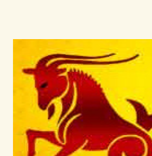

धनु -स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-4-6-8

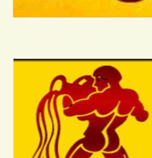

मकर -सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंग। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। शुभांक-6-7-9

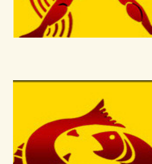

कुंभ - दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-3-5-7

मीन -अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-2-4-6

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट : उठ रहे सवालों को ले विदेश मंत्रालय का जवाब

बुलेट ट्रेन पर जापान से बातचीत जारी वर्ष 2027 में शुरू होगा पहला चरण

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल प्रोजेक्ट की प्रगति को अच्छा बताया

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने नई दिल्ली में शुक्रवार को आयोजित साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (एमएएचएसआर) प्रोजेक्ट की प्रगति को अच्छा बताया। साथ ही जापान के पूर्व मंत्री के आरोप को नकारते हुए साफ किया कि इस मामले में जापान की ओर से कोई अलग प्रस्ताव नहीं मिला था।

परियोजना का काम तय योजना के मुताबिक आगे बढ़ रहा है। हर दो हफ्ते में होने वाली मीडिया ब्रीफिंग में विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बुलेट ट्रेन परियोजना को लेकर उठ रहे सवालों पर भी बात की। इस दौरान पत्रकारों ने जापान की ओर से लगाए गए आरोपों पर सवाल किया। जिसके जवाब में जायसवाल ने कहा कि जिस पोस्ट का जिक्र किया गया है, हमने उसे देखा है। यह एक व्यक्ति की राय है, जो तथ्यों से काफी अलग है। जापान की ओर से कोई प्रस्ताव नहीं मिला था।

2030 के शुरुआती वर्षों में जापान देगा ई-20 सीरीज की ट्रेनें

जापान ई-20 सीरीज की ट्रेनें उपलब्ध कराएगा, लेकिन यह 2030 के शुरुआती वर्षों में ही संभव होगा। यह ट्रेन अभी भी तैयार की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट का निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसका पहला हिस्सा 2027 में ही शुरू कर दिया जाएगा। इसलिए दोनों देशों ने सहमति बनाई है कि शुरुआत भारतीय हाई-स्पीड ट्रेन से की जाएगी। इसी के अनुसार सिग्नलिंग उपकरण का ऑर्डर दे दिया गया है और यह अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है। उन्होंने बताया कि इस मामले में जापान की ओर से कोई अलग प्रस्ताव नहीं मिला था। परियोजना का काम तय योजना के मुताबिक आगे बढ़ रहा है और दोनों देशों का लक्ष्य है कि हाई स्पीड ट्रेन सेवा जल्द से जल्द शुरू हो।

जापान के पूर्व मंत्री ने भारत पर लगाए थे गंभीर आरोप

भारत में बुलेट ट्रेन परियोजना में देरी को लेकर जापान के पूर्व मंत्री ने सोशल मीडिया पर एक 'पोस्ट' करते हुए भारत पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने भारत के खिलाफ वादाखिलाफी की बात कही थी। प्रवक्ता जायसवाल ने बताया कि मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड ट्रेन को लेकर भारत और जापान के बीच बातचीत वास्तव में अच्छी तरह आगे बढ़ रही है। जापान के पूर्व मंत्री ने बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को लेकर भारत पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने इस प्रोजेक्ट में आने वाली देरी को लेकर भारत पर लापरवाह और वादे पूरे नहीं करने जैसे सनसनीखेज आरोप लगाए हैं। शिनकानसेन तकनीक पर जापान के पूर्व मंत्री हिदेकी माकिहारा ने कहा कि मैं खुद भारत में शिंकानसेन प्रोजेक्ट से जुड़ा था, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय बैठकें और वार्ता में जो बात सबसे ज्यादा खटकी वह थी भारतीय पक्ष की बार-बार दिखाई गई घोर लापरवाही। जापान के पूर्व मंत्री यूरोपीय सिग्नलिंग सिस्टम, ट्रेन सेट खरीदने और तकनीकी ट्रांसफर को लेकर भारत पर भड़के हैं। भारत ने जापान के बजाए यूरोप से सिग्नलिंग सिस्टम खरीदने का फैसला किया है, जबकि ट्रेन सेट खुद बनाने का फैसला किया है।

जापान के शाही उत्तराधिकार कानून में बदलाव

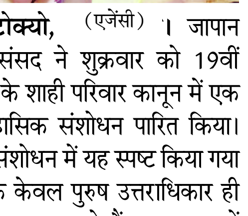

टोक्यो, (एजेंसी)। जापान की संसद ने शुक्रवार को 19वीं सदी के शाही परिवार कानून में एक ऐतिहासिक संशोधन पारित किया। इस संशोधन में यह स्पष्ट किया गया है कि केवल पुरुष उत्तराधिकार ही सम्राट बन सकते हैं। इन बदलावों में भविष्य के उत्तराधिकारी पैदा करने के लिए दूर के पुरुष रिश्तेदारों को गोद लेना और राजकुमारियों को

फिर भी प्रिंसेस आइको ताज नहीं पहन पाएंगी

आम लोगों से शादी करने के बाद भी अपना शाही दर्जा बनाए रखने की इजाजत देना शामिल है।

शाही मामलों पर नजर रखने वालों और विशेषज्ञों को आशंका है कि नए नियमों से 1,500 साल पुरानी वंशानुगत संस्था खत्म हो सकती है, क्योंकि इनमें जोर दिया गया है कि सिर्फ पुरुष उत्तराधिकारी ही सम्राट बन सकते हैं। इससे तेजी से सिकुड़ते शाही परिवार और उसके बूढ़े होते सदस्यों को लेकर चिंता बढ़ गई है।

मैक्सिको में हिली धरती, 7.4 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप

● मैक्सिको सिटी / (एजेंसी)

मैक्सिको के प्यूर्टो मादेरो के पास व ग्वाटेमाला में शुक्रवार को 7.4 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। यूएस भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, भूकंप का केंद्र प्यूर्टो मादेरो के निकट था।

यूएसजीएस ने बताया कि भूकंप 10 किमी की उथली गहराई पर आया, जिसके कारण झटके काफी तेज महसूस किए गए। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, भूकंप के झटके आसपास के कई इलाकों में भी महसूस किए गए। फिलहाल किसी बड़े जान-माल के नुकसान या हताहतों की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

प्रशासन स्थिति का आकलन कर रहा है और राहत एवं बचाव एजेंसियों को सतर्क कर दिया गया है। संबंधित एजेंसियां यह भी आकलन कर रही हैं कि भूकंप के बाद सुनामी का कोई खतरा है या नहीं। अधिकारियों ने लोगों से सतर्क रहने और स्थानीय प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करने की अपील की गई है।

चीन के चोंगछिंग में भूस्खलन से आठ लोगों की मौत, 34 लापता, 10 लोगों को जीवत निकाला

बीजिंग, (आरएनएन)। चीन के दक्षिण-पश्चिमी शहर चोंगछिंग में शुक्रवार को हुए भूस्खलन में आठ लोगों की मौत हो गई और 34 अन्य लापता हो गए। इस हादसे में कई रिहायशी इमारतें मलबे में दब गईं तथा 1,100 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। सरकारी समाचार एजेंसी ''शिन्हुआ'' के अनुसार, मलबे से 10 लोगों को जीवित निकाला गया, जिनमें दो की हालत गंभीर है।

ब्रिटेन : बर्नहैम 20 को पीएम का पद संभालेंगे

● लंदन / (हि.स.)

ब्रिटिश लेबर पार्टी के नए नेता ने कहा- मैं तैयार हूं

ग्रेटर मैनचेस्टर के पूर्व मेयर और मेकरफील्ड से सांसद एंडी बर्नहैम को मध्य लंदन में आयोजित विशेष सम्मेलन में निर्विरोध रूप से लेबर पार्टी का नया नेता चुन लिया गया है। इसके साथ ही उनके पीएम बनने का रास्ता साफ हो गया है।

बर्नहैम सोमवार को ब्रिटेन के नये पीएम के रूप में कार्यभार संभालेंगे। पार्टी नेता घोषित होने के बाद अपने पहले ऐतिहासिक भाषण में बर्नहैम ने ''मैं तैयार हूं'' का नारा देते हुए देश में ''नई राजनीति'' की शुरुआत करने, कामकाजी वर्ग को उनका पुराना गौरव और उम्मीद वापस लौटाने तथा कीर स्टारमर की बनाई मजबूत नींव पर आगे बढ़ने का दृढ़ संकल्प व्यक्त किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि देश के हर हिस्से- चाहे वह उत्तर हो, दक्षिण, स्कॉटलैंड हो या वेल्स, सभी को समान और मजबूत आवाज दी जाएगी।

बलूच आर्मी का पाक सेना पर हमला, 45 सैनिकों की मौत

बीएलए की फतह स्क्वाड ने किया था हमला

● इस्लामाबाद / (एजेंसी)

बलोचिस्तान में पाक की सुरक्षा चुनौतियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने दावा किया है कि उसके लड़ाकों ने मस्तुंग जिले के खडकोचा इलाके में पाक सुरक्षा बलों के काफिले पर बड़ा हमला किया है। संगठन के मुताबिक हमले में 45 पाक सैनिक मारे गए हैं, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं।

बीएलए के प्रवक्ता जीयंद बलोच की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि इस हमले को संगठन की फतह स्क्वाड ने अंजाम दिया। दावा किया गया कि निशाने पर पाक सेना के जवानों को ले जा रही बसें, उनके सुरक्षा एस्कॉर्ट और बाद में मौके पर पहुंची अतिरिक्त सैन्य टुकड़ियां थीं। संगठन का कहना है कि हमले के बाद दोनों पक्षों के बीच लंबे समय तक मुठभेड़ जारी रही। बीएलए ने दावा किया कि कार्रवाई के दौरान 45 से अधिक सैनिक मारे गए और दर्जनों घायल हुए हैं। संगठन ने यह भी कहा कि संघर्ष जारी रहने के कारण मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। बीएलए ने अपने बयान में कहा है कि वह जल्द ही इस अभियान से जुड़ी विस्तृत जानकारी जारी करेगा।

निजी रॉकेट विक्रम-1 आज होगा लॉन्च

इतिहास रचने को तैयार

नई दिल्ली, आरएनएन। शनिवार 18 जुलाई को भारत का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 इतिहास रचने को तैयार है। विक्रम-1 सुबह 11:30 बजे लॉन्च होगा। 7 मंजिला इमारत जितना ऊंचा यह रॉकेट आंध्र के श्रीहरिकोटा में बने इसरो के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के पहले लॉन्च पैड से उड़ान भरेगा।

स्काईरूट एयरोस्पेस का यह मिशन अंतरिक्ष में पीएम मोदी का वंदे मातरम संदेश ले जा रहा है, बल्कि सफल होते ही सस्ते सैटेलाइट लॉन्च के लिए पूरी दुनिया की नजरें भारत पर टिक जाएंगी। स्काईरूट एयरोस्पेस अगर अपने इस मिशन कामयाब रहता है, तो स्काईरूट एयरोस्पेस भारत की पहली ऐसी प्राइवेट कंपनी बन जाएगी, जो अपने दम पर किसी रॉकेट को अंतरिक्ष की कक्षा यानी आर्बिट में पहुंचाएगी।

चीन ने 2020 के चुनाव में चुराया था 22 करोड़ यूएस वोटरों का डेटा

ट्रम्प का आरोप: खुफिया एजेंसियों ने जानकारी छिपाई

● वॉशिंगटन / (एजेंसी)

यूएस राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रम्प ने चुनाव सुरक्षा को लेकर राष्ट्र को संबोधित किया। इस दौरान ट्रम्प ने पिछले चुनावों के नतीजों पर शक जताया। उन्होंने कहा कि 2020 का राष्ट्रपति चुनाव धांधली वाला था।

उन्होंने चीन पर आरोप लगाते हुए कहा कि चीन ने 22 करोड़ अमेरिकी वोटरों का डेटा चुराया और इससे जुड़ी खुफिया जानकारी राष्ट्रपति, कांग्रेस और जनता से छिपाई गई। ट्रम्प ने दावा किया कि खुफिया एजेंसियों ने अमेरिकी चुनावों में गड़बड़ी करने की चीन की कोशिशों को छिपाया। उन्होंने कहा कि चीन ने 2020 के चुनाव के दौरान अमेरिकी चुनावी डेटा के साथ अब तक की सबसे बड़ी छेड़छाड़ की। राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में ट्रम्प ने कहा, हाल ही में सार्वजनिक किए दस्तावेजों से पता चलता है कि 2020 के चुनाव के समय से शुरू होकर कई सालों तक, चीन ने चुनावी डेटा के साथ इतिहास की सबसे बड़ी छेड़छाड़ की, जिसके परिणामस्वरूप चीन ने 22 करोड़ अमेरिकी वोटरों की फाइलें अवैध रूप से हासिल कर लीं।

ट्रम्प के भाषण के जवाब में चीन के विदेश मंत्रालय ने राष्ट्रपति चुनाव में चीनी दखल के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इन्हें पूरी तरह से मनगढ़ंत बताया है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा कि ट्रम्प के दावे दुर्भावनापूर्ण और बेबुनियाद हैं, जो बहुत पहले ही निराधार साबित हो चुके हैं।

स्पाइसजेट पर लगाया 1 लाख रुपए का जुर्माना

● नई दिल्ली / (हि.स.)।

सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी (सीसीपीए) ने शुक्रवार को स्पाइसजेट लिमिटेड पर 1 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। एयरलाइन पर आरोप है कि उसने अपने फ्लाइट बुकिंग प्लेटफॉर्म पर ''डार्क पैटर्न'' यानी भ्रामक डिजाइन तकनीकों का इस्तेमाल किया।

बुकिंग प्लेटफॉर्म पर डार्क पैटर्न अपनाने पर हुई कार्रवाई

इसके तहत ग्राहकों को उनकी जानकारी या स्पष्ट सहमति के बिना स्पाइसक्लब लॉयल्टी प्रोग्राम में स्वतः शामिल किया जा रहा था और प्रमोशनल संदेश भेजने की सहमति भी पहले से चयनित (प्री-सेलेक्टेड) विकल्पों के जरिए ली जा रही थी। यह आदेश सीसीपीए की चीफ कमिश्नर निधि खरे और कमिश्नर अनुपम मिश्रा की अध्यक्षता वाली पीठ ने जारी किया।

जांच में पाया कि एयरलाइन के ऑनलाइन बुकिंग प्लेटफॉर्म पर ऐसे इंटरफेस डिजाइन का इस्तेमाल किया गया, जिससे उपभोक्ताओं की स्वतंत्र पसंद प्रभावित होती है और यह कंज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट, 2019 के प्रावधानों का उल्लंघन है।

ग्रामोदय विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए ऑनलाइन पंजीयन शुरू, 20 और 25 जुलाई तक आवेदन का मौका

चित्रकूट, 17 जुलाई (दिव्य भारत ब्यूरो)। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन पंजीयन प्रक्रिया शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इच्छुक अभ्यर्थियों से निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन करने की अपील की है। विश्वविद्यालय द्वारा जारी सूचना के अनुसार पीएचडी, बीएससी (ऑनर्स) कृषि तथा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की एनसीईटी-2026 परीक्षा के माध्यम से संचालित चार वर्षीय समेकित शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (आईटीईपी) में प्रवेश के लिए ई-समर्थ पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीयन जारी है। पीएचडी के अंतर्गत अंग्रेजी, शिक्षाशास्त्र सहित विज्ञापित सभी विषयों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 20 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है।

वहीं बीएससी (ऑनर्स) कृषि में प्रवेश मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल,

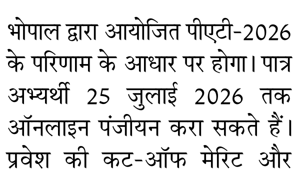

भोपाल द्वारा आयोजित पीएटी-2026 के परिणाम के आधार पर होगा। पात्र अभ्यर्थी 25 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन पंजीयन करा सकते हैं। प्रवेश की कट-ऑफ मेरिट और काउंसिलिंग कार्यक्रम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अलग से जारी किया जाएगा। इसी प्रकार बीएससी-बीएड, बीए-बीएड एवं बीकॉम-बीएड (आईटीईपी) पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए भी ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश एनसीईटी-2026 के अंकों के आधार पर होगा और आवेदन की अंतिम तिथि 25 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने बताया कि प्रवेश संबंधी विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। ऑनलाइन पंजीयन ई-समर्थ पोर्टल के माध्यम से किया जा सकता है। किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए अभ्यर्थी विश्वविद्यालय के दूरभाष 07670-265394 पर संपर्क कर सकते हैं।

भारतीय नौसेना को सौंपा गया एक और सीहॉक हेलीकॉप्टर

नई दिल्ली, आरएनएन। अमेरिकी दूतावास ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय नौसेना को एक और एमएच-60आर सीहॉक हेलीकॉप्टर सौंपा गया और दो अन्य की आपूर्ति जल्द की जाएगी। दूतावास ने कहा कि इससे पता चलता है कि दोनों देशों के बीच रक्षा साझेदारी मजबूत हो रही है। दूतावास ने एक्स पर बताया कि एक और एमएच-60आर सीहॉक नौसैनिक हेलीकॉप्टर भारत पहुंच गया है। लॉकहीड मार्टिन द्वारा बनाया यह आधुनिक सुविधाओं वाला हेलीकॉप्टर पिछले हफ्ते कोच्चि में नौसेना को सौंपा गया था।

पकड़ा गया भगवानपुरिया गैंग का गैंगस्टर नीतीश

● वाशिंगटन / (एजेंसी)

अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई ने जग्गू भगवानपुरिया गैंग के गैंगस्टर नीतीश कौशल को गिरफ्तार कर लिया है। उसे अमेरिका के वेरमाउंट से अरेस्ट किया गया है।

यूएस ने 2 दिन पहले ही मोस्ट वांटेड लिस्ट में किया था शामिल

दिलचस्प है कि अमेरिका ने 2 दिन पहले ही गैंगस्टर नीतीश कौशल को मोस्ट वांटेड की लिस्ट में डाला था। जान लें कि ऑपरेशन हार्ड बॉल के तहत एफबीआई, अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध सिंडिकेट के खिलाफ इन दिनों लगातार कार्रवाई कर रही है। बता दें कि गैंगस्टर नीतीश कौशल पर अमेरिका में इंटरनेशनल ऑर्गेनाइज्ड क्राइम सिंडिकेट का एक्टिव मेंबर होने का आरोप है।

गैंगस्टर नीतीश कौशल सिंडिकेट हत्या, ड्रग तस्करी, रंगदारी, किडनैपिंग, हथियारों की स्मगलिंग, हवाला और ह्यूमन ट्रैफिकिंग जैसी वारदातों में शामिल रहा है।

आज का इतिहास

- 1630: स्पेन के सैनिकों ने इटली के मंतुआ प्रांत पर कब्जा किया।
- 1857: बंबई विश्वविद्यालय की स्थापना आज ही के दिन हुई।
- 1861: भारत की पहली महिला स्नातक और पहली महिला फिजीशियन कादम्बिनी गांगुली का जन्म।
- 1872: ब्रिटेन में चुनाव में गुप्त मतदान अधिनियम आया। इससे पूर्व मतदान खुले तौर पर होते थे।
- 1918: नोबेल पुरस्कार सम्मानित दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला का जन्म।
- 1927: गज़ल गायक मेहदी हसन का जन्म।
- 1947: भारतीय स्वाधीनता अधिनियम को शाही स्वीकृति मिली।

नया अवतार किमी के-3 अमेरिका के एडवांस्ड सिस्टम को देगा टक्कर, मिनटों में करेगा कोडिंग और रिसर्च

चीन ने बनाया दुनिया का सबसे बड़ा ओपन एआई मॉडल

● नई दिल्ली / (हि.स.)

चीन के एआई स्टार्टअप मॉनशूट ने नया एआई मॉडल किमी के-3 लॉन्च किया। यह 2.8 ट्रिलियन पैरामीटर वाला मॉडल है, जिसे कंपनी ने दुनिया का सबसे बड़ा ओपन-वेट एआई सिस्टम बताया है। इसकी परफॉर्मेंस अमेरिका की बड़ी कंपनी एंथ्रोपिक के बेहतरीन फेबली मॉडल के बराबर बताई जा रही है।

इससे पता चल रहा है कि चीन एआई की रेस में खुद को आगे रखने के लिए लगातार नए और पावरफुल मॉडल लेकर आ रहा है। ऐसा करके वह अमेरिका के सबसे एडवांस्ड सिस्टम के बराबर आ रहा है। बता दें कि मॉनशूट, जेड एआई और मिलीमैक्स जैसी कंपनियां बहुत कम लागत में ज्यादा पावरफुल मॉडल लॉन्च कर रही हैं। इससे उस पुरानी धारणा को चुनौती मिल रही है कि चीनी डेवलपर्स अपने अमेरिकी साथियों से महीनों पीछे रहते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, मॉनशूट ने कहा कि किमी के-3 पहला ओपन-वेट मॉडल है। इसे एडवांस्ड रीजनिंग, लंबे समय तक चलने वाली कोडिंग और नॉलेज वर्क के लिए डिजाइन किया गया है। इस मॉडल में 1 मिलियन-टोकन की कॉन्टेक्स्ट विंडो है, जिससे यह एक ही प्रॉम्प्ट में पिछली पीढ़ियों के मॉडल की तुलना में कहीं ज्यादा जानकारी प्रोसेस और स्टोर कर सकता है।

ओपन मॉडल क्या है

अब तक अमेरिका की कंपनियां अपने इतने बड़े मॉडल्स को छुपाकर रखती हैं। इसे क्लोज्ड मॉडल कहते हैं। वे सिर्फ आपको इस्तेमाल करने देती हैं, लेकिन यह नहीं बतातीं कि इसे अंदर से कैसे बनाया गया है। चीन की कंपनी ने इसे ओपन मॉडल रखा है। इसका मतलब है कि वह इस शक्तिशाली दिमाग की ब्लूप्रिंट दुनिया भर के सॉफ्टवेयर डेवलपर्स और वैज्ञानिकों के लिए मुफ्त या खुले तौर पर जारी कर देगी। इससे दुनिया का कोई भी आम इंजीनियर इस एआई को लेकर अपने हिसाब से बदल सकता है, नया ऐप बना सकता है या अपने काम में इस्तेमाल कर सकता है।

यह चैटजीपीटी या जेमिनी मॉडल से कैसे है अलग

ओपन-वेट मॉडल में कोई भी व्यक्ति एआई सिस्टम को पूरी तरह से डाउनलोड करके, अपने कंप्यूटर पर चला सकता है और उसमें बदलाव कर सकता है। इसके विपरीत क्लोज्ड-सोर्स जैसे चैटजीपीटी या जेमिली मॉडल में ऐसा नहीं कर सकते हैं। आप उन्हें सिर्फ ऑनलाइन इस्तेमाल कर सकते हैं, उनमें कोई बदलाव नहीं कर सकते। ओपन-वेट मॉडल यूजर्स को इसके बेस सिस्टम को डाउनलोड करने, चलाने और कस्टमाइज करने की सुविधा देते हैं, जबकि प्रोप्राइटरी या क्लोज्ड-सोर्स मॉडल में ऐसा नहीं होता है। कंपनी ने कहा कि जीपीयू कर्नल ऑप्टिमाइजेशन के मामले में मिली के-3 ने फेबल 5 के बराबर परफॉर्मेंस किया और एंथ्रोपिक के एआई मॉडल से कहीं बेहतर परफॉर्म किया। इसका मतलब उन तकनीकों से है, जो एआई हार्डवेयर के इस्तेमाल को ज्यादा से ज्यादा बढ़ाती हैं और देरी को कम करती हैं।

पंजाब के आसमान में दिखी रहस्यमयी चमक, विशेषज्ञों ने बताया फायरबॉल मीटियर

चंडीगढ़, (एजेंसी)। पंजाब के कई जिलों में गुरुवार रात आसमान में अचानक दिखाई दी तेज चमक ने लोगों को हैरान कर दिया। हिमाचल प्रदेश और पंजाब में अमृतसर, तरनतारन, अजनाला, गुरदासपुर, दसूया, पठानकोट सहित कई इलाकों में रात करीब 8:34 से 8:40 बजे के बीच लोगों ने कुछ सेकंड के लिए आसमान में एक चमकदार वस्तु को तेजी से गुजरते हुए देखा। इस घटना के वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गईं।

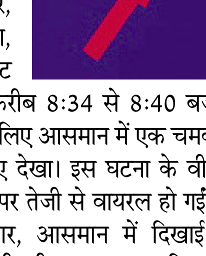

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आसमान में दिखाई देने वाली रोशनी सामान्य बिजली की चमक या आतिशबाजी जैसी नहीं थी। कई लोगों ने इसे उल्का पिंड या किसी खगोलीय घटना से जोड़कर देखा। कुछ लोगों ने बताया कि ऐसा लगा मानो आसमान में कोई बड़ा पटाखा छोड़ा गया हो, जबकि कुछ ने इसे कुछ सेकंड तक तेजी से आगे बढ़ते हुए देखा और फिर वह अचानक गायब हो गई। विशेषज्ञों के अनुसार, यह घटना 'ब्राइट फायरबॉल मीटियर' (चमकीला अग्नि उल्का) थी।

संपादकीय

हाइड्रोजन ट्रेन

देश की पहली हाइड्रोजन ऊर्जा से चलने वाली रेल की शुरूआत ने भारत में साफ-सुथरे और कम प्रदूषण वाले ट्रांसपोर्ट की ओर बदलाव की प्रक्रिया आरंभ कर दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुक्रवार को हरियाणा में हरी झंडी दिखाकर शुरू किया गया यह प्रोजेक्ट- मेक इन इंडिया की सफलता के प्रतीक के तौर पर भी प्रस्तुत किया गया। दूसरे शब्दों में कहें तो यह पूरी दुनिया को संदेश देने का प्रयास ही है कि आज भारत पर्यावरण के अनुकूल परिवहन को प्राथमिकता देने के लिये प्रतिबद्ध है। यानी हम भी इस क्षेत्र के ग्लोबल लीडर्स में शामिल होने के आकांक्षी हैं। निश्चित रूप से हाइड्रोजन फ्यूल सेल से चलने वाली यह 10-कोच वाली ट्रेन, जिसमें सिर्फ पानी की भाप ही निकलती है, डीजल इंजनों का पर्यावरण अनुकूल विकल्प भी है। उल्लेखनीय है कि हरियाणा के जींद में स्वदेशी टेक्नोलॉजी और स्थानीय स्तर पर विकसित हाइड्रोजन इकोसिस्टम के साथ, यह प्रोजेक्ट एडवांस्ड इंजीनियरिंग में देश की बढ़ती क्षमताओं को भी दर्शाता है। वहीं दूसरी ओर यह प्रोजेक्ट देश के नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन को भी संबल देने वाला है। जिसका उद्देश्य आयातित जीवाश्म ईंधन पर भारत की निर्भरता को कम करना तो है ही, साथ ही दीर्घकाल में देश के नेट-जीरो के लक्ष्यों को पूरा करने में सहयोग बढ़ाना भी है। सही मायने में देश में ग्रीन हाइड्रोजन का रणनीतिक महत्व जलवायु संबंधी चिंताओं से कहीं आगे बढ़कर है। हाल के दिनों में पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते अमेरिका व ईरान के संघर्ष से उपजे विषम हालातों ने ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की जरूरत को एकबार फिर से रेखांकित किया है। ऐसे में आयातित कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और औद्योगिक फीडस्टॉक पर भारत की भारी निर्भरता के कारण ऊर्जा सुरक्षा आज देश की राष्ट्रीय प्राथमिकता बन गई है। विशेष रूप से वैश्विक भू-राजनीतिक अस्थिरता के दौर में। आज के वैश्विक अशांति के समय में ऊर्जा सुरक्षा राष्ट्रीय संप्रभुता की रक्षा के लिए अपरिहार्य शर्त बन गई है। इसमें दो राय नहीं हो सकती है कि मौजूदा दौर में हमें नवीकरणीय ऊर्जा की उपयोगिता को बढ़ावा देना होगा। इसी क्रम में देश में ही हाइड्रोजन का उत्पादन करने से हमें अस्थिर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर निर्भरता कम करने में मदद मिल सकती है। वहीं दूसरी ओर इन सभी प्रयासों से देश की अर्थव्यवस्था को भी संबल मिलेगा। निस्संदेह, हाइड्रोजन ट्रेन को लेकर जो उत्साह देखा जा रहा है, वह स्वाभाविक ही है। लेकिन इससे जुड़ी हकीकत को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए हरित हाइड्रोजन की कीमत आम ग्रे हाइड्रोजन की कीमत से लगभग दोगुनी होती है। इसमें बिजली की अधिक लागत, महंगे इलेक्ट्रोलाइजर और लगातार पॉलिसी सपोर्ट की जरूरत, बड़े पैमाने पर इसके उपयोग को लेकर चुनौतियां पैदा कर सकती है। वहां यह भी उल्लेखनीय है कि देश के ब्रॉड-गेज रेलवे नेटवर्क का 95 फीसदी हिस्सा पहले ही बिजली से संचालित हो चुका है। हाल-फिलहाल इस बात की संभावना कम ही है कि हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन पूरे देश में इलेक्ट्रिक ट्रेनों की जगह ले लेंगी। इसके बजाय, हाइड्रोजन ऊर्जा से संचालित ट्रेनों का ज्यादा लाभ उन रूटों पर हो सकता है, जहां बिजली की लाइन बिछाना आर्थिक या तकनीकी रूप से कठिन होता है। इस दृष्टिकोण से हाइड्रोजन ट्रेन को लंबे समय के समाधान के बजाय एक रणनीतिक प्रदर्शन के तौर पर देखा जाना चाहिए। इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि भारत इसकी उत्पादन लागत किस हद तक कम करने में सफल हो पाता है। साथ ही नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमता का विस्तार करने तथा व्यावसायिक रूप से कामयाब हाइड्रोजन इकोसिस्टम बनाने में हम किस सीमा तक सफल होते हैं। इसके अलावा हमें कम लागत वाली अन्य नवीकरणीय ऊर्जा के नये स्रोतों को भी तलाशना होगा।

चोरी भी... वापसी भी! आखिर भारत की सांस्कृतिक धरोहरों का प्रहरी कौन?

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

एक ओर दुनिया से लौट रही हैं भारत की बेशकीमती पुरावस्तुएं, दूसरी ओर राज्यों की लापरवाही से देश के भीतर ही असुरक्षित हैं हमारी ऐतिहासिक विरासतेंङ्क

भारत इन दिनों अपनी सांस्कृतिक विरासत को लेकर दो बिल्कुल विपरीत धाराओं में चलता हुआ दिखाई दे रहा है। पहली तस्वीर गौरव से भर देने वाली है। दुनिया के बड़े-बड़े संग्रहालयों, निजी संग्रहों और नीलामी घरों में पहुंच चुकी भारत की सैकड़ों प्राचीन मूर्तियां, शिलालेख और कलाकृतियां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चलाए गए पुरा-संपदा वापसी अभियान के तहत एक-एक कर स्वदेश लौट रही हैं, तो दूसरी तस्वीर उतनी ही पीड़ादायक है।

वस्तुतः देश के किलों, मंदिरों और संरक्षित स्मारकों से आज भी हमारी अमूल्य धरोहरें और मूर्तियां चोरी हो रही हैं। कई बार प्रशासन को इसकी भनक तक नहीं लगती, जब तक कि कोई इस बारे में ध्यान नहीं दिलाता है! सवाल यह है कि जब भारत विदेशों से अपनी खोई हुई विरासत वापस लाने में सफल हो रहा है, तब हम अपने ही घर की विरासत को सुरक्षित क्यों नहीं रख पा रहे?

मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के ऐतिहासिक नरवर किले में हुई घटना ने इस प्रश्न को और अधिक सोचनीय बना दिया है। करीब पांच सौ वर्ष पुरानी, तीन हजार किलोग्राम से अधिक वजनी अष्टधातु की ऐतिहासिक तोप रात के अंधेरे में हथियारबंद बदमाश क्रेन और ट्रक के सहारे उठाकर ले गए। 25 से 30 बदमाशों का गिरोह आया, सुरक्षा कर्मियों को आधुनिक हथियारों के दम पर धमकाया और सदियों पुरानी धरोहर लेकर चला गया। यह किसी फिल्म की पटकथा नहीं, बल्कि भारत की विरासत सुरक्षा व्यवस्था की वास्तविक तस्वीर है।

सबसे अधिक चिंता की बात इस तोप चोरी प्रकरण में यह है कि घटना से पहले संदिग्ध गतिविधियों की सूचना स्थानीय लोगों ने दी थी। सुरक्षा बढ़ाने की मांग भी हुई थी, किंतु जिम्मेदार तंत्र ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। जिस किले में करोड़ों रुपये मूल्य की ऐतिहासिक धरोहर रखी हो, वहां न पर्याप्त रोशनी, न आधुनिक निगरानी व्यवस्था और न प्रशिक्षित सुरक्षा बल! आखिर ऐसी लापरवाही की कीमत कौन चुका रहा है? इतिहास तो पहले ही चुका रहा है, देश के सामने अनेक मसले हैं जो ऐतिहासिक भूल के कारण आज भी भारत के समक्ष नासूर बने हुए हैं!

ऐसे में यह घटना सोचने पर विवश कर रही है कि नरवर ही क्यों पिछले कई दशकों से देश के अनेक राज्य अंतरराष्ट्रीय पुरावस्तु तस्करों के लिए आसान निशाना क्यों बने हुए हैं! भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के आंकड़े बताते हैं कि उसके संरक्षित स्मारकों से ही 480 से अधिक महत्वपूर्ण पुरावशेष गायब हो चुके हैं। सबसे अधिक प्रभावित राज्यों में मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश शामिल हैं। तमिलनाडु के चोलकालीन मंदिरों से लेकर बिहार के नालंदा संग्रहालय, कर्नाटक के होयसल मंदिरों, आंध्र प्रदेश के प्राचीन मंदिरों और हिमालयी क्षेत्रों के दुर्लभ देवस्थानों तक, शायद ही कोई ऐसा क्षेत्र बचा हो जहां तस्करों ने अपनी पहुंच न बनाई हो।

खजुराहो की दुर्लभ मूर्तियां हों, तंजावुर के मंदिरों की कांस्य नटराज प्रतिमाएं, चंद्रकेतुगढ़ की मौर्यकालीन टेराकोटा कलाकृतियां या मथुरा की कुषाणकालीन प्रतिमाएं, आज भी भारत की हजारों अमूल्य धरोहरें वर्षों तक फर्जी दस्तावेजों के सहारे विदेशों के संग्रहालयों और निजी संग्रहों तक पहुंचती रही हैं।

विरासत संरक्षण से जुड़े शोधकर्ताओं द्वारा बार-बार तथ्यों एवं संदर्भों के आधार पर बताया जा रहा है कि भारत से हर दशक हजारों महत्वपूर्ण कलाकृतियां अवैध रूप से बाहर भेजी जाती हैं, जबकि वास्तविक चोरी के मामलों का बहुत छोटा हिस्सा ही पुलिस रिकॉर्ड तक पहुंच पाता है।

अब इसके उलट बात तस्वीर के दूसरे पक्ष की भी करते हैं जोकि आशा जगाता है। वर्ष 2014 के बाद भारत ने अपनी सांस्कृतिक विरासत की वापसी को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया। पहले जहां विदेशों में पहुंच चुकी भारतीय कलाकृतियों को वापस लाने के प्रयास बिखरे हुए थे, वहीं अब यह भारत की विदेश नीति और सांस्कृतिक कूटनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है।

आंकड़े स्वयं इस परिवर्तन की कहानी कहते हैं। स्वतंत्रता से लेकर वर्ष 2014 तक भारत सिर्फ 13 चोरी हुई पुरावस्तुएं ही वापस ला सका था, किंतु पिछले एक दशक में यह संख्या बढ़कर 600 से अधिक और नवीनतम सरकारी आंकड़ों के अनुसार लगभग 668 तक पहुंच चुकी है। स्वभाविक है ये दृष्य भारत के सांस्कृतिक आत्मविश्वास की पुनर्स्थापना है।

इस अभियान में अमेरिका सबसे बड़ा सहयोगी बनकर सामने आया। अकेले अमेरिका से 500 से अधिक भारतीय पुरावस्तुएं वापस मिली हैं। सितंबर 2024 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान 297 ऐतिहासिक कलाकृतियों की वापसी विश्व इतिहास की सबसे बड़ी सांस्कृतिक प्रत्यावर्तन घटनाओं में गिनी गई। इनमें दो हजार वर्ष ईसा पूर्व से लेकर उन्नीसवीं शताब्दी तक की दुर्लभ मूर्तियां, जैन तीर्थंकर, विष्णु, गणेश, अप्सराएं और अनेक पवित्र कलाकृतियां शामिल थीं।

ऑस्ट्रेलिया ने चोलकालीन नटराज प्रतिमा लौटाई, ब्रिटेन ने दुर्लभ मूर्तियां वापस कीं, इटली, कनाडा, जर्मनी, सिंगापुर और स्कॉटलैंड ने भी भारत की विरासत लौटाने में सहयोग दिया। हाल ही में नीदरलैंड से चोलकालीन दुर्लभ ताम्रपत्र सेप्पू पट्टायम की वापसी ने इस अभियान को नई ऊंचाई दी। यह स्पष्ट संकेत है कि आज विश्व भारत की सांस्कृतिक विरासत पर उसके अधिकार को पहले की तुलना में कहीं अधिक सम्मान दे रहा है। किंतु वहीं एक असहज प्रश्न भी खड़ा हो रहा है?

यदि केंद्र सरकार विदेशों से सदियों पहले चोरी हुई धरोहरों को वापस ला सकती है, तो क्या राज्य सरकारें अपने अधिकार क्षेत्र में मौजूद धरोहरों की सुरक्षा भी उसी गंभीरता से नहीं कर सकतीं? आखिर क्यों आज भी अनेक संरक्षित स्मारकों में सीसीटीवी कैमरे नहीं हैं? क्यों रात में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था नहीं होती? क्यों प्रशिक्षित सुरक्षा बलों की जगह मात्र औपचारिक चौकीदारी से काम चलाया जा रहा है? और इससे भी महत्वपूर्ण प्रश्न? किसी चोरी के बाद प्रशासन की जवाबदेही भी कभी तय होती है क्या?

वास्तव में यह किसी को नहीं भूलना चाहिए कि सांस्कृतिक विरासत पर्यटन का साधन होने के साथ ही किसी राष्ट्र की स्मृति, उसकी पहचान और उसके आत्मसम्मान का आधार होती है। एक मंदिर से चोरी हुई मूर्ति पत्थर या धातु का टुकड़ा होने तक सीमित नहीं है, वह तो सदियों से उस समाज की आस्था, इतिहास और सांस्कृतिक निरंतरता का केंद्र बिन्दु है, इसलिए जब कोई प्रतिमा चोरी होती है तो वह पूरे समाज की सांस्कृतिक चेतना का भी ह्रास है।

यहां अब कहना यही है कि नरवर किले की चोरी को सिर्फ एक आपराधिक घटना मान लेना बड़ी भूल होगी। यह उन सभी राज्यों के लिए चेतावनी है जहां हजारों संरक्षित स्मारक आज भी न्यूनतम सुरक्षा व्यवस्था के भरोसे खड़े हैं। यदि तीन हजार किलो वजनी तोप को अपराधी योजनाबद्ध तरीके से उठा सकते हैं, तो छोटी प्रतिमाओं और दुर्लभ पुरावशेषों की सुरक्षा का अनुमान सहज लगाया जा सकता है।

अब समय घटनाओं पर एफआईआर दर्ज करने के साथ इस बात का भी है कि देश में विरासत सुरक्षा की नई राष्ट्रीय कार्यसंस्कृति विकसित हो। प्रत्येक राज्य को अपने सभी पुरावशेषों की डिजिटल सूची तैयार करनी चाहिए। साथ ही वह आधुनिक निगरानी प्रणाली स्थापित करे। विरासत अपराधों के लिए विशेष पुलिस इकाइयां बनाए और पुरातत्व विभाग, स्थानीय प्रशासन तथा खुफिया एजेंसियों के बीच समन्वय को अनिवार्य बनाया जाए। इसे सभी समझें कि विरासत संरक्षण किन्हीं फाइलों तक सीमित हो जानेवाला विषय नहीं है, यह तो शासन की प्राथमिकता में सबसे ऊपर के मुख्य 10 पायदानों में होना चाहिए।

आज इस बात को भी सभी गहराई से समझ लें; वस्तुतः भारत आज दुनिया से अपनी बिखरी हुई सांस्कृतिक पहचान वापस ला रहा है। यह स्वतंत्र भारत की सबसे बड़ी सांस्कृतिक उपलब्धियों में से एक है, किंतु इस उपलब्धि का वास्तविक सम्मान तभी होगा, जब देश के भीतर मौजूद प्रत्येक मंदिर, प्रत्येक किला, प्रत्येक संग्रहालय और प्रत्येक पुरावशेष भी उतना ही सुरक्षित होगा, जितनी मेहनत से उन्हें विदेशों से वापस लाया जा रहा है। यदि एक हाथ से हम अपनी विरासत वापस ला रहे हैं और दूसरे हाथ से उसे लापरवाही के कारण खोते जा रहे हैं, तो यह निश्चित तौर पर राष्ट्रीय चेतना के सामने खड़ा सबसे बड़ा आज का मुख्य प्रश्न है?

किसान और गांव को आत्मनिर्भर बनाने की चुनौती

मनोज कुमार मिश्र

अस्सी के दशक के आखिर में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों का कम पढ़े-लिखे और खांटी किसान चौधरी महेन्द्र सिंह टिकैत की अगुवाई में भारतीय किसान यूनियन के नाम से अराजनैतिक एक ऐसा आंदोलन खड़ा हुआ जिससे लखनऊ और दिल्ली की सरकारें हिल गई। विभिन्न कारणों से वह आंदोलन कुछ सालों में कमजोर होकर दम तोड़ दिया। जिन सवालों पर वह आंदोलन शुरू हुआ और उसे भारी समर्थन मिला, वे सवाल आज भी वहीं खड़े हैं। केन्द्र की नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार ने अपने शासन के 12 साल में समाज के हर वर्ग के साथ गांव और किसान को आत्मनिर्भर बनाने के हर प्रयास किए हैं। किसान हित में 2021 में तैयार किए तीन कानून विपक्ष के सुनियोजित विरोध के चलते भारी बहुमत होते हुए किसान हित में वापस लिया। इतना ही नहीं हर साल इसमें नई योजनाओं को शामिल करके और बेहतर काम किए जा रहे हैं। चौधरी टिकैत अपने आंदोलन को अराजनैतिक मानते हुए भी पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को अपना आदर्श मानते थे। आंदोलन के दौरान कुछ बातें दोहराते रहते थे। उसका उल्लेख जरूरी है। वे कहते थे कि किसान अकेली ऐसी कौम है जो ज्यादा उत्पादन करके भी रोती है और कम उत्पादन करके भी। कम उत्पादन में लागत नहीं निकली और ज्यादा उत्पादन में सही दाम नहीं मिलता। उसी तरह हर उत्पादन करने वाला अपने उत्पाद का दाम खुद तय करता है लेकिन किसान के दाम को वे तय करते हैं, जिन्होंने जीवन में कभी खेती की नहीं। वे चौधरी चरण सिंह के मुख्यमंत्री रहते यानी 1967 में जितने गेहूं या गन्ना में जितना सोना मिलता था, उससे थोड़ा कम दाम तय करने की मांग करते रहे।

किसानों की माली हालत सुधारने का यह एक फामूर्ला तो यह हो सकता है लेकिन पूरा समाधान इससे भी नहीं हो सकता है। अब हालात बदल गए हैं। सरकार ने गांवों को समृध बनाने के लिए देश के सालाना बजट में भारी बढ़ोतरी की। 2014 में भाजपा की अगुवाई वाली सरकार केन्द्र में आने से पहले कृषि का बजट 27,663 करोड़ रुपये था, अब वह बढ़कर 1 लाख 40 हजार करोड़ हो चुका है। आज भी देश के 81 करोड़ लोगों को हर महीने फ्री अनाज दिया जा रहा है। सरकार के प्रयास से 58 करोड़ जन-धन खाता खुला है। चार करोड़ पक्के मकान बने। 12 करोड़ शौचालय बने। 16 करोड़ घरों में नल से जल दिया गया। 11 करोड़ लोगों को रसोई गैस कनेक्शन दिए गए। किसान सम्मान निधि के तहत 4.3 लाख करोड़ रुपये दिए गए। 22 फसलों के समर्थन मूल्य में 71 फीसदी की बढ़ोतरी की गई। महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार योजना(मनरेगा) अब वीबी जीरामजी योजना बन गई है। उस योजना में 26 करोड़ लोग पंजीकृत हैं, जिन्हें 125 दिन का रोजगार दिया जाता है। हर तरह के उत्पादन में बढ़ोतरी हुई है। यूरिया पर 90 फीसदी सब्सिडी दी गई है। फसल बीमा योजना लागू की गई है। किसानों को आसानी से कर्ज दिलवाने की व्यवस्था की गई हैं। सिंचाई के साधन बढ़े हैं। किसानों और गांवों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकारी योजनाओं की लंबी सूची है।

बावजूद इसके ने तो निचले स्तर पर होने वाले भ्रष्टाचार कम हुआ और न ही गांवों से पलायन रुका। सरकार ने लाभार्थियों का बैंक खाता खुलवाकर सीधे पैसा उसके खाते में भेजने का इंतजाम किया तो भ्रष्टाचार करने वाले बाहर से ही सौदेबाजी करने लगे। एक ही शौचालय के साथ अनेक फोटो खिंचवाकर कमीशन देकर भुगतान पाने लगे। इस भ्रष्टाचार के चलते बिना रिश्वत कम ही आवास बने और दूसरी सुविधाएं लोगों को दी गई। मनरेगा का भ्रष्टाचार तो पहले से ही जग जाहिर है। भाजपा की अगुवाई वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन(राजग) की सरकार के प्रयास से भ्रष्टाचार खत्म नहीं हुआ है, उसमें कमी आई है। इन सभी से बड़ी समस्या बार-बार मानसून का धोखा देना और फसल की सरकार से सही मायने में खरीद की गारंटी न मिलना है। इस बार फिर बरसात दगा दे रही है। बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल आदि में कम बरसात होने से धान की रोपाई देरी से हो रही है। इतना ही नहीं वही किसान रोपाई कर पा रहे हैं, जो सक्षम हैं। यानी जिनके परिवार का कोई और व्यवसाय है या परिवार में कोई नौकरी पेशा है। कम बरसात से दलहन और कपास की खेती पर भी असर पड़ा है। यही हाल सब्जियों का है।

सरकार के प्रयास और दावों के बावजूद कब तक देश भर के किसानों को बिचौलियों से मुक्ति मिलेगी और उन्हें न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और अपनी फसल का लाभप्रद मूल्य मिलेगा। कब तक किसानी का काम लाभकारी बन जाएगा और बेकारी, भुखमरी और गरीबी के चलते गांवों से होने वाला पलायन कम होगा। मनरेगा के चलते तमाम भ्रष्टाचार होते हुए बड़ी तादाद में लोगों को रोजगार मिले और कोरोना संकट के दौरान बंटे बड़े पैमाने पर चावल-गेहूं से भुखमरी रुकी। सरकार को यह योजना ज्यादा उपयोगी लगी, इसलिए इसे अब तक जारी रखा गया है। गांव में रहने वाले खेतिहर मजदूरों की समस्या अलग तरह की है। सरकारी योजनाओं का उन्हें भले ही भ्रष्टाचार के चलते पूरा लाभ भले ही नहीं मिलता है लेकिन उससे उनके आर्थिक हालात में कुछ सुधार हुआ है। बड़ी तादाद में खेतिहर मजदूरों ने अपेक्षाकृत संपन्न राज्यों में मजदूरी करके अपनी आर्थिक हालात में सुधार किया। महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) अब वीबी जीरामदी के बजट में हर साल बढोतरी हो रही है। इस योजना का इस साल का बजट 1.50 लाख करोड़ सालाना तय किया गया है। बड़ा संकट छोटे किसानों के लिए है, जिनके लिए खेती जानलेवा बनती जा रही है। एक अनुमान के अनुसार देश के 85 फीसद से ज्यादा किसानों के पास ढ़ाई एकड़ से कम जमीन है। इन किसानों पर सरकारी योजनाओं का ज्यादा फोकस होना चाहिए। देश के सात लाख से ज्यादा गांवों को यही किसान आबाद किए हुए हैं। इन्हीं के बूते कोरोना संकट के दौरान भी देश में अन्न की कमी नहीं हो पाई।

विपक्ष के सुनियोजित किसान आंदोलन जिन तीन कृषि कानूनों को खत्म करवाने के लिए शुरू किया गया था उनमें एक कानून मंडियों के बाहर भी उपज बेचने की इजाजत देने से था। दूसरा कानून किसानों को सहकारी खेती की अनुमति देने वाला और तीसरे में अनिवार्य फसलों पर से रोक हटाने का था (1.कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य(संवर्धन व सरलीकरण) कानून-2020, 2. कृषक(सशक्तीकरण व संरक्षण) कीमत आश्वासन और कृषि सेवा पर कानून-2020 और 3. आवश्यक वस्तु(संशोधन) कानून-2020)। सरकार यह समझाती रही कि इन बिलों से किसानों को केवल लाभ ही होगा। उनकी जमीन कोई नहीं ले सकता और मंडियां खत्म नहीं की जाएगी। फसलों को खुले में बेचने की इजाजत दी जाएगी। देश में मंडी और उसमें सक्रिय आढ़तियों की व्यवस्था पंजाब और हरियाणा में ही सबसे मजबूत है। पंजाब से ही कुछ किसानों का जत्था दिल्ली की एक सीमा सिंधु बार्डर पर इन कृषि कानूनों को रद्द करवाने के लिए आंदोलन शुरू किया। उनके साथ हरियाणा के किसान भी जुड़े। फिर टिकरी बार्डर और गाजीपुर बार्डर पर आंदोलन चलने लगा। कुछ ही दिनों में आंदोलन सरकार के खिलाफ विपक्षी दलों का सुनियोजित षड़यंत्र बन गया।

11 दौर की बातचीत में समाधान नहीं निकला और सरकार को लगा कि उसे सुनियोजित तरीके से किसान विरोधी साबित करने का प्रयास किया जा रहा है। आखिरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिलों को वापस लेने की घोषणा की और 2012 के संसद के शीतकालीन सत्र में उसे वापस ले लिया गया। एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) किसानों को दिलाने के लिए किसान संगठनों के साथ कमेटी बनाना तय किया गया। आंदोलन में शुरू से ही जमकर राजनीति होने लगी थी। इसलिए यह आंदोलन भी कामयाब न बन पाया। इस आंदोलन के तुरंत बाद उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा लगातार दूसरी बार बहुमत में आ गई। यही हाल चौधरी महेन्द्र सिंह टिकैत की अगुवाई वाली भारतीय किसान यूनियन का हुआ था। वह तभी तक ताकतवर रहा जब तक वह सक्रिय राजनीति से दूर रहा और आंदोलन अहिंसक रहा। वह आंदोलन भी अन्य मुद्दों के अलावा किसानों पर से सीमित इलाके में फसल बेचने पर रोक के विरोध में था। वह आंदोलन तब तक सफल रहा जब तक केवल किसानों का रहा। जैसे ही राजनीतिक दल किसानों का समर्थन पाने के लिए उन्हें अपने पक्ष में करने में लग गए, आंदोलन भटक गया। यहां तक कि चौधरी टिकैत का कैंसर जैसी घातक बीमारी से 2011 में एक तरह से गुमनाम निधन हुआ। वास्तव में अन्य व्यवसाय करने वालों की तरह किसानों को ऊंची कीमत पर अपनी फसल बेचने की आजादी मिलनी ही चाहिए। यह संभव कब और कैसे होगा, इसका जवाब आसान नहीं है। बड़ी समस्या तो ढाई एकड़ से कम जोत वाले देश के 85 फीसद किसानों की है जिनका हर तरह से शोषण होता आया है। उनके पास अपने फसल को मंडी तक ले जाने के साधन नहीं हैं और न ही फसल को कुछ समय तक सुरक्षित रखने के लिए भंडार। वे तो गांव से लेकर मंडी तक आढ़तियों या बिचौलियों के शोषण झेलने को मजबूर हैं। अगर चार-पांच किसान मिलकर किराए की गाड़ी से अपने उत्पाद मंडी में लेकर पहुंच भी जाएं तो वहां सक्रिय बिचौलियों को पता है कि वे विपन्न हैं उनके पास कुछ दिन इंतजार करने के साधन नहीं हैं, तो वे उन्हें किसी भी दाम पर अपने फसल को बेचने के लिए मजबूर कर देते हैं। इतना ही नहीं उन्हें अगली फसल के लिए पैसों की जरूरत है। उनके घर का हर काम उसी फसल की बिक्री पर निर्भर है। केन्द्र की सरकार इस हालात को बदलने के प्रयास में लगी है। इसीलिए स्वामीनाथन आयोग ने एमएसपी तय करने के लिए समग्र लागत से पचास फीसद जोड़कर दाम तय करने का सुझाव दिया। अभी कुल 23 उत्पादों के लिए ही न्यूनतम समर्थन मूल्य(एमएसपी) तय होता है। जबकि बड़ी तादाद में किसान फल, सब्जी, दूध, अंडा, मछली आदि डेयरी उत्पाद का उत्पादन करते हैं। इसलिए अब सरकार को एमएसपी में शामिल उत्पादों की संख्या बढ़ानी चाहिए। सबसे बड़ी जरूरत यह है कि यह गारंटी मिलनी चाहिए कि एमएसपी से कम दाम पर खरीदने वाले को सजा मिलेगी। केन्द्र सरकार यह दावा करती रही कि मंडी बंद नहीं हो रही होगी। इसके साथ ही सरकार यह भी सुनिश्चित करें कि हर गांव-गांव खरीद केन्द्र काम करेंगे ताकि छोटे किसानों को अपने फसल के वाजिब दाम के लिए दर-दर की ठोकर नहीं खानी पड़े।

सही मायने में सभी किसानों की आर्थिक हालत तभी सुधरेगी जब सरकार चौतरफा प्रयास करेगी। सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने का उपाय कर रही है लेकिन उसका पूरा लाभ किसानों को नहीं मिल रहा है। किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, बैंकों से सस्ते दर पर कर्ज मिलने की व्यवस्था, कृषि उत्पाद को देश के विभिन्न इलाकों में पहुंचाने के लिए विशेष रेलगाड़ी चलाने आदि तमाम ऐसी योजनाएं हैं जिससे छोटे किसानों को काफी मदद मिल रही है। सबसे बड़ी समस्या इन योजनाओं का हर जरूरतमंद तक पहुंचाने और कृषि क्षेत्र में उन प्रयासों को करने से है जिससे किसानों की आमदनी बढ़े। कृषि उत्पाद से जुड़े लाभकारी उद्योगों को गांव-गांव तक पहुंचाने की है।

महंगाई, दोहरी आय और बदलता परिवार

डॉ. प्रियंका सौरभ

आज के समय में यदि किसी मध्यमवर्गीय परिवार से पूछा जाए कि उसकी सबसे बड़ी चिंता क्या है तो उत्तर लगभग एक जैसा होगा- बच्चों की महंगी शिक्षा, घर का सपना, स्वास्थ्य सेवाओं का बढ़ता खर्च और रोजमर्रा की बढ़ती महंगाई। एक साधारण नौकरीपेशा व्यक्ति वर्षों की बचत के बाद भी अपना घर नहीं खरीद पा रहा। निजी विद्यालयों की फीस इतनी अधिक हो चुकी है कि बच्चों की शिक्षा परिवार के बजट का सबसे बड़ा हिस्सा बन गई है। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि आखिर ऐसा क्यों हुआ? हाल के वर्षों में एक विचार तेजी से चर्चा में आया है कि इन समस्याओं का प्रमुख कारण महिलाओं का बड़ी संख्या में कार्यक्षेत्र में आना है। तर्क दिया जाता है कि जब पति और पत्नी दोनों कमाने लगे तो परिवारों की कुल आय बढ़ गई। बाजार ने इसे अवसर मान लिया और मकानों, स्कूलों तथा अन्य आवश्यक सेवाओं के दाम बढ़ा दिए। इस विचार के समर्थक यह भी कहते हैं कि महिलाओं के घर से बाहर निकलने से परिवार कमजोर हुए, बच्चों का पालन-पोषण प्रभावित हुआ और समाज में अस्थिरता बढ़ी। यह तर्क पहली नजर में कुछ लोगों को आकर्षक लग सकता है क्योंकि वास्तव में आज अधिकांश शहरी परिवारों में एक आय से घर चलाना कठिन होता जा रहा है। किंतु किसी भी सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन का विश्लेषण केवल एक कारण के आधार पर नहीं किया जा सकता। समाज, अर्थव्यवस्था और परिवार कई परस्पर जुड़े कारकों से प्रभावित होते हैं। इसलिए आवश्यक है कि इस बहस को भावनाओं से नहीं, तथ्यों और संतुलित दृष्टिकोण से देखा जाए। सबसे पहले यह समझना होगा कि भारत सहित दुनिया के अधिकांश देशों में मकानों की कीमतें केवल परिवारों की आय बढ़ने से नहीं बढ़ीं। शहरीकरण, सीमित भूमि, बढ़ती आबादी, निवेश के रूप में रियल एस्टेट की लोकप्रियता, सरकारी नीतियां, निर्माण लागत, भूमि अधिग्रहण की जटिलताएं और आसान ऋण व्यवस्था जैसे अनेक कारणों ने संपत्ति की कीमतों को प्रभावित किया। यदि केवल महिलाओं के रोजगार से ही मकान महंगे हुए होते तो जिन देशों में महिलाओं की श्रम भागीदारी अधिक है वहां आवास हमेशा सबसे महंगा होना चाहिए था, जबकि वास्तविकता इससे कहीं अधिक जटिल है। इसी प्रकार शिक्षा की बढ़ती लागत का संबंध भी अनेक कारणों से है। निजी शिक्षा का विस्तार, आधुनिक सुविधाओं की प्रतिस्पर्धा, अंग्रेजी माध्यम का आकर्षण, तकनीकी संसाधनों पर बढ़ता खर्च, शिक्षकों के वेतन, परिवहन, भवन निर्माण और शिक्षा के व्यवसायीकरण ने फीस बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह कहना कि केवल इसलिए स्कूलों की फीस बढ़ी क्योंकि महिलाएं नौकरी करने लगीं, आर्थिक वास्तविकताओं का अत्यधिक सरलीकरण होगा। फिर भी इस विचार के पीछे एक महत्वपूर्ण चिंता अवश्य छिपी हुई है। वह चिंता है परिवार की बदलती संरचना और जीवन की गुणवत्ता। यह सत्य है कि पहले संयुक्त परिवारों में बच्चों की देखभाल, बुजुर्गों की सेवा और घरेलू जिम्मेदारियां साझा होती थीं। आज छोटे परिवारों में पति-पत्नी दोनों के कार्यरत होने पर समय का अभाव महसूस होता है। बच्चों के साथ बिताया जाने वाला समय कम हुआ है। तनाव, मानसिक दबाव और कार्य-जीवन संतुलन की समस्याएं बढ़ी हैं। लेकिन इन समस्याओं का समाधान महिलाओं को घर तक सीमित करना नहीं बल्कि ऐसी सामाजिक और आर्थिक नीतियां बनाना है जो परिवार और कार्य के बीच संतुलन स्थापित कर सकें। इतिहास भी इस विषय को उतनी सरलता से नहीं देखता जितना अक्सर सोशल मीडिया पर प्रस्तुत किया जाता है। महिलाओं ने सदियों से खेती, पशुपालन, हस्तशिल्प, व्यापार और पारिवारिक व्यवसायों में योगदान दिया है। औद्योगिक क्रांति के दौरान भी बड़ी संख्या में महिलाएं कारखानों में कार्य करती थीं। इसलिए यह कहना कि इतिहास में महिलाएं हमेशा घर पर ही रहती थीं, वास्तविकता का पूर्ण चित्र प्रस्तुत नहीं करता। अंतर केवल इतना है कि पहले उनके श्रम का बड़ा हिस्सा बिना वेतन के घरेलू कार्य में दिखाई देता था, जबकि आज वही श्रम वेतनभोगी रोजगार के रूप में अधिक स्पष्ट दिखाई देता है। यह भी सही है कि घरेलू कार्य का आर्थिक मूल्य अक्सर कम करके आंका गया है। घर संभालना, बच्चों का पालन-पोषण, बुजुर्गों की सेवा और परिवार की व्यवस्था बनाए रखना किसी भी समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य हैं। यदि कोई महिला या पुरुष यह भूमिका निभाता है तो उसका सम्मान होना चाहिए। लेकिन इसी प्रकार यदि कोई महिला अपनी शिक्षा, योग्यता और इच्छा के अनुसार नौकरी करना चाहती है तो उसके निर्णय का भी समान सम्मान होना चाहिए। वास्तविक सशक्तिकरण का अर्थ विकल्प का अधिकार है, न कि किसी एक जीवनशैली को सभी पर थोप देना। आर्थिक दृष्टि से भी यह विचारणीय है कि यदि करोड़ों महिलाएं अचानक कार्यबल से बाहर हो जाएं तो देश की उत्पादक क्षमता, कर संग्रह, उपभोग और आर्थिक विकास पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। अनेक क्षेत्रों- शिक्षा, स्वास्थ्य, बैंकिंग, सूचना प्रौद्योगिकी, प्रशासन और वैज्ञानिक अनुसंधान में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

अमेरिकी सैन्य शिक्षा तैयार कर रही भावी रणनीतिकार

सैयद सुलेमान अख्तर, अमेरिकी दूतावास

सैन्य प्रशिक्षण के बारे में सोचते ही मन में कीचड़ से भरे प्रशिक्षण शिविरों में शारीरिक अभ्यास या राइफल ड्रिल करते कैडेटों की तस्वीर उभरती है। हालांकि, सैन्य शिक्षा का एक और पहलू भी है। ऐसी कक्षा- जहां व्यावसायिक सैन्य शिक्षा के अभिन्न हिस्से के रूप में बड़ी मात्रा में बौद्धिक तैयारी होती है। रक्षा विश्लेषक रामकृष्ण रमानी ने हाल ही में अमेरिकी विदेश विभाग के आईवीएलपी कार्यक्रम वी द पीपलः मिलिट्री एजुकेशन इन अमेरिका के दौरान इन संरचनात्मक ढांचों का अध्ययन किया। रमानी भारत के चेन्नई स्थित एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी और मद्रास विश्वविद्यालय में रक्षा और रणनीतिक अध्ययन पढ़ाते हैं। उन्होंने विशेष व्यावसायिक सैन्य शिक्षा संगोष्ठियों में भाग लिया। साथ ही व्यावहारिक युद्धाभ्यास सत्र में शामिल हुए। कई शहरों में सैन्य शिक्षा विशेषज्ञों और सरकारी प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की।

वह कहते हैं, अमेरिकी व्यावसायिक सैन्य शिक्षा मॉडल ऐसे नेताओं को तैयार करने का एक खाका प्रस्तुत करता है, जो आज के अप्रत्याशित सुरक्षा परिदृश्य को समझ सकें। शिक्षा और रणनीतिक सोच में निवेश करके राष्ट्र ऐसे लीडर तैयार कर सकते हैं, जो न केवल आज के युद्धों के लिए तैयार हों, बल्कि कल के रणनीतिक परिदृश्य का अनुमान लगाने, उसके अनुसार ढलने और उसे आकार देने में भी सक्षम हों। वह कहते हैं अमेरिकी सैन्य शिक्षा प्रणाली रणनीतिक सोच को कौशल में बदलने में सक्षम है। यह सभी पेशेवर सेनाओं की तरह करियर को निखारती है। यह प्रणाली सामरिक विशेषज्ञों को रणनीतिक विचारकों में बदलने के लिए तैयार की गई है। रमानी कहते हैं, "इसलिए कक्षाओं में कोई अतिरिक्त गतिविधि नहीं होती।

सैन्य नेतृत्व और संयुक्त सेवा की नींवः यह व्यापक शिक्षा प्रारंभिक स्तर से ही शुरू हो जाती है, जिसमें विद्यार्थियों को सक्रिय सैन्य सेवा में प्रवेश करने से काफी पहले रणनीतिक ढांचों से परिचित कराया जाता है। रमानी ने इसका प्रत्यक्ष अनुभव पेंसाकोला हाई स्कूल और कलैराडो मिलिट्री अकादमी में किया। दोनों संस्थान एयर फोर्स जूनियर रिजर्व ऑफिसर्स ट्रेनिंग कॉर्प्स की मेजबानी करते हैं। यह अमेरिकी सशस्त्र बलों द्वारा पूरे अमेरिका के हाई स्कूलों में प्रायोजित एक फेडेरल कार्यक्रम है। रमानी बताते हैं, ग्रेड 8 और उससे ऊपर के छात्रों को परेड ड्रिल के अलावा बुनियादी सैन्य विज्ञान, इतिहास, विश्व मामलों की मूल बातें और ड्रोन निर्माण व संचालन, उपग्रह नेविगेशन जैसी प्रासंगिक तकनीकों से परिचित कराया जाता है। वह कहते हैं कि जब ये विद्यार्थी उच्च शिक्षा की ओर बढ़ते हैं तो वे विशेष विश्वविद्यालय आधारित कार्यक्रमों से जुड़ते हैं। रमानी कहते हैं, आमतौर पर युवा हाईस्कूल ग्रेजुएट वेस्ट प्वाइंट जैसे सेवा अकादमियों में प्रवेश करते हैं या कॉलेज के विद्यार्थी रिजर्व ऑफिसर्स ट्रेनिंग कॉर्प्स में शामिल होते हैं।

इसकी विशेषता है कि जैसे-जैसे अधिकारी रैंक में ऊपर बढ़ते हैं, शिक्षा प्रणाली भी अपना स्वरूप बदलती है। शुरूआती वर्षों में ध्यान सामरिक और क्षेत्र-आधारित प्रशिक्षण पर रहता है, ताकि नए नियुक्त अधिकारी किसी अभियान के दौरान एक प्लाटून का सुरक्षित नेतृत्व करना सीख सकें। कुछ वर्षों की सेवा के बाद आमतौर पर मेजर के पद के आसपास, सैन्यकर्मी फिर से कक्षा के माहौल में लौटते हैं। रमानी कहते हैं, इसी चरण में वे सीखते हैं कि सेना की विभिन्न शाखाएं किस प्रकार तालमेल के साथ काम करती हैं ताकि अधिक रणनीतिक परिणाम हासिल किए जा सकें। रमानी के अनुसार, समर लीडर्स एक्सपीरियंस कार्यक्रम ने अमेरिका के विभिन्न हिस्सों से आए हाईस्कूल के विद्यार्थियों को वेस्ट प्वाइंट स्थित यूएस मिलिट्री एकेडमी को प्रत्यक्ष रूप से जानने और समझने का अवसर प्रदान किया। इस कार्यक्रम के तहत लगभग 1,600 ऐसे विद्यार्थियों, जो अगले वर्ष हाई स्कूल के अंतिम वर्ष में प्रवेश करने वाले हैं, ने तीन अलग-अलग पांच दिवसीय सत्रों में भाग लेकर कैडेट के जीवन का अनुभव प्राप्त किया।

यह कार्यक्रम अमेरिकी सेना के उस दृष्टिकोण को दर्शाता है, जिसके तहत विद्यार्थियों को वेस्ट प्वाइंट जैसी सेवा अकादमियों में प्रवेश लेने या रिजर्व ऑफिसर्स ट्रेनिंग कॉर्प्स से जुड़ने से पहले ही नेतृत्व और सैन्य शिक्षा से परिचित कराया जाता है।

अमेरिकी वॉर कॉलेज और नेशनल डिफेंस यूनिवर्सिटी का परिदृश्य अद्भुत होता है। इस संस्थागत ढांचे का वास्तविक प्रभाव तब स्पष्ट होता है जब अधिकारी रक्षा नेतृत्व के उच्चतम स्तरों तक पहुंचते हैं। इसी समय वे प्रतिष्ठित वॉर कॉलेजों में प्रवेश के पात्र बनते हैं। रमानी के अनुसार, इस समय उन्हें युद्धक्षेत्र वाली मानसिकता को छोड़कर एक राजनेता की सोच अपनानी होती है। रमाना के अनुसार, यह वरिष्ठ स्तर की व्यवस्था सेवा-विशिष्ट शाखाओं और संयुक्त संस्थानों के एक अत्यधिक समन्वित नेटवर्क के रूप में काम करती है, जिसका समापन वॉशिंगटन डी.सी. स्थित नेशनल डिफेंस यूनिवर्सिटी में होता है। रमानी बताते हैं, अमेरिकी सेना वॉर कॉलेज जैसे संस्थानों में लक्ष्य ऐसे लीडर तैयार करना है, जो अनिश्चित और जटिल समस्याओं से निपट सकें तथा देश के नागरिक नेतृत्व को सैन्य सलाह दे सकें। वह बताते हैं कि अर्थशास्त्र और अंतरराष्ट्रीय संबंधों का प्रश्न-आधारित अध्ययन अधिकारियों को यह समझाता है कि सेना किसी देश के रणनीतिक साधनों में से केवल एक साधन है। इन रक्षा रणनीतियों को राष्ट्रीय उद्देश्यों से जोड़ने के लिए वॉर कॉलेज सहयोगात्मक शैक्षणिक वातावरण का उपयोग करते हैं। रमानी कहते हैं, वे विभिन्न सरकारी एजेंसियों के नागरिक अधिकारियों और मित्र देशों के अंतरराष्ट्रीय अधिकारियों के साथ कक्षाएं साझा करते हैं। यह विविध मिश्रण सुनिश्चित करता है कि वे जटिल वैश्विक समस्याओं का समाधान मिलकर करना सीखें।

वह कहते हैं कि राष्ट्रीय सुरक्षा शिक्षा प्रणाली एक दोहरी व्यवस्था वाले पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में काम करती है, जो संरचित सैन्य प्रशिक्षण को विविध और विकेंद्रीकृत नागरिक शैक्षणिक विशेषज्ञता के साथ संतुलित करती है। जॉन्स हॉपकिन्स स्कूल ऑफ एडवांस्ड इंटरनेशनल स्टडीज, हार्वर्ड कैनेडी स्कूल और प्रिंसटन स्कूल ऑफ पब्लिक एंड इंटरनेशनल अफेयर्स जैसे संस्थान राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बौद्धिक केंद्र के रूप में काम करते हैं। उच्च प्रदर्शन करने वाले सैन्य अधिकारियों को नियमित रूप से नेशनल सिक्योरिटी फेलो के रूप में इन विश्वविद्यालयों में भेजा जाता है, ताकि पारंपरिक सैन्य सोच में महत्वपूर्ण बौद्धिक विविधता लाई जा सके। इसी प्रकार, युद्ध संबंधी कॉलेजों में नागरिक संकाय सदस्यों की उपस्थिति अकादमिक कठोरता और व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करती है।

पर्यावरण के लिए ऑक्सीजन जरुरी
वैंकरमेंन टेकनोलांजी से मिलेगा समाथान
बढ़ता प्रदूशण – घटते जंगल
दिल्ली में 0.3 पेड औसतन
भारत मे 28 पेड औसतन
CO2
O2
प्रति व्यक्ति 131 पेड़ की आवश्यकता
केवल 0.3 पेड़ औसतन
नई तकनीक
131+
पेडो के
बराबर क्षमता
स्वच्छ पर्यावरण, स्वश्थ जीवन
BUNKERMAN
Plot No. 20 & 26, HIMUDA Industrial Area Phase IV,
Bhatoli Kalan, Baddi (HP) – 173205
8800604455 | www.bunkermanindia.in | www.bunkerman.in

Frigate GreenTech Energy Pvt Ltd
Frigate
SolarTech
A SOLAR POWER SOLUTION
Onsite services with trust ..
SOLAR POWER SOLUTIONS
Efficient & reliable solar solutions for a sustainable future.
ON-SITE SERVICES
Professional installation, testing, commissioning & maintenance at your site.
TRUST & RELIABILITY
Building long-term relationships through honesty, quality & support.
CLEAN ENERGY
Reduce carbon footprint and save on energy costs.
TRUST
QUALITY
PERFORMANCE
COMMITMENT
POWERING A
BRIGHTER TOMORROW
SAVE ENERGY COST
INCREASE PROPERTY VALUE
ECO FRIENDLY SOLUTION
RELIABLE SUSTAINABLE ENERGY
OUR SOLAR POWER & ENERGY SOLUTIONS
ROOFTOP SOLAR SYSTEM
Grid-tied Rooftop Solutions for Homes, Businesses & Industries.
SOLAR PLANT INSTALLATION
On-grid, Off-grid & Hybrid Solar Power Plant Solutions.
SOLAR INVERTERS
High Performance Inverters for Maximum Energy Efficiency.
SOLAR BATTERIES & ENERGY STORAGE
Reliable Energy Storage Solutions for Uninterrupted Power Supply.
SOLAR STRUCTURE & MOUNTING
Durable & Corrosion Resistant Structures for Long Life.
OPERATION & MAINTENANCE
Comprehensive AMC & Support for Optimal Performance.
Frigate SolarTech
EXPERT ENGINEERS
QUALITY ASSURANCE
TIMELY EXECUTION
AFTER SALES SUPPORT
CUSTOMER SATISFACTION
HIGH ROI & LONG TERM SAVINGS
FOR INQUIRY PLEASE CONTACT
+ 91- 9871700893
frigategreentech@gmail.com
C-65, 4th floor DDA Shed, Okhla Industrial Area Phase 1,
New Delhi 110020, India
CLEAN ENERGY FOR A BETTER PLANET
SMART SOLAR STRONGER FUTURE
GO SOLAR GO GREEN
SUSTAINABLE TODAY BETTER TOMORROW

बढ़ती उम्र को लेकर नए अध्ययन में खुलासा

संस्कृति से जुड़ाव धीमी कर सकता है उम्र बढ़ने की रफ्तार

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। उम्र बढ़ना जिंदगी का एक सामान्य हिस्सा है, लेकिन हर व्यक्ति के शरीर पर इसका असर एक जैसा नहीं पड़ता। कुछ लोग अपनी वास्तविक उम्र से ज्यादा स्वस्थ और सक्रिय नजर आते हैं, जबकि कुछ लोगों में उम्र का असर जल्दी दिखाई देने लगता है। वैज्ञानिक इसे फिजियोलॉजिकल एज, यानी शरीर की वास्तविक कार्यक्षमता से जुड़ी उम्र के रूप में देखते हैं। अब एक नई रिसर्च में सामने आया है कि सांस्कृतिक गतिविधियों से जुड़े रहने वाले लोगों में शरीर की उम्र बढ़ने की प्रक्रिया धीमी हो सकती है। यह अध्ययन जर्नल ऑफ एपिडेमियोलॉजी एंड कम्युनिटी हेल्थ में ऑनलाइन प्रकाशित हुआ है। जापान के इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस टोक्यो के शोधकर्ताओं ने इस बात का पता लगाने की कोशिश की कि क्या सिनेमा, म्यूजियम, थिएटर, कॉन्सर्ट या ओपेरा जैसी सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेने का संबंध शरीर की उम्र बढ़ने की गति से है।

शोधकर्ताओं ने इंग्लैंड में चल रहे इंग्लिश लॉन्गिट्यूडिनल स्टडी ऑफ एजिंग के आंकड़ों का विश्लेषण किया। इसमें 50 साल या उससे अधिक उम्र के लोगों को शामिल किया गया था। अध्ययन में कुल 1,899 लोगों के स्वास्थ्य और जीवनशैली से जुड़े आंकड़ों को देखा गया। इन प्रतिभागियों की जानकारी वर्ष 2004-05, 2006-07 और 2008-09 के दौरान अलग-अलग समय पर जुटाई गई थी।

वैज्ञानिकों ने लोगों के शरीर से जुड़े 10

महत्वपूर्ण संकेतकों की जांच की। इनमें ब्लड प्रेशर, फेफड़ों की क्षमता, हीमोग्लोबिन स्तर, कोलेस्ट्रॉल, बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई), हाथों की पकड़

- **वैज्ञानिकों ने लोगों के शरीर से जुड़े 10 महत्वपूर्ण संकेतकों की जांचा**
- **सांस्कृतिक गतिविधियों में शामिल होने वाले लोगों की शारीरिक उम्र करीब 69.9 साल**

की ताकत और चलने की गति जैसी चीजें शामिल थीं। इन सभी मानकों के आधार पर लोगों की फिजियोलॉजिकल उम्र का अनुमान लगाया गया।

इसके साथ ही लोगों से यह भी पूछा गया कि वे कितनी बार सांस्कृतिक गतिविधियों में हिस्सा लेते हैं। इसमें सिनेमा जाना, म्यूजियम या आर्ट गैलरी जाना और थिएटर, कॉन्सर्ट या ओपेरा देखने जाना शामिल था। इन गतिविधियों के आधार पर एक सांस्कृतिक जुड़ाव स्कोर तैयार किया गया।

रिसर्च में पाया गया कि जिन लोगों का सांस्कृतिक गतिविधियों से ज्यादा जुड़ाव था, उनकी फिजियोलॉजिकल उम्र औसतन 66.9 साल थी। वहीं कम सांस्कृतिक गतिविधियों में शामिल होने वाले लोगों की शारीरिक उम्र करीब 69.9 साल पाई गई, यानी दोनों समूहों के बीच लगभग तीन साल का अंतर देखा गया।

शोधकर्ताओं के अनुसार, हर एक पॉइंट ज्यादा सांस्कृतिक जुड़ाव स्कोर शरीर की उम्र में लगभग 31 दिन की कमी से जुड़ा पाया गया। यह संबंध लोगों की आर्थिक स्थिति, रोजगार, आय और पुरानी बीमारियों जैसी कई चीजों को ध्यान में रखने के बाद भी बना रहा। विशेषज्ञों का मानना है कि सांस्कृतिक गतिविधियां केवल मनोरंजन का साधन नहीं हैं, बल्कि ये लोगों के मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य को भी बेहतर बना सकती हैं।

थिएटर, संगीत कार्यक्रम, कला प्रदर्शनियों या अन्य सांस्कृतिक आयोजनों में भाग लेने से लोगों के सामाजिक संबंध मजबूत होते हैं, अकेलापन कम हो सकता है और मानसिक तनाव घट सकता है। ये सभी चीजें शरीर को स्वस्थ रखने में मदद कर सकती हैं। हालांकि शोधकर्ताओं ने यह भी स्पष्ट किया है कि यह अध्ययन केवल संबंध दिखाता है, इससे यह साबित नहीं होता कि सांस्कृतिक गतिविधियां सीधे तौर पर उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करती हैं। यह भी संभव है कि जो लोग पहले से ज्यादा स्वस्थ होते हैं, वे ही ऐसी गतिविधियों में अधिक भाग लेते हों। इसके बावजूद शोधकर्ताओं का कहना है कि सांस्कृतिक जुड़ाव एक ऐसी आदत है, जिसे बदला और बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने इसे नियमित शारीरिक गतिविधि के प्रभाव के समान महत्वपूर्ण बताया।

'राख' में पारसी किरदार के लिए नैना सरीन ने की तैयारी

बोलीं-'उच्चारण और संस्कृति को समझने पर दिया ध्यान'

मुंबई, 17 जुलाई (एजेंसियां)। अभिनेत्री नैना सरीन अपनी नई वेब सीरीज 'राख' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस सीरीज में उन्होंने एक पारसी किरदार निभाया, जिसके लिए उन्होंने उस समुदाय की भाषा, बोलने के अंदाज और संस्कृति को समझने के लिए काफी मेहनत की। नैना सरीन ने कहा कि जब मुझे राख के लिए ऑडिशन कॉल आया, तो सीन काफी छोटा था। लेकिन उसे पढ़ने के बाद मुझे समझ आया कि यह किरदार कहानी के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। मैं एक पारसी किरदार निभा रही थी, कहानी पर गहरा असर डालने के लिए मैंने काफी तैयारी की।

उन्होंने बताया कि किरदार में वास्तविकता लाने के लिए मैंने पारसी समुदाय के उच्चारण और बातचीत के तरीके को समझने की कोशिश की। इसके लिए मैंने कई वीडियो देखे और यह जानने की कोशिश की कि पारसी लोग किस तरह बोलते हैं और उनकी भाषा में किस तरह की खासियत होती है। केवल लाइन्स सही बोलना ही काफी नहीं था, बल्कि किरदार के व्यवहार और उसकी संस्कृति को समझना भी जरूरी था। अभिनेत्री ने कहा कि सीरीज की

कहानी एक खास समयकाल की पृष्ठभूमि पर आधारित है, इसलिए मैंने ऑडिशन देने से पहले अपने लुक और पहनावे को भी उसी हिसाब से तैयार किया। भले ही मेरे किरदार का स्क्रीन टाइम कम है, लेकिन इसका प्रभाव लंबे समय तक रहेगा। नैना ने बताया कि निर्देशक प्रशांत रॉय के साथ काम करना मेरे लिए एक खास अनुभव रहा। मैं लंबे समय से उनके साथ काम करना चाहती थीं और राख के जरिए यह इच्छा पूरी हुई। उनकी सोच और कहानी को देखने का नजरिया इस किरदार को बेहतर तरीके से समझने में काफी मददगार रहा। अपने किरदार को निभाने में आई चुनौतियों के बारे में बात करते हुए नैना ने कहा कि सबसे बड़ी चुनौती मानसिक तैयारी थी।

'महाप्रभु जगन्नाथ' की रिलीज पर रोक बरकरार

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। भगवान जगन्नाथ के जीवन और उनसे जुड़ी धार्मिक परंपराओं पर आधारित एनिमेटेड फिल्म 'महाप्रभु जगन्नाथ' के निर्माताओं को सुप्रीम कोर्ट से तत्काल राहत नहीं मिली। शीर्ष अदालत ने फिल्म को 17 जुलाई को रिलीज करने की अनुमति देने से इनकार करते हुए कहा कि पुरी में जारी भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा 27 जुलाई को समाप्त होगी और उसके बाद ही फिल्म को रिलीज किया जा सकता है।

निर्माताओं ने ओडिशा हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें फिल्म की देशभर में रिलीज पर अंतरिम रोक लगा दी गई थी। फिल्म पहले 17 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब यह रथ यात्रा खत्म होने के बाद ही रिलीज होने की संभावना है। सुनवाई के दौरान फिल्म निर्माताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता देवदत्त कामत ने दलील दी कि फिल्म को रिलीज करने की पूरी तैयारी हो चुकी है। उन्होंने अदालत को बताया कि फिल्म बनाने में करोड़ों रुपए खर्च किए गए हैं और देशभर में सिनेमाघरों की बुकिंग भी हो चुकी है। फिल्म को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से मंजूरी मिल चुकी है। निर्माता पक्ष के वकील ने सुनवाई के दौरान तर्क दिया कि 'महाप्रभु जगन्नाथ' बच्चों के लिए बनाई गई एनिमेटेड

रथ यात्रा खत्म होने के बाद आएगी फिल्म

फिल्म है और इसका उद्देश्य भगवान जगन्नाथ की परंपराओं और सांस्कृतिक महत्व को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। जैसे भगवान गणेश और अन्य धार्मिक विषयों पर एनिमेशन फिल्में बनाई गई हैं, उसी तरह यह फिल्म भी धार्मिक और सांस्कृतिक विषय को ध्यान में रखकर बनाई गई है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने तत्काल रिलीज की मांग को स्वीकार नहीं किया। अदालत ने कहा कि फिलहाल रथ यात्रा चल रही है और ऐसे समय में फिल्म की रिलीज को लेकर उठी आपत्तियों को ध्यान में रखना जरूरी है। रथ यात्रा समाप्त होने के बाद फिल्म रिलीज की जा सकती है।

दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल में इंटरैक्ट क्लब का स्थापना समारोह व पौधारोपण आयोजित

ग्रेटर नोएडा,17 जुलाई (देशबन्धु)। रोटरी क्लब ऑफ ग्रेटर नोएडा ने दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल, ग्रेटर नोएडा में इंटरैक्ट क्लब का भव्य स्थापना समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, सेवा भावना एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास करना था। समारोह के उपरांत पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की डायरेक्टर कंचन कुमारी, प्रधानाचार्या हीमा शर्मा, उप-प्रधानाचार्या सोनाली सेठिया तथा इंटरैक्ट क्लब की शिक्षक प्रभारी मीनाक्षी शर्मा मौजूद रही। विद्यालय प्रबंधन ने रोटरी क्लब के इस प्रयास की सराहना करते हुए नवगठित इंटरैक्ट टीम को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर रोटरी क्लब ऑफ ग्रेटर नोएडा की ओर से रोटेरियन रचना (डिस्ट्रिक्ट प्रोजेक्ट इंटरैक्ट कोऑर्डिनेटर), रोटेरियन मुकुल गोयल (पूर्व असिस्टेंट गवर्नर), रोटेरियन मोहित बंसल (अध्यक्ष, रोटरी क्लब ऑफ ग्रेटर नोएडा), रोटेरियन मनु जिंदल (सचिव) एवं रोटेरियन कपिल गर्ग (प्रेसिडेंट-इलेक्ट) ने सहभागिता की। सभी अतिथियों ने विद्यार्थियों को स्वयं से पहले सेवा के आदर्श पर चलने तथा समाजहित में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया। समारोह के दौरान नव-निर्वाचित इंटरैक्ट पदाधिकारियों ने शपथ ग्रहण की। नई कार्यकारिणी में समीरा-अध्यक्ष, भाव्या शर्मा-उपाध्यक्ष, शौर्य-सचिव, कनक ओझा- कोषाध्यक्ष, अश्मित-सार्जेंट-एट-आर्म्स, सम्पृति-टेक्निकल डायरेक्टर, निशी-कम्युनिटी सर्विस डायरेक्टर, सीरत-मीडिया रिपोर्ट्स डायरेक्टर, अक्षिता- ऑडिटोरियल डायरेक्टर, मानवी- कल्चरल डायरेक्टर।

मोदी का हाथ से लिखा 'वंदे मातरम' पोस्टकार्ड ले जाएगा स्काईरूट का विक्रम-1

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। प्राइवेट स्पेस स्टार्टअप स्काईरूट एयरोस्पेस ने शुक्रवार को घोषणा की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हाथ से लिखा पोस्टकार्ड, जिस पर 'वंदे मातरम' लिखा है, 18 जुलाई को कंपनी की विक्रम-1 टेस्ट फ्लाइट-1 के जरिए अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। प्राइवेट स्पेस स्टार्टअप स्काईरूट एयरोस्पेस ने शुक्रवार को घोषणा की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हाथ से लिखा पोस्टकार्ड, जिस पर 'वंदे मातरम' लिखा है, 18 जुलाई को कंपनी की विक्रम-1 टेस्ट फ्लाइट-1 के जरिए अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में स्काईरूट एयरोस्पेस ने कहा कि इस मिशन में ले जाए जाने वाले खास पेलोड में पीएम मोदी का हाथ से लिखा संदेश भी शामिल होगा। इसके साथ ही, कंपनी की टीम, निवेशकों, नीति-निर्माताओं और दुनिया भर के शुभचिंतकों के हाथ से लिखे नोट भी इसमें शामिल होंगे। कंपनी ने कहा कि विक्रम-1 टेस्ट फ़्लाइट-1 पर ले जाए जा रहे

पेलोड में एक बहुत ही खास चीज है, पीएम मोदी का हाथ से लिखा पोस्टकार्ड, जिस पर 'वंदे मातरम' लिखा है। स्काईरूट के अनुसार, ये यादगार चीजें मिशन आगमन का हिस्सा हैं, जिसे कंपनी ने 'कई हाथों से आगे बढ़ाया गया और लाखों लोगों द्वारा साझा किया गया एक उत्सव' बताया है।

कंपनी ने कहा कि हाथ से लिखे ये संदेश भारत के बढ़ते प्राइवेट स्पेस इकोसिस्टम के लिए सामूहिक समर्थन का प्रतीक हैं और विक्रम-1 मिशन के साथ अंतरिक्ष में जाएंगे। यादगार चीजों के अलावा, विक्रम-1 में कॉस्मोसर्व, डी-क्यूब्ड और स्काईरूट के अपने स्कोप से टेक्नोलॉजी डेमोंस्ट्रेशन पेलोड ले जाए जाएंगे। साथ ही, इसमें कॉसमॉस डायमंड्स का बनाया आर्टवर्क 'कॉस्मिक ब्लूम' और एक माइक्रो-आर्ट पेलोड भी होगा। विक्रम-1 स्काईरूट एयरोस्पेस का पहला ऑर्बिटल लॉन्च व्हीकल, भारत के प्राइवेट स्पेस सेक्टर के लिए एक अहम उपलब्धि साबित हो सकता है। इस मिशन का मकसद देश में बने इस लॉन्च व्हीकल की क्षमताओं को दिखाना और देश के कमर्शियल स्पेस लक्ष्यों को मज़बूत करना है।

गुरुवार को हैदराबाद की स्टार्टअप कंपनी ने घोषणा की कि वह 18 जुलाई को सतीश धवन स्पेस सेंटर (एसडीएससी-एसएचएआर) के पहले लॉन्च पैड से विक्रम-1 की पहली टेस्ट फ्लाइट की कोशिश करेगी। यह लॉन्च भारतीय जमीन से किसी प्राइवेट तौर पर विकसित ऑर्बिटल-क्लास रॉकेट के उड़ान भरने की पहली कोशिश होगी।

सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स परीक्षा जिले में चार केंद्रों पर होगी आयोजित

ग्रेटर नोएडा,17 जुलाई (देशबन्धु)। सेन्ट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स की आगामी 19 जुलाई रविवार को दो पालियों में होने वाली परीक्षा को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सुचीता के साथ संपन्न कराने को लेकर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अजीत कुमार सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित हुई। जिले में 4 परीक्षा केंद्रों पर होने वाली परीक्षा की तैयारियों को लेकर सेक्टर मजिस्ट्रेट, लोकल इंस्पेक्टिंग ऑफिसर तथा केंद्र व्यवस्थापकों के साथ विस्तृत चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ने कहा कि सभी संबंधित अधिकारीगण अपनी तैयारियां संघ लोक सेवा आयोग के मानकों के

अनुरूप परीक्षा से पूर्व पूर्ण कर लें। उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं नकल विहीन ढंग से संपन्न कराने में जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। अतः सभी अधिकारी आपसी समन्वय के साथ अपनी तैयारियों को अंतिम रूप दें और समय से ड्यूटी स्थल पर पहुंचकर अपने दायित्वों का निर्वहन करें। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ने निर्देश दिए कि सेक्टर मजिस्ट्रेट व लोकल एक्सपेक्टिंग ऑफिसर अपने परीक्षा केंद्रों का भ्रमण कर यह सुनिश्चित करें कि सभी मूलभूत सुविधाएं एवं सीसीटीवी कैमरे सुचारू रूप से कार्य कर रहे हों। किसी भी गड़बड़ी की स्थिति में तत्काल समाधान सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित अधिकारी मुकेश मीणा ने आयोग के मानकों के अनुरूप परीक्षा संचालन की विस्तृत जानकारी दी। बैठक में डीसीपी मुख्यालय शव्या गोयल, जिला विद्यालय निरीक्षक चंद्रशेखर, समस्त सेक्टर मजिस्ट्रेट, लोकल इंस्पेक्टिंग ऑफिसर, केंद्र व्यवस्थापक सहित जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहे।

अंतर सदनीय पाक कला प्रतियोगिता में बच्चों ने किया प्रदर्शन

ग्रेटर नोएडा,17 जुलाई (देशबन्धु)। समसारा विद्यालय में कक्षा छठीं से आठवीं तक के छात्रों के लिए अंतर-सदन पाक कला प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम में हमारे सम्मानित मुख्य अतिथि, मेजर जनरल बी. डी. वाधवा एवीएसएम शामिल हुए जो समसारा विद्यालय की मैनेजमेंट समिति के सदस्य भी हैं। हैप्पी आवर्स स्कूल की संस्थापक निदेशक आमला लाल विशिष्ट निर्णायक के रूप में उपस्थित रहीं। प्रतिभागियों ने कई प्रकार के स्वास्थ्यवर्धक और नवोन्मेषी व्यंजन और ताजगी भरे मॉकटेल बनाकर असाधारण पाक कौशल का प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता ने रचनात्मकता, टीम वर्क, प्रस्तुति कौशल,

आत्मविश्वास और स्वस्थ खाना पकाने की पद्धतियों के प्रति जागरूकता को बढ़ावा दिया। इस अवसर पर सत्र 2025-26 की मैगजीन का भी विमोचन किया गया। जिसमें संपूर्ण संपादकीय विभाग शामिल रहा। प्रतियोगिता में बीथोवेन सदन ने प्रथम स्थान और शेक्सपियर सदन ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रधानाचार्या डॉक्टर शालिनी प्रसाद ने सभी प्रतिभागियों को उनके समर्पण, रचनात्मकता और उत्कृष्ट टीम वर्क के लिए बधाई दी, उनके ईमानदार प्रयासों की सराहना की और उन्हें उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ, जिससे छात्रों को अपनी पाक कला प्रतिभाओं को और अधिक विकसित करने और निखारने के लिए प्रेरणा मिली।

अब आदिजाति क्षेत्रों के आईसीडीएस ब्लॉक में पहुंची 'दूध संजीवनी योजना'

गांधीनगर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात के आदिजाति और दूरस्थ क्षेत्रों में कुपोषण के विरुद्ध लड़ाई को और अधिक मजबूत बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने 'दूध संजीवनी योजना' के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। राज्य के आदिजाति क्षेत्रों के लोगों और विशेषकर कमजोर वर्ग के लोगों को विकास की मुख्यधारा में लाने के लिए लगातार प्रयासरत मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की सरकार द्वारा लिए गए इस निर्णय के साथ ही कुपोषण विरोधी लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली दूध

संजीवनी योजना अब राज्य के सभी आदिजाति आईसीडीएस ब्लॉकों में लागू हो गई है। राज्य के महिला एवं बाल विकास विभाग ने इस संबंध में एक प्रस्ताव किया है, जिसके अंतर्गत आदिजाति जिलों में शेष सभी 53 आईसीडीएस ब्लॉकों में दूध संजीवनी योजना का विस्तार करने की मंजूरी दे दी गई है।

लिली के फूलों से महकेगा लद्दाख का लेह

श्रीनगर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। लेह की बेहद सर्द हवाएं भले ही खराब मौसम कही जाती हों लेकिन यही हवा लिली के फूलों के लिए यही अमर जीवनदायिनी है। इस बात को समझकर अब यहां लिली की खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। लेह के चोगलमसर इलाके में कृषि वैज्ञानिक लिली की खेती को नया आयाम देने में जुटे हैं। यह लद्दाख में इस स्तर की अपनी तरह की पहली फूलों की खेती की पहल है, जिसका मकसद यहां के किसानों की आमदनी में इजाफा करना है।

अधिकारियों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों में इस पुष्प क्षेत्र में लिली के 50 हजार से पौधे रोपे जा चुके हैं और उम्मीद है कि इस साल सितम्बर के पहले सप्ताह के आसपास पहली बार फूल ही फूल इन बागों में खिल जायेंगे। सिंधु नदी के तट पर 93,000 वर्ग मीटर के क्षेत्र में फैला चोगलमसर पुष्प क्षेत्र, देश के सबसे अधिक ऊंचाई पर फूलों के बाग के रूप में विकसित किया जा रहा है। वर्तमान में, भारत का सबसे ऊंचा पुष्प क्षेत्र उत्तराखंड के माणा में 3200 मीटर की ऊंचाई पर है, जबकि चोगलमसर पुष्प उद्यान लगभग 3265

मीटर की ऊंचाई पर स्थित है।

यह परियोजना हिमालय जैवसंसाधन प्रौद्योगिकी संस्थान, पालमपुर के वैज्ञानिकों की मदद से लागू की जा रही है। उप-राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने गत 22 जून को चोगलमसर पुष्प क्षेत्र की बुनियाद रखी थी। इस परियोजना का मकसद उन प्रीमियम लिली फूलों और कलियों को उपजाना है जिनकी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में ऊंची कीमतें मिलती हैं। यहां के स्वयं सहायता समूहों

- **किसानों की आमदनी बढ़ेगी**
- **सबसे ऊंचा पुष्प क्षेत्र उत्तराखंड के माणा में 3200 मीटर की ऊंचाई पर**

तथा सहकारी समितियों के जरिए लद्दाख के किसानों के लिए आमदनी का एक और जरिए खुल जाएगा। परियोजना के तहत, कृषि विभाग पहले साल में पुष्प क्षेत्र का विकास करेगा और फूल खिलने के समय इसे समितियों को सौंप देगा। विभाग राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में फूलों के बिक्री में भी मदद करेगा ताकि अधिक से अधिक लाभ कमाया जा सके। इसके बाद, अगले साल से सहकारी समितियां स्वयं लिली के फूलों की व्यवसायिक खेती, कटाई और मूल्यवर्धन का कार्य करेंगी। इसके लिए स्थानीय किसानों को वैज्ञानिक पुष्पकृषि, आधुनिक खेती के तौर तरीकों और पुष्पकृषि को एक व्यावहारिक उपाय को अपनाने के लिए ट्रेनिंग दी जा रही है।

वैज्ञानिकों के मुताबिक लद्दाख की आबोहवा लिली की खेती के लिए आदर्श है। इसके पौधे ठंडी आबोहवा (शून्य से 4 डिग्री नीचे से लेकर 4 डिग्री के बीच) में असाधारण रूप से बेहतर उपज देते हैं। ये फूल कुदरती तौर पर इस क्षेत्र के वातावरण के अनुकूल हैं। लिली की खेती का एक खास लाभ यह है कि तीन सालों में इसके पौधे और अधिक उपज देने लगते हैं जिससे भविष्य में पैदावार बढ़ने लगती है और बिना कोई पैसा खर्च किए किसानों का मुनाफा बढ़ जाता है। उप-राज्यपाल के अनुसार यह पहल न केवल कृषि में विविधता लाएगी बल्कि उच्च मूल्य वाली पुष्पकृषि के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों, सहकारी समितियों और युवा उद्यमियों को भी सशक्त बनाएगी। लिली अपने असाधारण सजावटी मूल्य और लंबे समय तक तरोताजा रहने की क्षमता के कारण दुनिया के सबसे पसंदीदा कटे हुए फूलों में से एक है। घरेलू खुदरा बाजारों में इसकी प्रीमियम किस्मों की कीमत 150 रुपए से 200 रुपए प्रति डंडी के बीच होती है, और फूलों के उद्योग तथा होटल आदि क्षेत्र में इसका खूब इस्तेमाल होता है।

सोनी सब के शो 'यादें' में अब शामिल हो रही हैं छवि पांडे

मुंबई 17 जुलाई (एजेंसियां)। सोनी सब का शो यादें अपने दर्शकों को हंसी, भावनाओं और हल्के-फुल्के मेडिकल रहस्यों के अनोखे मेल से मनोरंजन कर रहा है। जैसे ही डॉ. देव मेहता (इक़बाल खान) अपनी निजी भावनाओं और पेशेवर दबावों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं, एक अप्रत्याशित मुलाक़ात उन्हें उन अधूरी भावनाओं और राज़ों का सामना करने पर मजबूर करती है जिन्हें वे पीछे छोड़ चुके थे। शो में अब शामिल हो रही हैं छवि पांडे, जो निभा रही हैं डॉ. प्रीति देशमुख का किरदार। डॉ. प्रीति एक बेहतरीन सर्जन हैं और डॉ. देवयानी देशमुख की बेटी हैं। उनकी आदतें भले ही थोड़ी भुलक्कड़, भूलने वाली और हमेशा अपने ही ख्यालों में उलझी रहने वाली हों, लेकिन जैसे ही वह ऑपरेशन थिएटर में कदम रखती हैं, सब कुछ बदल जाता है। उनकी मज़ाकिया और चंचल शख्सियत के पीछे छिपा है एक बेहद तेज़ और कुशल डॉक्टर, जो शायद ही कभी गलती करती है। डॉ. देव को सालों से सराहती आईं प्रीति अपने दिल में दबे जज़्बात लेकर उनकी ज़िंदगी में दाखि़ल होती हैं। लेकिन उनके आने से यह सवाल उठता है कि क्या वह सिर्फ़ अपने दिल की राह पर चली हैं, डॉ. देव का साथ देने आई हैं, या फिर उनकी मौजूदगी उनके जीवन में नई चुनौतियाँ लेकर आएगी।

शब्दवाणी समाचार

‘आत्मनिर्भर भारत’ की सोच दर्शा रही हाइड्रोजन ट्रेन : वैष्णव

जींद, 17 जुलाई (एजेंसियां)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि हाइड्रोजन ट्रेन, रेलवे को आधुनिक बनाने के पीएम मोदी के विजन का अहम हिस्सा है। इस ट्रेन की तकनीक पूरी तरह से स्वदेशी है और आत्मनिर्भर भारत का शानदार उदाहरण है। वैष्णव ने कहा कि भारत में हाइड्रोजन को

■ भारत के पास ही है हाइड्रोजन तकनीक के बौद्धिक संपदा अधिकार

दुनिया के अन्य हिस्सों की तरह ही एक नए ईंधन के तौर पर देखा जाता है और सरकार ने इसे बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं। रेलवे ने ट्रांसपोर्ट सेक्टर के लिए 2,400 किलोवाट का पूरा हाइड्रोजन प्रोपल्शन सिस्टम तैयार किया है, जिसे इस ट्रेन में लगाया गया है।

उन्होंने आगे कहा कि यह तकनीक पूरी तरह से स्वदेशी है और ‘आत्मनिर्भर भारत’ की सोच को दर्शाती है। यह ग्रीन एनर्जी की दिशा में एक अहम कदम है। साथ ही, यह प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों से चल रहे रेलवे के आधुनिकीकरण के काम का हिस्सा है।

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि इस हाइड्रोजन तकनीक के बौद्धिक संपदा (आईपी) अधिकार भारत के पास ही है और

रेलवे ने ट्रांसपोर्ट सेक्टर के लिए 2,400 किलोवाट का पूरा हाइड्रोजन प्रोपल्शन सिस्टम तैयार किया है, जिसे इस ट्रेन में लगाया गया है : अश्विनी वैष्णव

इसे आने वाले समय में निर्यात में भी किया जाएगा। साथ ही कहा कि रेलवे फिलहाल इसे आगे विकसित करने पर कार्य कर रहा है। रेलवे की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, हाइड्रोजन फ्यूल सेल संचालित ट्रेन का प्रारंभिक संचालन उत्तर रेलवे के जींद-सोनीपत रेलखंड पर किया जाएगा। यह ट्रेन जींद जंक्शन, गोहाना जंक्शन और सोनीपत को जोड़ेगी। साथ ही यह मार्ग के बीच स्थित स्टेशनों और प्रस्तावित ठहरावों पर भी सेवा देगी। इनमें जींद सिटी, पांडू पिंडारा जंक्शन, ललित खेड़ा हॉल्ट, भंभेवा, इसापुर खेड़ी हॉल्ट, बुटाना हॉल्ट, खंडराई हॉल्ट, रभराह हॉल्ट, लाठ हॉल्ट, मोहाना, बरवासनी हॉल्ट और सोनीपत न्यू शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त, भारत में चलने वाली हाइड्रोजन ट्रेन की खासियत यह है कि इसे 10 कोचों वाले यात्री ट्रेनसेट के रूप में तैयार किया है, जिसमें करीब 2,600 यात्रियों को ले जाने की क्षमता है। वहीं, वर्तमान में दुनिया भर में संचालित अधिकांश हाइड्रोजन यात्री ट्रेनों में केवल दो या तीन कोच होते हैं और इन्हें मुख्य रूप से छोटी क्षेत्रीय रेल सेवाओं के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

‘अमृत भारत स्टेशन योजना’ के तहत ओडिशा को सात आधुनिक रेलवे स्टेशन का तोहफा

भुवनेश्वर। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने राज्य के रेलवे बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण को लेकर केंद्र सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित सात रेलवे स्टेशनों का लोकार्पण राज्य के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह पहल ओडिशा में बेहतर कनेक्टिविटी, आधुनिक परिवहन व्यवस्था और संतुलित विकास को नई गति देगी। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर जारी अपने संदेश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि रेलवे अवसंरचना को आधुनिक बनाने के लिए केंद्र सरकार का दूरदर्शी नेतृत्व और मजबूत प्रतिबद्धता ओडिशा के विकास को नई दिशा दे रही है। ऐसे बड़े निवेश भविष्य की जरूरतों के अनुरूप मजबूत परिवहन नेटवर्क तैयार कर रहे हैं, जो ‘समृद्ध ओडिशा’, ‘विकसित ओडिशा 2036’ और ‘विकसित भारत 2047’ के लक्ष्यों को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुनर्विकसित रेलवे स्टेशन केवल यात्रियों की सुविधा बढ़ाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ये आधुनिक सार्वजनिक अवसंरचना का नया उदाहरण भी प्रस्तुत करते हैं। इन स्टेशनों पर यात्रियों के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं, दिव्यांगजन के अनुकूल डिजाइन, बेहतर पहुंच व्यवस्था, स्वच्छ परिसर और विश्वस्तरीय सार्वजनिक स्थान विकसित किए गए हैं। इससे यात्रियों को अधिक सुरक्षित, सुविधाजनक और बेहतर यात्रा अनुभव मिलेगा। आधुनिक रेलवे स्टेशन क्षेत्रीय संपर्क को मजबूत करेंगे और व्यापार, पर्यटन और स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा देंगे।

दिल्ली हाट में 1 से 7 नवम्बर तक गौ-आधारित उत्पादों का भव्य प्री-दीपावली मेला आयोजित होगा

नई दिल्ली 17 जुलाई (एजेंसियां)। ग्रामीण उद्यमिता, पारंपरिक शिल्पकला तथा सतत आजीविका के प्रोत्साहन हेतु एक महत्वपूर्ण पहल के अंतर्गत दिल्ली हाट, जनकपुरी में दीपावली से पूर्व 1 से 7 नवम्बर 2026 तक गौ-आधारित उत्पादों का प्री-दीपावली मेला आयोजित किया जाएगा। मेले की रूपरेखा पर दिल्ली के पूर्व वित्त मंत्री एवं असम सहित विभिन्न राज्यों के पूर्व राज्यपाल जगदीश मुखी के नेतृत्व में दिल्ली सरकार के कला, संस्कृति एवं श्रम मंत्री कपिल मिश्रा के साथ आयोजित बैठक में विस्तृत चर्चा हुई। यह पहल स्वदेशी उद्योगों को बढ़ावा देने के साथ-साथ रोजगार सृजन को प्रोत्साहित करेगी तथा पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों के उपयोग को भी बढ़ावा देगी। इस मेले में गौ-आधारित उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की जाएगी, जिनमें

ब्रिकेटिंग मशीनें, कृषि उत्पाद, घर एवं उद्यान सजावट की वस्तुएँ, हस्तनिर्मित प्रतिमाएँ, गमले, दीपक, दीपावली पूजा सामग्री, घी, सैनिटाइज़र, मच्छर प्रतिरोधक उत्पाद, हर्बल सामग्री, वॉल पेंट तथा अन्य अनेक उपयोगी उत्पाद शामिल होंगे। मेले में देशभर के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) द्वारा निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी के लिए 200 से अधिक स्टॉल लगाए जाने की संभावना है। पिछले वर्ष यह मेला मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया था। इस वर्ष अपने नए स्वरूप में आयोजित होने वाला यह सप्ताहभर का मेला सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, बच्चों के लिए खेल एवं मनोरंजक गतिविधियों तथा एक विशेष मिनी गौशाला से भी परिपूर्ण होगा।

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

सनफार्मा	0.87 प्रतिशत
ट्रेंट	0.68 प्रतिशत
भारती एयरटेल	0.59 प्रतिशत
अल्ट्राटेक	0.55 प्रतिशत
इंडिगो	0.40 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	1,41,264
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	2,16,637
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	97.58	94.50
पौड स्टर्लिंग	132.22	127.60
यूरो	112.21	108.05
चीन युआन	15.13	13.41

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	2862.70
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4293.58
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4986.64

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	7798.23
मसूर काली	8109.74
उड़द दाल	10982.42
मूंग दाल	10178.50
अरहर दाल	11305.20

वैश्विक अस्थिरता के बीच सोने- चांदी में सपाट कारोबार

मुंबई, 17 जुलाई (एजेंसियां)। वैश्विक अस्थिरता के बीच सोने और चांदी की शुरुआत शुक्रवार को सपाट हुई और दोनों कीमती धातुओं में एक सीमित दायरे में कारोबार हो रहा है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अगस्त, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,40,348 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले 338 रुपए की तेजी के साथ 1,40,686 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। शुरुआती कारोबार में सुबह 9:30 बजे यह 52 रुपए या 0.04 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,40,400 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।

अब तक के कारोबार में सोने ने 1,40,733 रुपए प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर और 1,40,375 रुपए प्रति 10 ग्राम का न्यूनतम स्तर छुआ है। यह

दिखाता है कि सोना एक सीमित दायरे में बना हुआ है। चांदी में कमजोरी देखी जा रही है। चांदी का 4 सितंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट 2,16,013 रुपए प्रति किलो के मुकाबले 745 रुपए की कमजोरी के साथ 2,15,268 रुपए प्रति किलो पर खुला।

फिलहाल चांदी 582 रुपए या 0.27 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,15,431 रुपए प्रति किलो पर था।

पश्चिम एशिया में तनाव के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत : मल्होत्रा

मुंबई, 17 जुलाई (एजेंसियां)। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को कहा कि मध्य पूर्व में जारी तनाव से पैदा हुई अनिश्चितता के बीच भी भारतीय अर्थव्यवस्था का आधार मजबूत बना हुआ है।

आरबीआई गवर्नर ने पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव और संभावित कमजोर मानसून को भारत की अर्थव्यवस्था के लिए प्रमुख जोखिम बताया।

मल्होत्रा ने अमेरिकी डॉलर की मजबूती के बीच रुपए के प्रदर्शन का बचाव करते हुए कहा, ‘पश्चिम एशिया में युद्ध के बाद डॉलर मजबूत हुआ है। कई देशों की मुद्राएं कमजोर हुई हैं। अगर वैश्विक स्तर पर देखें तो भारतीय

रुपए की स्थिति सामान्य मानी जा सकती है। उन्होंने कहा कि मजबूत सेवा निर्यात, प्रवासी भारतीयों से होने वाली आय, रिकॉर्ड प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और नए व्यापार समझौतों के प्रभाव से भारत का बाह्य क्षेत्र मजबूत बना रहेगा और निर्यात को भी बढ़ावा मिलेगा।

आरबीआई गवर्नर ने सरकारी प्रतिभूतियों (जी-सेक) में विदेशी निवेश को आसान बनाने के लिए

■ कई देशों में कमजोर हुई मुद्राएं
■ संभावित कमजोर मानसून भारत के लिए जोखिम

सरकार के हालिया कदमों, सेवा निर्यात और रेमिटेंस में वृद्धि, ब्रिटेन के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) तथा यूरोपीय संघ और अमेरिका के साथ जारी व्यापार वार्ताओं का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ये सभी कदम देश के भुगतान संतुलन (बैलेंस ऑफ पेमेंट्स) को मजबूत करने में मदद करेंगे। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अर्थव्यवस्था के सामने चुनौतियां बनी हुई हैं।

सार संक्षेप

डॉलर में कमजोरी से रुपया 4 पैसे की मजबूत

नई दिल्ली। अमेरिकी डॉलर में कमजोरी के चलते भारतीय रुपया शुक्रवार को लगातार तीन कारोबारी सत्रों की गिरावट पर विराम लगाते हुए अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 4 पैसे की मजबूती के साथ 96.31 पर खुला। पिछले कारोबारी सत्र में घरेलू मुद्रा 96.35 प्रति डॉलर पर बंद हुई थी। रुपए में यह तेजी ऐसे समय आया, जब डॉलर इंडेक्स, जो अमेरिकी मुद्रा की छह प्रमुख वैश्विक मुद्राओं के मुकाबले स्थिति को दर्शाता है, एक महीने के निचले स्तर पर फिसल गया। डॉलर इंडेक्स 100.7 के आसपास बना हुआ है, लेकिन उम्मीद से अमेरिकी में महंगाई के कमजोर आंकड़ों के बाद फेडरल रिजर्व द्वारा तत्काल ब्याज दर बढ़ाने की संभावना कमजोर पड़ने से, इसमें और आगे गिरावट की संभावन बढ़ गई है। विश्लेषकों के अनुसार, बाजार ने जुलाई में ब्याज दर बढ़ने की संभावना लगभग खारिज कर दी है।

विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 675.157 अरब डॉलर पर

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 10 जुलाई को समाप्त सप्ताह में 96.4 अरब डॉलर बढ़कर 675.157 अरब डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा भंडार लगातार दूसरे सप्ताह बढ़ा है। इससे पहले 03 जुलाई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा का देश का भंडार 7.26 अरब डॉलर की बढ़त के साथ 674.193 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 10 जुलाई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा का सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 93 करोड़ डॉलर की वृद्धि के साथ 546.508 अरब डॉलर पर पहुंच गयी। इसमें अमेरिकी डॉलर के अलावा जापानी येन, यूरो और ब्रितानी पाउंड भी शामिल हैं। अन्य तीनों मुद्राओं के मूल्य का आंकलन डॉलर की तुलना में उनकी विनिमय दर के आधार पर किया जाता है। आलोच्य सप्ताह में स्वर्ण भंडार 2.4 करोड़ डॉलर की वृद्धि के साथ 105.23 अरब डॉलर रहा।

ब्लैक डॉग स्कॉच व्हिस्की अब नए पैक में, ‘सेवर द सिप’ के साथ पाएं नया प्रीमियम अनुभव

गुरुग्राम। भारत के सबसे प्रतिष्ठित स्कॉच व्हिस्की ब्रांड्स में से एक, ब्लैक डॉग व्हिस्की अब एक नए और आकर्षक पैक में उपलब्ध होगा। यह नया रूप ब्रांड की 140 वर्षों की समृद्ध विरासत को और प्रभावशाली तरीके से सामने लाता है। यह केवल डिज़ाइन का बदलाव नहीं है, बल्कि उस सोच को दर्शाता है जो लोगों को तेज़ रफ्तार जिंदगी से थोड़ा रुककर हर घूंट का सुकून से आनंद लेने के लिए प्रेरित करती है। 1883 में स्थापित ब्लैक डॉग की कहानी इसके संस्थापक सर वाल्टर मिलार्ड से शुरू होती है। उनका मानना था कि सच्ची निपुणता वर्तमान में पूरी तरह उपस्थित रहने और समय को अपना प्रभाव दिखाने देने से आती है, जिससे कुछ वास्तव में असाधारण रचा जा सके। स्कॉटलैंड की अपनी जड़ों से आगे बढ़ते हुए, ब्लैक डॉग ने भारत के लाखों जागरूक उपभोक्ताओं के बीच एक खास पहचान बनाई है।

बैंकिंग व आईटी शेयरों में लिवाली से चढ़े बाजार

मुंबई, 17 जुलाई (एजेंसियां)। विदेशों से मिले नकारात्मक संकेतों के बीच बैंकिंग और आईटी सेक्टरों में लिवाली से घरेलू शेयर बाजारों में शुक्रवार को तेजी रही।

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 964.58 अंक (1.25 प्रतिशत) की मजबूती के साथ 78,151.45 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 261.55 अंक चढ़कर 24,334.30 अंक पर पहुंच गया। यह दोनों सूचकांकों का 7 जुलाई के बाद का उच्चतम स्तर है। पिछले कारोबारी दिवस पर दोनों सूचकांक सपाट रहे थे।

एशिया और यूरोप में लगभग सभी प्रमुख सूचकांक लाल निशान में रहे और आईटी शेयरों में बिकवाली देखी गई। घरेलू स्तर पर प्रमुख सूचकांकों में जहां जबरदस्त तेजी रही, वहीं वृहत बाजार में बिकवाली का जोर रहा। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.30 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.21 प्रतिशत लुढ़क गया। बैंकिंग, आईटी, वित्त, ऑटो, रियल्टी और तेल एवं गैस सेक्टरों में अच्छी तेजी रही। वहीं, फार्मा, स्वास्थ्य और धातु सेक्टरों के सूचकांक लाल निशान में रहे।

एनएसई में जिन 3,419 कंपनियों के शेयरों

में कारोबार हुआ उनमें से 2,004 के शेयरों में गिरावट और 1,312 में तेजी रही। अन्य 103 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित बंद हुए।

सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 24 के शेयर हरे निशान में रहे। टेक महिंद्रा का शेयर 3.91 प्रतिशत के करीब चढ़ा। कोटक महिंद्रा बैंक में 3.37 फीसदी, टीसीएस में 3.02, रिलायंस इंडस्ट्रीज में 2.59, और हिंदुस्तान यूनीलिवर में

■ सेंसेक्स 1.25 प्रतिशत की मजबूती के साथ 78,151.45 अंक पर रहा
■ निफ्टी 261.55 अंक चढ़कर 24,334.30 अंक पर बंद

2.17 फीसदी की तेजी रही। महिंद्रा एंड महिंद्रा का शेयर 1.87 प्रतिशत, एक्सिस बैंक का 1.86, बजाज फाइनेंस का 1.75, आईसीआईसीआई बैंक का 1.67, इंफोसिस का 1.47, एचडीएफसी बैंक का 1.40, एचसीएल टेक्नोलॉजीज का 1.33, भारतीय स्टेट बैंक का 1.24, बजाज फिनसर्व का 1.18, एलएंडटी का 1.04 और पावरग्रिड का 1.01 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। अडानी पोर्ट्स, बीईएल, एशियन पेंट्स और आईटीसी के शेयर भी हरे निशान में रहे। सन फार्मा, भारती एयरटेल, ट्रेंट, अल्ट्राटेक सीमेंट और इंडिगो में गिरावट रही।

वैश्विक स्तर पर एशिया में जापान का निक्केई 4.03 प्रतिशत, चीन का शंघाई क्मोजिट 3.05 प्रतिशत और हांगकांग का हैंग सेंग 1.78 प्रतिशत लुढ़क गया। यूरोपीय बाजारों में शुरुआती कारोबार में जर्मनी का डैक्स 0.71 फीसदी और ब्रिटेन का एफटीएसई 0.17 फीसदी नीचे था।

पेंशन से जुड़े मुकदमों को कम करने के लिए कार्यशाला आयोजित करेगी सरकार

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। पेंशन से जुड़े मामलों में मुकदमों को कम करने और विभिन्न हितधारकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग (डिपार्टमेंट ऑफ पेंशन एंड पेंशनर्स वेलफेयर) 18 जुलाई को राष्ट्रीय राजधानी में दूसरी नेशनल वर्कशॉप ऑन पेंशन लिटिगेशन का आयोजन करेगा। शुक्रवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

इस कार्यशाला में सभी मंत्रालयों और विभागों के नोडल ऑफिसर्स, पैनल काउंसिल्स तथा कानूनी विशेषज्ञ हिस्सा लेंगे, जिसका उद्देश्य पेंशन से जुड़े मामलों के बेहतर प्रबंधन के लिए सभी संबंधित पक्षों के बीच समन्वय को मजबूत करना है। इसके अलावा, इस कार्यक्रम का मकसद उन बार-बार सामने आने वाले मुद्दों की पहचान करना भी है, जिनकी वजह से पेंशन संबंधी मुकदमेबाजी होती है, ताकि भविष्य में ऐसे विवादों से बचने के लिए प्रभावी समाधान तैयार किए जा सकें।

■ पेंशन के बेहतर प्रबंधन के लिए सभी संबंधित पक्षों के बीच समन्वय को मजबूत करना उद्देश्य

मिनिस्ट्री ऑफ पर्सोनल, पब्लिक ग्रीवांसेज एंड पेंशंस के बयान के अनुसार, पेंशन नियमों की अलग-अलग व्याख्या, पेंशन संबंधी लाभ देने में देरी, फैमिली पेंशन मंजूर करने में विलंब तथा एक ही श्रेणी के पेंशनभोगियों को अलग-अलग पेंशन मिलने जैसे कारण पेंशन मामलों में मुकदमों की प्रमुख वजह बनते हैं।

बयान में कहा गया कि डिपार्टमेंट ऑफ पेंशन एंड पेंशनर्स वेलफेयर द्वारा आयोजित इस नेशनल वर्कशॉप ऑन पेंशन लिटिगेशन का उद्देश्य विभिन्न मंत्रालयों, कानूनी विशेषज्ञों और पैनल काउंसिल्स के बीच सहमति बनाना है।

भारत का भुगतान संतुलन वित्त वर्ष 2026-27 में अधिशेष में लौटने की उम्मीद

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। लगातार दो वर्षों के घाटे के बाद भारत का भुगतान संतुलन वित्त वर्ष 2026-27 में अधिशेष में लौट सकता है। इसका मुख्य कारण शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और अन्य पूंजी प्रवाह में मजबूती रहने की संभावना है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

एफडीआई व अन्य पूंजी प्रवाह में मजबूती रहने की संभावना

केयरएज रेटिंग्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2026-27 में शुद्ध एफडीआई बढ़कर 15 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जो वित्त वर्ष 2025-26 में 6.9 अरब डॉलर था। यह वृद्धि सकल एफडीआई प्रवाह में मजबूती के कारण संभव होगी। रिपोर्ट के अनुसार, एफसीएनआर (बी) जमा, एक्सटर्नल कमर्शियल बॉरोइंग (ईसीबी) और ओवरसीज फॉरेन करेंसी बॉरोइंग के लिए रियायती स्वैप विंडो के माध्यम से वित्त वर्ष 2026-27 में सामूहिक रूप से 45 से 60 अरब डॉलर का पूंजी प्रवाह हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया कि पूंजी खाते का अधिशेष वित्त वर्ष 2025-26 के महज 2 अरब डॉलर से बढ़कर वित्त वर्ष 2026-27 में लगभग 73 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है।

रेटिंग एजेंसी ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए चालू खाता घाटे के अपने अनुमान को भी घटाकर जीडीपी के 0.8 से 1.2 प्रतिशत कर दिया है, जबकि पहले यह अनुमान 2.1 प्रतिशत था। सीएडी के अनुमान में यह कमी मुख्य रूप से कच्चे तेल की कीमतों में नरमी, सेवा निर्यात और रेमिटेंस में मजबूती तथा वस्तु निर्यात में सुधार के कारण की गई है।

रिपोर्ट में कहा गया, ‘हमारा संशोधित सीएडी अनुमान इस धारणा पर आधारित है कि वित्त वर्ष 2026-27 में कच्चे तेल की औसत कीमत 80-85 डॉलर प्रति बैरल रहेगी।

भारत के वस्तु निर्यात की वृद्धि दर जून में 15.5 प्रतिशत रही

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के वस्तु निर्यात की वृद्धि जून में सालाना आधार पर 15.5 प्रतिशत रही। हालांकि, मासिक आधार पर इसमें कुछ नरमी देखने को मिली। यह जानकारी शुक्रवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई। क्रिसिल रेटिंग्स की रिपोर्ट के अनुसार, मई में वस्तु निर्यात की वृद्धि दर 18 प्रतिशत थी। इस दौरान पेट्रोलियम निर्यात लगभग आधा रह जाने से वस्तु व्यापार घाटा बढ़ गया। रिपोर्ट के मुताबिक, जून में कृषि निर्यात का प्रदर्शन मजबूत रहा, जिसकी प्रमुख वजह अनुकूल आधार प्रभाव रहा।

सालाना आधार पर चावल का निर्यात 16.5 प्रतिशत बढ़ा, जबकि मांस, डेयरी और पोल्ट्री उत्पादों का निर्यात 54.6 प्रतिशत तथा समुद्री उत्पादों का निर्यात 14.5 प्रतिशत बढ़ा। तेजी से बढ़ रही ‘अन्य अनाज’ श्रेणी में निर्यात 244.2 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई।

रिपोर्ट में कहा गया कि जून रत्न एवं

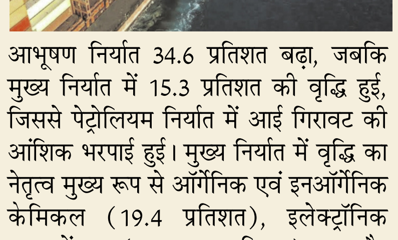

आभूषण निर्यात 34.6 प्रतिशत बढ़ा, जबकि मुख्य निर्यात में 15.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिससे पेट्रोलियम निर्यात में आई गिरावट की आंशिक भरपाई हुई। मुख्य निर्यात में वृद्धि का नेतृत्व मुख्य रूप से ऑर्गेनिक एवं इनऑर्गेनिक केमिकल (19.4 प्रतिशत), इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं (18.9 प्रतिशत) और फार्मास्यूटिकल्स (7.1 प्रतिशत) के निर्यात ने किया। रिपोर्ट में कहा गया कि इंजीनियरिंग वस्तुओं के निर्यात की वृद्धि दर घटकर 20.7 फीसदी रही, लेकिन यह अब भी मजबूत स्तर पर बनी हुई है। ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में

■ जून में कृषि निर्यात का प्रदर्शन मजबूत रहा

अंतरिम शांति समझौते के बाद आई गिरावट के चलते जून में पेट्रोलियम निर्यात घटकर 4.9 अरब डॉलर रह गया, जो मई में 8.4 अरब डॉलर था। जून में ब्रेंट कच्चे तेल की औसत कीमत 85.4 डॉलर प्रति बैरल रही, जो पहले के 107.1 डॉलर प्रति बैरल की तुलना में 20.3 फीसदी कम थी। रिपोर्ट के अनुसार, जून में वस्तु आयात 31 प्रतिशत बढ़कर 70.8 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इसकी मुख्य वजह मुख्य आयात में तेज बढ़ोतरी तथा तेल और सोने की अधिक खरीद रही।

रिपोर्ट में कहा गया कि हमें उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2027 में चालू खाते का घाटा (सीएडी) जीडीपी के 1.5 प्रतिशत तक बढ़ जाएगा, जबकि वित्त वर्ष 2026 में यह 0.6 प्रतिशत था।

भारतीय मतदाता संसद

भारतीय मतदाताओं का अपना संसद

जनसभा

जनसभा ही क्यों ?

जब दो बिभिन्न विचारधारा की राजनीतिक पार्टी गठबन्धन कर सरकार बना सकती हैं।

तो फिर मतदाता भी भी ऐसा क्यों नहीं कर सकता ?

करके देखें ! ऐसा करने से अच्छे जनप्रतिनिधि को भी अवसर मिलेगा ! मुठितन्त्र वाली सरकार से जनप्रतिनिधि आजाद होगा ! जनप्रतिनिधि मुठितन्त्र के लिए नही लोकतंत्र के लिए होगा ! तब बदलेगा भारत

अब भारतीय मतदाता हारेगा नही, कियोंकि अपने जनसभा संसद में बैठकर अपनी और दूसरे का विचारधारा बदलेगा, फिर एक विचारधारा बनाएगा

वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था और जनसभा राजनीतिक व्यवस्था में अंतर

वर्तमान व्यवस्था

- किसी विशेष राजनितिक पार्टी या समर्थक के रूप में मतदाता को संगठित किया जाता है। जिस कारण मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प नही रहता इसीलिये लोकतंत्र लोकतंत्र न रहकर मुठ्ठितंत्र बन जाता है।
- अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार किसी विशेष पार्टी या राजनितिक के कार्यकर्ता या समर्थक के रूप में करता है जिस कारण अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव महत्व नही रखता।
- भारतीय लोकतंत्र में जनता राजा है पर आज जनता नहीं कुछ मुट्ठी भर लोग राज कर रहे हैं।
- मुट्ठी भर लोग राज करने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार कम हुआ।
- जनप्रतिनधि बनने के इच्छुक चुनाव के समय ही अपनी कुशलता केवल प्रचार के माध्यम से करता है। जिसमें अधिक रुपया खर्चा करना पड़ता है।
- राजनीति में धन-बल का प्रयोग ज्यादा होता है, जिससे विकास और एक समान मूल अधिकार में बाधा उत्पन होती है।

जनसभा व्यवस्था

- मतदाता मतदाता के रूप में संगठित रहेगा इसीलिये मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प रहेगा तब लोकतंत्र मुट्ठीतंत्र न बनकर लोकतंत्र रहेगा।
- अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव के आधार पर मत का प्रयोग करेगा।
- भारतीय लोकतंत्र का जो सपना है मुट्ठी भर लोग राज नहीं आम जनता राज करे यह सपना साकार होगा।
- आम जनता का राज होने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार बढ़ेगा।
- जनप्रतिनधि बनने के इच्छुक को अपनी कुशलता रुपया या प्रचार के माध्यम से नही जनता की अधिक समय सेवा कर दिखाने का अवसर मिलेगा।
- राजनीति में धन-बल का प्रयोग कम होगा जिससे सभी का विकास और एक समान मूल अधिकार सबको मिलेगा।

करके देखें ● मुठितन्त्र से आजाद होगा हमारा जनप्रतिनिधि फिर ● भारत बदलेगा

आज ही शब्दवाणी समाचार के स्थाई पाठक बनकर भारतीय मतदाता का अपना संसद जनसभा के सदस्य बनें

शब्दवाणी समाचार विज्ञापन नहीं पाठकों को प्रमुख मानता है इसलिए औरों से अलग है

आज ही शब्दवाणी समाचार (हिंदी दैनिक) के स्थाई पाठक बनें, मात्र 300 रूपये मासिक पर

सम्मान के साथ मिलेगा बहुत कुछ, लेकर देखें

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्कर करें

RNI. NO.DELHIN/2003/09040
हिन्दी दैनिक
शब्दवाणी समाचार
Website : Shabdawanisamachar.page
(नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत)

wwww.shabdwanisamachar.page E-mail : shabdwanisamachar2003@gmail.com Helpline : 0886-012-8844

फीफा विश्व कप 2026 में तीसरे स्थान के लिए होगी जोरदार टक्कर

ब्रॉन्ज मेडल के लिए भिड़ेंगे आज फ्रांस और इंग्लैंड, एम्बाप्पे और केन पर रहेंगी निगाहें

● मियामी / (एजेंसी)

फीफा विश्व कप 2026 में तीसरे स्थान के मुकाबले में शनिवार (भारतीय समयानुसार रविवार तड़के 2.30 बजे) फ्रांस और इंग्लैंड की टीमें आमने-सामने होंगी। सेमीफाइनल में हार के बाद दोनों टीमों की नजरें कांस्य पदक जीतकर अभियान का सकारात्मक अंत करने पर होंगी।

फ्रांस ने टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत की थी। ग्रुप चरण में सेनेगल, इराक और नॉर्वे को हराकर टीम ने शीर्ष स्थान हासिल किया। इसके बाद नॉकआउट दौर में स्वीडन, पैराग्वे और मोरक्को को मात देकर सेमीफाइनल में जगह बनाई, लेकिन स्पेन ने 2-0 से हराकर उसके तीसरे विश्व कप खिताब के सपने को तोड़ दिया।

दूसरी ओर इंग्लैंड ने क्रोएशिया को हराकर अभियान शुरू किया। ग्रुप चरण में घाना के खिलाफ ड्रॉ और पनामा पर जीत के बाद टीम शीर्ष पर रही। नॉकआउट में कांगो डीआर, मेक्सिको और नॉर्वे को हराकर सेमीफाइनल तक पहुंची, जहां गत चैंपियन अर्जेंटीना ने 2-1 से उसे मात दी। दोनों टीमें फाइनल से एक कदम दूर रह गईं, लेकिन अब उनकी कोशिश विश्व कप का समापन कांस्य पदक के साथ करने की होगी।

साथ ही सभी की नजरें एम्बाप्पे और केन के प्रदर्शन पर रहेंगी, जो गोल्डन बूट की दौड़ को और रोमांचक बना सकते हैं।

गोल्डन बूट की दौड़ भी रोचक

फ्रांस के कप्तान किलियन एम्बाप्पे ने अब तक 8 गोल और 3 असिस्ट किए हैं। वह गोल्डन बूट की दौड़ में लियोनेल मेसी को पीछे छोड़ने की कोशिश करेंगे। वहीं इंग्लैंड के हैरी केन और जूड बेलिंघम ने 6-6 गोल किए हैं और उनके पास भी इस सम्मान की दावेदारी मजबूत करने का मौका होगा।

हेड-टू-हेड रिकॉर्ड

फ्रांस और इंग्लैंड के बीच अब तक 32 मुकाबले खेले गए हैं। इनमें इंग्लैंड ने 17, फ्रांस ने 10 मैच जीते हैं, जबकि 5 मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। विश्व कप में दोनों टीमें तीन बार आमने-सामने आई हैं। इंग्लैंड ने 1966 और 1982 में जीत दर्ज की थी, जबकि 2022 के क्वार्टर फाइनल में फ्रांस ने 2-1 से बाजी मारी थी।

इतिहास रचने का मौका

फ्रांस चौथी बार विश्व कप के तीसरे स्थान के मुकाबले में उतरेगा। उसने 1958 और 1986 में कांस्य पदक जीता था, जबकि 1982 में हार का सामना करना पड़ा था। इंग्लैंड तीसरी बार तीसरे स्थान के लिए खेलेगा। इससे पहले उसे 1990 और 2018 में हार मिली थी।

संभावित प्लेइंग इलेवन

फ्रांस: मैग्नां, गुस्तो, कोनाटे, लाक्रोआ, लुकास हर्नांडेज, जैरे-एमरी, कांटे, अलियूश, शेरकी, एम्बाप्पे, थुराम।

इंग्लैंड: हेंडरसन, चालोबा, गुएही, स्टोन्स, स्पेंस, मैनू, एंडरसन, रोजर्स, मडुएके, हैरी केन, रैशफोर्ड।

फीफा वर्ल्ड कप विजेता को इस बार एक खास रिंग के साथ मिलेंगे 481 करोड़ रु.

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के विजेता खिलाड़ियों को इस बार एक खास सम्मान मिलेगा। विश्व कप के इतिहास में पहली बार चैंपियन बनने वाली टीम के खिलाड़ियों और स्टाफ को ट्रॉफी और गोल्ड मेडल के साथ-साथ चैंपियनशिप रिंग भी दी जाएगी। फीफा ने इसकी आधिकारिक घोषणा की है।

फीफा के अनुसार, यह रिंग अमेरिकी खेलों की मशहूर परंपरा से प्रेरित है और पहली बार फुटबॉल विश्व कप का हिस्सा बनेगी। इसका मकसद खिलाड़ियों को उनकी ऐतिहासिक जीत की एक खास याद देना है। रिंग के एक तरफ फीफा वर्ल्ड कप की ट्रॉफी बनी होगी, जबकि दूसरी तरफ विजेता टीम के अनुसार खास डिजाइन तैयार किया जाएगा। हर रिंग पर अलग नंबर होगा, उसे खिलाड़ी के हिसाब से तैयार किया जाएगा और उसके साथ असली होने का प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा।

फाइनल मैच खत्म होने के तुरंत बाद विजेता टीम के कप्तान और हेड कोच को अस्थायी रिंग दी जाएगी।

8,218 करोड़ की रिकॉर्ड इनामी राशि

फीफा विश्व कप 2026 अब तक का सबसे बड़ा और सबसे अधिक इनामी राशि वाला टूर्नामेंट होगा। फीफा ने इस बार कुल 871 मिलियन डॉलर (करीब 8,218 करोड़ रुपये) की प्राइज मनी घोषित की है, जो विश्व कप इतिहास में सर्वाधिक है। टूर्नामेंट के विजेता को 51 मिलियन डॉलर (करीब 481 करोड़ रुपये), उपविजेता को 34 मिलियन डॉलर (321 करोड़ रुपये) और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम को 30 मिलियन डॉलर (283 करोड़ रुपये) मिलेंगे। चौथे स्थान की टीम को 28 मिलियन डॉलर, जबकि क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने वाली टीमों को 20 मिलियन डॉलर दिए जाएंगे। अंतिम 16, अंतिम 32 और ग्रुप चरण में बाहर होने वाली टीमों के लिए भी अलग-अलग पुरस्कार राशि तय की गई है। फीफा ने प्रदर्शन आधारित पुरस्कार के अलावा सभी 48 टीमों के लिए आर्थिक सहायता भी तय की है।

सिंधु की सेमीफाइनल में हुई धमाकेदार एंट्री

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

भारत की स्टार महिला शटलर पीवी सिंधु ने जापान ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचकर इतिहास रच दिया है। सिंधु जापान ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली दूसरी भारतीय महिला शटलर बनीं। इससे पहले 2011 में साइना नेहवाल ने जापान ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया था। विश्व रैंकिंग में 10वें नंबर पर काबिज सिंधु की सेमीफाइनल में एंट्री बिना मैच खेले हुई। जापान की नोजोमी ओकुहरा ने शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल मुकाबले से पहले अपना नाम वापस ले लिया।

16 साल बाद इतिहास दोहराया

सुपर 750 टूर्नामेंट में सिंधु का तीन साल बाद अंतिम-4 में पहली बार प्रवेश हुआ। इससे पहले वो 2023 में डेनमार्क ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची थी। बता दें कि सिंधु ने इस सीजन में तीसरी बार सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इससे पहले वो मलेशिया ओपन सुपर 1000 और ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 के अंतिम-4 में पहुंची थीं।

सेमीफाइनल में चीन की यूफी से भिड़ंत

बहरहाल, पीवी सिंधु का लक्ष्य जापान ओपन का खिताब जीतना है, जिसके लिए उन्हें सेमीफाइनल में विश्व नंबर-4 चीन की चेन यूफी की चुनौती से पार पाना होगा। चेन यूफी के खिलाफ सिंधु का मुकाबला आसान नहीं होगा। टोक्यो ओलिंपिक चैंपियन यूफी ने क्वार्टर फाइनल में कोरिया की वायजे सिम को सीधे सेटों में मात देकर अंतिम-4 में एंट्री की। सिंधु का यूफी के खिलाफ रिकॉर्ड दमदार नहीं है। दोनों शटलर्स के बीच चेन ने 8-6 की बढ़त बना रखी है। सिंधु ने चीनी शटलर के खिलाफ पिछले चार मैच लगातार गंवाए हैं

अलीरेजा फिरोजा ने गुकेश को हराया

फ्रांस के ग्रैंडमास्टर फिरोजा लगातार दूसरी जीत से शीर्ष पर पहुंचे

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

फ्रांस के ग्रैंडमास्टर अलीरेजा फिरोजा ने चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स 2026 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश को दूसरे दौर में 69 चालों के बाद मात दी।

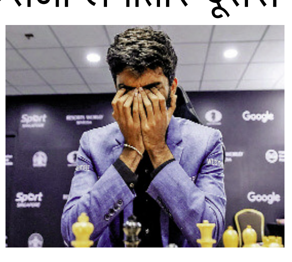

इस जीत के साथ फिरोजा ने लगातार दूसरी जीत दर्ज की और दो अंकों के साथ टूर्नामेंट में एकल बढ़त हासिल कर ली। इस प्रतिष्ठित क्लासिकल शतरंज टूर्नामेंट में दुनिया के आठ शीर्ष ग्रैंडमास्टर्स डबल राउंड-रॉबिन प्रारूप में हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता की कुल पुरस्कार राशि 75 लाख रुपये है, जबकि खिलाड़ियों के लिए फीडे सर्किट अंक हासिल करने का भी यह अहम अवसर है।

एंडगेम में फिरोजा ने दिखाई क्लास

गुकेश और फिरोजा के मुकाबले की पहली चाल वेस्टिन चेन्नई वेलाचेरी के जनरल मैनेजर दीपराज मुखर्जी ने चली। सफेद मोहरों से खेल रहे फिरोजा ने रुई लोपेज ओपनिंग चुनी। मुकाबला लंबे समय तक बराबरी का रहा और ऐसा लग रहा था कि गुकेश नाइट-पॉन एंडगेम में ड्रॉ बचा लेंगे। लेकिन निर्णायक क्षणों में फिरोजा ने शानदार पॉन सैक्रिफाइस और सटीक एंडगेम तकनीक का प्रदर्शन करते हुए बाजी पूरी तरह पलट दी।

बांग्लादेश ने जिम्बाब्वे को रौंदा, हिसाब किया बराबर

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

बांग्लादेश और जिम्बाब्वे के बीच खेली जा रही टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। पहले मैच में शिकस्त झेलने के बाद बांग्लादेशी टीम ने इस मैच में शानदार वापसी की और जिम्बाब्वे को 34 रनों से हरा दिया।

इस दमदार जीत के साथ ही बांग्लादेश ने सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली है। पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश ने निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट खोकर 186 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया था जिसके जवाब में जिम्बाब्वे की पूरी टीम 19.4 ओवरों में 152 रन बनाकर सिमट गई।

गिल के पूर्व साथी कालरा श्रीलंका में गिरफ्तार

शॉ की कप्तानी में अंडर-19 वर्ल्ड कप टीम में शामिल थे

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

भारत के पूर्व अंडर-19 वर्ल्ड कप विजेता टीम का हिस्सा रहे मनजोत कालरा को शुक्रवार को श्रीलंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) 2026 के दौरान एक खिलाड़ी को रिश्वत देने की कोशिश के आरोप में श्रीलंका के स्पोर्ट्स एंटी-करप्शन इन्वेस्टिगेशन ने गिरफ्तार किया। कालरा अंडर-19 विश्व कप 2018 जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। फाइनल में उन्होंने शतक भी लगाया था। कालरा को

खेल से जुड़े अपराधों की रोकथाम के लिए पुलिस की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन यूनिट ने हिरासत में लिया। बाद में उन्हें मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया। 27 साल के कालरा पृथ्वी शॉ की कप्तानी में 2018 अंडर-19 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। इस टीम में शुभमन गिल, अर्शदीप सिंह और शिवम मावी जैसे खिलाड़ी भी शामिल थे। कालरा अंडर-19 विश्व कप 2018 फाइनल के हीरो रहे थे। उन्होंने नाबाद 101 रन बनाए और भारत ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर ट्रॉफी जीती। कालरा पर लंका प्रीमियर लीग से जुड़े एक खिलाड़ी को पैसे की पेशकश करने का आरोप है। उन्हें टूर्नामेंट शुरू होने से कुछ घंटे पहले ही गिरफ्तार किया गया।

रोहित देश के लिए खेलते रहेंगे

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

बीसीसीआई ने शुक्रवार को रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ रविवार को लॉर्ड्स पर तीसरा वनडे उनका आखिरी मैच नहीं है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि इस तरह की कोई चर्चा नहीं हो रही है कि लॉर्ड्स पर रविवार को रोहित आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेंगे। उन्होंने कहा, रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर मीडिया में काफी अटकलें लगाई जा रही है।

मैं जोर देकर कहना चाहता हूं कि ऐसी कोई चर्चा नहीं हो रही है कि रोहित रविवार को लॉर्ड्स पर अपना आखिरी मैच खेलेंगे। उन्होंने कहा, रोहित भारतीय वनडे टीम का नियमित सदस्य है और जब तक टीम की योजनाओं का हिस्सा है, देश के लिए खेलता रहेगा। दूसरे शब्दों में, लॉर्ड्स वनडे उनका आखिरी मैच नहीं है।

सुंदर तीसरे वनडे से हुए बाहर

भारत को इंग्लैंड के खिलाफ निर्णायक तीसरे वनडे से पहले बड़ा झटका लगा है। ऑफ स्पिन ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर हैमस्ट्रिंग चोट के कारण रविवार को लॉर्ड्स में होने वाले मुकाबले से बाहर हो गए हैं। तीन मैचों की सीरीज फिलहाल 1-1 की बराबरी पर है और अब विजेता का फैसला आखिरी मुकाबले में होगा। 26 वर्षीय वॉशिंगटन सुंदर को कार्डिफ में खेले गए दूसरे वनडे में बल्लेबाजी के दौरान चोट लगी। भारत की पारी के 33वें ओवर में रन लेते समय उनकी हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया।

टैलेंट सर्च में खिलाड़ियों ने आजमाया दम

● भोपाल / (एजेंसी)

मध्यप्रदेश के उभरते बैडमिंटन एवं टेनिस खिलाड़ियों के लिए टैलेंट सर्च यानी प्रतिभा खोज का आयोजन किया गया। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित टैलेंट सर्च 2026-27 के तहत टीटी नगर स्टेडियम में

बैडमिंटन एवं टेनिस डे-बोर्डिंग चयन ट्रायल्स में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए खिलाड़ियों ने अपनी खेल क्षमता का प्रदर्शन किया। बैडमिंटन ट्रायल्स में कुल 75 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिनमें 50 बालक एवं 25 बालिकाएं शामिल रहीं। वहीं टेनिस चयन ट्रायल्स में 18 खिलाड़ियों ने सहभागिता की, जिनमें 12 बालक एवं 6 बालिकाएं शामिल थीं। इस प्रकार दोनों खेलों में कुल 93 खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। बैडमिंटन चयन ट्रायल्स के दौरान प्रतिभागियों के फुटवर्क, तकनीक, गति, फिटनेस, खेल समझ एवं मैच परिस्थितियों में प्रदर्शन का विशेषज्ञ चयनकर्ताओं द्वारा बारीकी से मूल्यांकन किया गया। वहीं टेनिस ट्रायल्स में खिलाड़ियों के तकनीकी कौशल के साथ-साथ शारीरिक दक्षताका भी आयोजन किया गया। चयन समिति ने सभी प्रतिभागियों के प्रदर्शन का निर्धारित मानकों के अनुरूप परीक्षण कर योग्य खिलाड़ियों का आकलन किया।

राज्य तैराकी प्रतियोगिता में भोपाल ने जीते 13 पदक

दो दिन में टीम ने हासिल किए 5 स्वर्ण

● भोपाल / (एजेंसी)

इंदौर में आयोजित 54वीं सब जूनियर और मिनी ग्रुप राज्य तैराकी प्रतियोगिता के दूसरे दिन भोपाल की टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। टीम ने 3 स्वर्ण, 9 रजत और 1 कांस्य पदक कुल 13 पदक प्राप्त किए। तेजस बाथम ने ग्रुप -3 में 100 मीटर बटरफ्लाई स्ट्रोक में स्वर्ण, 200 मीटर व्यक्तिगत मेडल और मीटर फ्री स्टाइल में रजत हासिल किए। अरनव चौधरी ने बालक -2 में 50 फ्रीस्टाइल में स्वर्ण जीता। वही मौली आहूजा ने 200 फ्रीस्टाइल और हिमांशी लीलानी ने 100 मी बटरफ्लाई में रजत पदक अपने नाम किया। ऋषभ कौशिक ने 200 ब्रेस्ट में कांस्य पदक प्राप्त किया। इसके अलावा रिले स्पर्धा में 1 स्वर्ण, 4 रजत भोपाल टीम ने अर्जित किए।

डोपिंग में फंसे पाकिस्तानी स्पिनर मोहम्मद नवाज

आईसीसी ने लगाया बैन

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के स्पिनर मोहम्मद नवाज को अपनी एक गलती के कारण गंभीर खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। नवाज को आईसीसी के डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन का दोषी पाया गया है और उन पर तीन महीने का बैन लगा है। इसी के चलते क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था ने उनके तीन महीने के सभी रिकॉर्ड अमान्य करने का फैसला किया है। आईसीसी ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर इस बात का ऐलान किया। भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में खेले गए टी20 वर्ल्ड कप-2026 में पाकिस्तान के नीदरलैंड्स के खिलाफ हुए मैच के बाद नवाज का डोप टेस्ट किया गया था जिसमें वह प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन के दोषी पाए गए हैं। ये मैच सात फरवरी को कोलंबो में हुआ था।

नवाज ने कबूल की सजा

आईसीसी ने बताया है कि नवाज ने अपना गुनाह कबूल कर लिया है। नवाज ने कहा कि उन्होंने जो पदार्थ लिया था वो खेल में अपने प्रदर्शन में इजाफा करने के लिए नहीं लिया था।

राजधानी (न्यू बॉम्बे)	
दिन	रात
900 = 9	150 = 6
279 = 8	300 = 3
शुभांक	
दिन	रात
468 = 8	145 = 0
245 = 1	338 = 4
भाग्यांक	
2 4	7 8

www.kalyangame.com

नीलामी — ब्राजील के दिग्गज ने 1958 विश्व कप फाइनल में पहनी थी यह जर्सी

पेले की 10 नंबर की जर्सी 47 करोड़ रुपये में बिकी

■ स्वीडन और ब्राजील के बीच हुआ था फाइनल

■ ब्राजील ने स्वीडन को 5-2 से शिकस्त दी थी

■ पेले ने इस जीत में दो अहम गोल दागे थे

● न्यूयाक / (एजेंसी)

ब्राजील के दिग्गज खिलाड़ी पेले ने 1958 के विश्व कप फाइनल में जो 10 नंबर की जर्सी पहनी थी, वह नीलामी में 49 लाख डॉलर (लगभग 47 करोड़ 21 लाख रुपये) में बिक गई है।

नीलामीकर्ता सोथबीज ने यह जानकारी दी। पेले उस समय 17 वर्ष के थे जब उन्होंने रासुंडा स्टेडियम में मेजबान स्वीडन पर ब्राजील की 5-2 की जीत में दो गोल किए थे। विश्व कप फाइनल में सबसे कम उम्र में गोल करने का रिकॉर्ड अब भी पेले के नाम पर दर्ज है। सोथबीज ने कहा कि ब्राजील के स्टार खिलाड़ी द्वारा पहनी गई जर्सी अब तक बेची

गई दूसरी सबसे महंगी फुटबाल जर्सी है। डिएगो माराडोना की 1986 के विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड के विरुद्ध पहनी गई हैंड ऑफ गॉड जर्सी 2022 में 93 लाख डॉलर (अब 89 करोड़ रुपये) में बिकी थी। नीलामी करने वाली कंपनी ने बताया कि पेले से जुड़ी चीजों में इससे पहले सबसे महंगा 1958 का एक ट्रेडिंग कार्ड था।

सबसे ज्यादा वर्ल्ड कप जीतने का है रिकॉर्ड

पेले ने ब्राजील के साथ 1958, 1962 और 1970 में फीफा वर्ल्ड कप जीता, जो किसी एक खिलाड़ी द्वारा सबसे ज़्यादा फुटबॉल वर्ल्ड कप जीत का रिकॉर्ड है। उन्होंने स्वीडन के खिलाफ 1958 वर्ल्ड कप फाइनल में दो गोल किए, जिससे टीम 5-2 से जीती, और पूरे टूर्नामेंट में उन्होंने छह गोल किए। हालांकि पेले अगले टूर्नामेंट में सिर्फ एक गोल कर पाए, लेकिन ब्राजील ने तत्कालीन चेकोस्लोवाकिया को 3-1 से हराकर लगातार दूसरा वर्ल्ड कप खिताब जीता।

संजना सांघी ने सुनाई इंडस्ट्री में अपने संघर्ष की कहानी

अभिनेत्री संजना सांघी अपनी अपकमिंग फिल्म 'हिटमैन' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने अपनी जिंदगी के सफर का जिक्र करते हुए मुश्किलों का सामना करने की हिम्मत, अनुशासन और अनिश्चितताओं को अपनाने के बारे में बात की। 'रॉकस्टार', 'दिल बेचारा' और 'कड़क सिंह' जैसी फिल्मों में काम कर चुकीं इस अभिनेत्री ने उन अनुभवों के बारे में बताया।

13 साल की उम्र में मिला ऑफर

शुरुआत को याद करते हुए संजना ने बताया कि एक्टिंग उनकी जिंदगी में अचानक आई। उन्होंने कहा, 'जब मैं स्कूल में डांस सीख रही थी, तो मैं सिर्फ इसलिए डांस करती थी क्योंकि मुझे यह पसंद था। मैं एनुअल फंक्शन में परफॉर्म करती थी। मैंने कभी सोचा नहीं था कि मैं एक्टिंग करूंगी। जब मैं सिर्फ 13 साल की थी, तब बॉलीवुड के एक बड़े कास्टिंग डायरेक्टर मेरे स्कूल आए और मुझे एक फिल्म में कास्ट किया।'

रणवीर के साथ किया काम 'रॉकस्टार' में एक्टिंग करने को लेकर उन्होंने कहा '13 साल की उम्र में, बिना किसी एक्टिंग अनुभव के भी, भारत के सबसे बड़े मेल स्टार्स में से एक के सामने खुद को मजबूती से पेश कर पाने की वजह वह मेहनत, अनुशासन और विनम्रता थी जो डांस ने मुझमें पैदा की थी।'

उन्होंने बताया 'बहुत से भारतीय माता-पिता की तरह, मेरे माता-पिता भी चाहते थे कि मैं हर चीज में बेहतर करूं। जब मैं सात साल की थी, तो मेरे पिता चाहते थे कि मैं कथक सीखूं, जबकि मेरी मां चाहती थीं कि मैं कंटेम्पररी जैज सीखूं। कोई एक न चुन पाने की वजह से, मैंने दोनों ही चीजें सीखीं और स्कूल के बाद हर दिन बारी-बारी से उनका अभ्यास करती रही। शुरू में तो यह बहुत ज्यादा दबाव जैसा लगा और मुझे इसमें मजा भी नहीं आया। लेकिन धीरे-धीरे मुझे इससे प्यार हो गया और मुझे एहसास हुआ कि यह मुझे अनुशासन और कड़ी मेहनत सिखा रहा है, जो आगे चलकर मुझे जिंदगी के सबसे मुश्किल हालात का सामना करने में मदद करेगा।'

11 तक नहीं रिलीज हुई फिल्म उन्होंने टीनएज में मिली अपनी सबसे बड़ी निराशाओं में से एक के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा 'जब मैं 17 साल की थी और 12वीं क्लास में थी, तो मुझे एक फीचर फिल्म में पहला लीड रोल मिला। वह मेरे स्कूल का आखिरी साल भी था और उन ग्रेड्स से मेरा भविष्य तय हो सकता था। मैंने अपने सपनों के कॉलेज में दाखिला लेने की कोशिश के साथ-साथ फिल्म करने का फैसला किया। मुझे वह कॉलेज मिल गया, जिसका मैंने हमेशा सपना देखा था, लेकिन वह फिल्म 11 साल तक रिलीज ही नहीं हो पाई। बड़ी होते हुए, मैं फिल्में देखती थी और सपना देखती थी कि एक दिन मैं भी उस स्क्रीन पर नजर आऊंगी।'

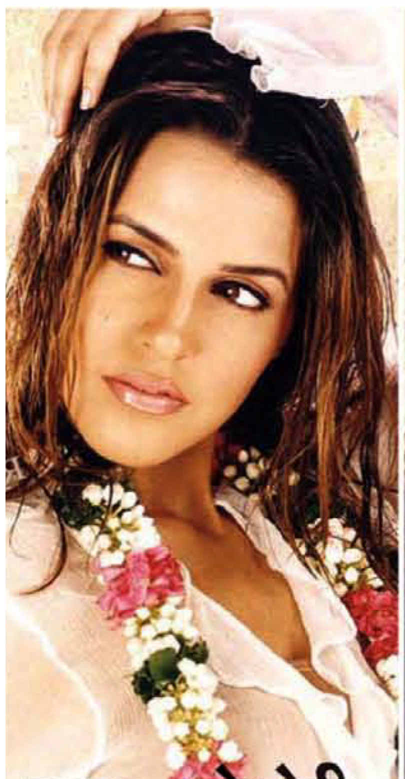

52 ब्लू ने मेरी मेहनत को दुनिया तक पहुंचाया

भारतीय-अंतरराष्ट्रीय ड्रामा फिल्म '52 ब्लू' का हाल ही प्रीमियर लंदन इंडियन फिल्म फेस्टिवल में हुआ था। अली अल अरबी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में नेहा धूपिया, आदिल हुसैन और यादव शशिधर मुख्य भूमिकाओं में हैं। मंगलवार को अभिनेत्री नेहा धूपिया ने प्रीमियर की खास झलक अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की, जिसके साथ उन्होंने अपनी भावनाएं शब्दों के जरिए बयां करते हुए लिखा, ''52 ब्लू' बाकी फिल्मों से अलग लगती है...सबसे पहले मैं बस इतना कहना चाहती हूं कि अली, आपने सिनेमा बनाया है, जिसका हिस्सा बनना हर कलाकार का सपना होता है। मुझे अपनी लक्ष्मी के रूप में देखने और मुझ पर भरोसा करने के लिए धन्यवाद। इस फिल्म में मेरी क्षमता और अलग-अलग किरदार निभाने की काबिलियत और मेरी मेहनत को शायद पूरी दुनिया तक पहुंचना जरूरी था। उम्मीद है कि इस फिल्म के जरिए घर के आसपास के और भी लोग इसे देखेंगे और समझेंगे।' अभिनेत्री नेहा धूपिया ने बताया कि वे फिल्म से जुड़े अनुभवों और भावनाओं को शेयर करने से तब तक रुकी रही, जब तक उन्होंने खुद फिल्म '52 ब्लू' देख नहीं ली। अभिनेत्री ने लिखा, 'यह अनुभव मेरे कैरेक्टर की पहली लाइनों में से एक पर यकीन दिलाता है, जिसमें मैं कहती हूं, 'हम जो भी करते हैं और जिन लोगों से भी मिलते हैं, वे हमें उस दिशा में ले जाते हैं, जहां हमें जाना होता है।'

अभिनेत्री नेहा धूपिया ने फिल्म निर्माता अली अल अरबी को धन्यवाद दिया। उन्होंने लिखा, 'मुझे हमेशा गर्व रहेगा कि हमने यह फिल्म बनाई। वहीं, बेहतरीन लोगों के साथ काम करने का मौका मिला। यह फिल्म दुनिया के कुछ अलग-अलग हिस्सों में चुनिंदा दर्शकों के लिए दिखाई गई है और हमें उम्मीद है कि यह आगे भी और जगहों तक पहुंचेगी।'

हॉलीवुड में दिशा पाटनी का आगाज; ऑस्कर विजेता निर्देशक की फिल्म का बनीं हिस्सा

प्रियंका चोपड़ा, दीपिका पादुकोण और तब्बू जैसी अदाकाराओं के बाद अब दिशा पाटनी ने भी हॉलीवुड में कदम बढ़ा दिए हैं। वे ऑस्कर विजेता निर्देशक केविन स्पेसी की सुपरनैचुरल थ्रिलर फिल्म 'हॉलीगार्ड्स सागा- द पोर्टल ऑफ फोर्स' में नजर आएंगी। इस फिल्म के जरिए वे इंटरनेशनल स्तर पर अपनी पहचान बनाने को तैयार हैं। हाल ही में दिशा ने स्पेसी के साथ शूटिंग के अनुभव साझा किए।

भारत में बैठकर ग्लोबल रोल पाने की उम्मीद नहीं कर सकते

फिल्म 'हॉलीगार्ड्स सागा' में दिशा के साथ डॉल्फ लुंडग्रेन, टायरेस गिब्सन, ब्रायना हिल्डेब्रांड और एरिक रॉबर्ट्स जैसे बड़े ग्लोबल स्टार्स अहम भूमिकाओं में हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में दिशा ने हॉलीवुड में सफल होने के लिए जरूरी चीजों के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक्टर्स सिर्फ भारत में बैठकर इंटरनेशनल ऑडिशन, टैलेंट रिप्रेजेंटेशन और वीजा से जुड़ी मुश्किल प्रक्रियाओं को समझे बिना ग्लोबल रोल पाने की उम्मीद नहीं कर सकते।

केविन स्पेसी की तारीफ में कहा

दिशा पाटनी ने वैरायटी इंडिया से बात करते हुए कहा, 'वे (केविन स्पेसी) कमाल के हैं। एक एक्टर होने के नाते, वे अपने एक्टर्स को समझते हैं। एक्सपेरिमेंट करने के लिए काफी आजादी देते हैं। वे हमसे कहते थे कि हम अपने अनुभवों का इस्तेमाल करें। वह हमें ऐसे सवाल सोचने के लिए प्रोत्साहित करते थे, जैसे- 'आप ऐसी स्थिति में कैसा रिएक्ट करेंगे?' 'क्या आप रोएंगे?' 'आप कैसा महसूस करेंगे?' 'आप अपनी भावनाएं कैसे जाहिर करेंगे?' हर सुबह, वे हमारे साथ बैठते थे और हमें सीन समझाते थे। मुझे यह बात बहुत खास लगी। मुझे नहीं लगता कि मैंने पहले किसी क्रिएटर के साथ ऐसा किया है।

पर्दे पर फिर धाक जमाने आ रहे हैं गोविंदा

फिल्म 'रूपा' से करेंगे कमबैक

अभिनेता गोविंदा एक बार फिर सिनेमा की दुनिया में वापसी को तैयार हैं। करीब सात साल बाद वे पर्दे पर लौट रहे हैं। वे फिल्म 'रूपा' से कमबैक करेंगे। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक गोविंदा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस प्रोजेक्ट की घोषणा की है। इस फिल्म में वे एक नई अभिनेत्री के साथ स्क्रीन साझा करेंगे।

नई एक्ट्रेस के साथ आएंगे नजर

गोविंदा की फिल्म 'रूपा' में नई एक्ट्रेस रानी स्वर्णकार भी नजर आएंगी। प्रेम कॉन्फ्रेंस में गोविंदा ने रानी से भी रूबरू कराया। बता दें कि गोविंदा फिल्म में अदाकारी तो करेंगे ही साथ ही फिल्म को प्रोड्यूस भी वे खुद कर रहे हैं।

'ईश्वर से प्रार्थना है कि यह फिल्म सबकुछ हासिल करे' गोविंदा ने कहा, 'शायद यह किस्मत ही थी कि मुझे कई बार नजरअंदाज किया गया। लोग कहते रहते थे, 'अब वह फिल्मों में नजर नहीं आएंगे'। लेकिन मैंने हमेशा नई शुरुआत की। मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि यह फिल्म वह सब हासिल करे, जिसकी मैंने कल्पना की है। कुछ ऐसा जिसकी लोग शायद सोच भी न सकें और अपना जादू दिखाए'।

गोविंदा ने आगे कहा, 'यह फिल्म खास तौर पर युवाओं के लिए है। जब वे इसे थिएटर में देखेंगे, तो मुझे उम्मीद है कि यह उन्हें सपने देखने और उन सपनों के सच होने पर यकीन करने के लिए प्रेरित करेगी। मैं इससे ज्यादा आध्यात्मिकता के बारे में बात नहीं करूंगा'। एक्टर ने अंक ज्योतिष में अपने पक्के विश्वास के बारे में भी बात की। गोविंदा ने '14' नंबर को अपना लकी नंबर बताते हुए याद किया कि कैसे इसने उनकी जिंदगी के अलग-अलग पड़ावों पर अहम भूमिका निभाई है। एक्टर ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यह वापसी एक नए सफर की शुरुआत होगी।

14 साल की उम्र से अंक ज्योतिष में यकीन

गोविंदा ने कहा, 'नंबर 14 हमेशा से मेरा लकी नंबर रहा है। मुझे न्यूमरोलॉजी में यकीन है। मेरा नाम भी इसी पर आधारित है। मैंने तब इस पर यकीन करना शुरू किया था, जब मैं सिर्फ 14 साल का था। भगवान की कृपा से, मैंने एक ही हफ्ते में 14 फिल्में साइन कीं और इससे मुझे 14 साल तक सुपरस्टारडम मिला। बाद में मैं 14वीं लोकसभा में सांसद बना। उसके बाद, फिल्मों में वापसी करने से पहले मुझे 14 साल तक संघर्ष करना पड़ा। हालांकि, इस बार मैं और पांच साल इंतजार नहीं करना चाहता था। मैंने खुद से कहा, 'मैं फिर से शुरुआत करूंगा।' अब, मुझे उम्मीद है कि यह एक नए सफर की शुरुआत होगी'। बता दें कि गोविंदा आखिरी बार 2019 में फिल्म 'रंगीला राजा' में नजर आए थे। इसमें उन्होंने डबल रोल निभाया था। वे 2022 की डॉक्यूमेंट्री 'नाम था

मैंने कभी किसी धर्म या किसी की आस्था का मजाक नहीं उड़ाया

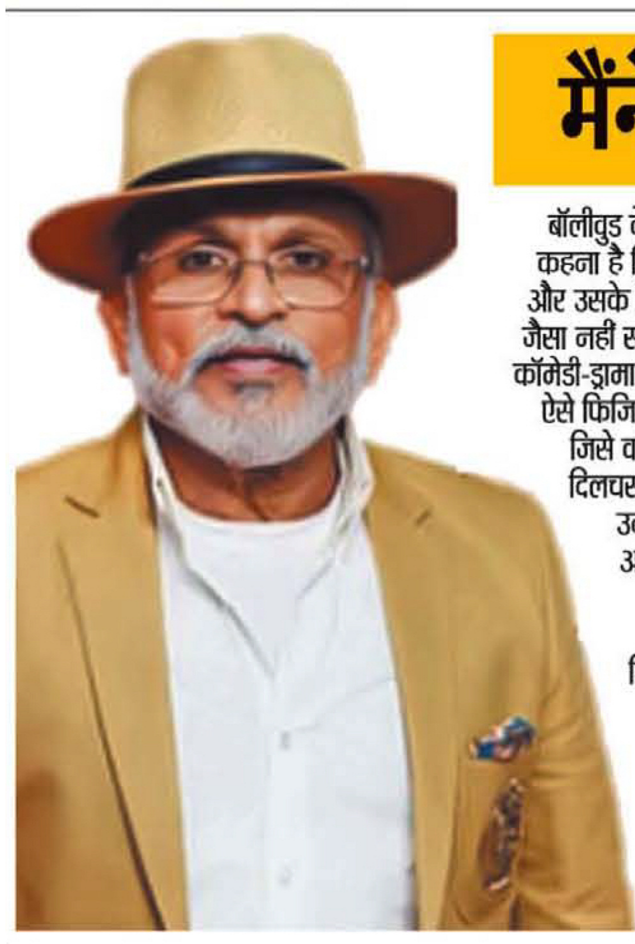

बॉलीवुड के अनुभवी एक्टर अन्नू कपूर का कहना है कि किसी कलाकार की निजी सोच और उसके निभाए गए किरदार को कभी एक जैसा नहीं समझना चाहिए। उनकी आने वाली कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'उत्तर दा पुत्तर' में वह एक ऐसे फिजिक्स प्रोफेसर का रोल निभा रहे हैं, जिसे वास्तु शास्त्र पर पूरा भरोसा होता है। दिलचस्प बात यह है कि असल जिंदगी में उनकी सोच इस किरदार से बिल्कुल अलग है। अन्नू कपूर कहते हैं, 'मैं खुद नास्तिक हूं, लेकिन इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं कि मैं किसी धर्म या किसी की आस्था का सम्मान नहीं करता।

जब निर्माता संदीप कपूर ने मुझे इस किरदार के बारे में बताया तो मैंने बिना देर किए हां कह दी। एक एक्टर होने के नाते मुझे ऐसे रोल करना सबसे ज्यादा पसंद है, जो मेरी असली जिंदगी से बिल्कुल अलग हों।'

पर्सनल दिलचस्पी को उनकी एक्टिंग से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए

उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने हस्तरेखा और ज्योतिष जैसी चीजों पर कई किताबें पढ़ी हैं, लेकिन सिर्फ अपनी जिज्ञासा और जानकारी बढ़ाने के लिए। उनका मानना है कि उनकी पर्सनल दिलचस्पी को उनकी एक्टिंग से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए।

मैंने कभी किसी धर्म या किसी की आस्था का मजाक नहीं उड़ाया

अन्नू कपूर का कहना है कि कई बार उनके बयानों को गलत तरीके से पेश किया जाता है, जिससे बेवजह विवाद खड़े हो जाते हैं। उन्होंने साफ कहा, 'मैंने कभी किसी धर्म या किसी की आस्था का मजाक नहीं उड़ाया। मेरा इरादा कभी किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का नहीं रहा। हर इंसान को अपनी सोच और विश्वास रखने का पूरा अधिकार है और मैं उसका सम्मान करता हूं।'

एक कलाकार को रियल में अपने किरदार जैसा बनने की जरूरत नहीं

एक्टर के मुताबिक, असली जिंदगी और पर्दे पर निभाए गए किरदार के बीच फर्क होना ही एक्टिंग की सबसे बड़ी खूबसूरती है। उन्होंने कहा, 'एक कलाकार को असल जिंदगी में अपने किरदार जैसा बनने की जरूरत नहीं होती। उसकी जिम्मेदारी सिर्फ इतनी होती है कि वह अपनी एक्टिंग से दर्शकों को उस किरदार पर भरोसा दिला सके।' अपनी फिल्म 'उत्तर दा पुत्तर' के बारे में बात करते हुए अन्नू कपूर ने कहा कि यह फिल्म दर्शकों को खूब हंसाएगी और साथ ही एक अच्छा संदेश भी देगी।

उन्होंने लोगों से फिल्म का ट्रेलर आखिर तक देखने की अपील की। उनके मुताबिक, जब फिल्म में उनकी पत्नी उनसे कहती है, 'इस वास्तु के चक्कर में तुम डरपोक हो गए हो,' तो यही एक संवाद पूरी कहानी का सार बता देता है।

रविंदर सिवाच के निर्देशन में बनी 'उत्तर दा पुत्तर'

रविंदर सिवाच के निर्देशन में बनी 'उत्तर दा पुत्तर' में अन्नू कपूर के साथ रुखसार रहमान, बृजेंद्र काला, पवन मल्होत्रा, इश्तियाक खान, जीवेशु अहलूवालिया, राजेंद्र सेठी, सुमित गुलाटी और नितिन अरोड़ा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

मोहम्मद जोशी के लिय टाइम्स मास कम्युनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पंजीकृत कार्यालय जे 85 सीमापुरी, दिल्ली से प्रकाशित इंकलाब भारत प्रेस जे एण्ड के दिलशाद गार्डन दिल्ली से मुद्रित संपादकीय कार्यालय समाचार भवन एफ-126 शाहिद नगर, चिकम्बरपुर, साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201006 ईमेल : shabdwanisamchaarw2003gmail.com www. shabdawanisamachar.page संपादक मोहम्मद जोशी ,सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

refresh MATTRESS
SLEEP HEALTHY. Wake beautiful.
HDFC BANK
We understand your world
Mega Exchange Offer
Limited time only
Zero Down Payment &
EMI Available on Selected Models
• Get Value upto ₹12000/- for Old Mattress
• Assured Gifts upto ₹12448/-
• Total Exchange Benifits ₹24448/-
BLOSSOM
refresh
Premium
PRISTINE
Offer available on
1pc of 72" x 60" or 2pcs of 72" x 30"
and above
Hurry !!! Rush to your nearest dealer
Customer care no. : 18001209630